राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अखबार

वर्ष : 05 अंक 24
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00/– रू.
UPHIN/2014/67765

क्राइम रिव्यू

साहस सच लिखने का

लखनऊ
बुधवार, 28 नवम्बर 2018
www.crimereview.co.in
www.facebook.com/crimereview
@crimereview2012

मोदी का राहुल पर तंज, कहा- जिन्हें मूंग और चने में फर्क नहीं पता, वे किसान की

जयपुर। आदिवासियों के मुद्दे पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि विपक्षी पार्टी ने कभी आदिवासियों की परवाह नहीं की और जिन्हें मूंग और चने में फर्क नहीं पता, वे किसान की बात कर रहे हैं। मोदी राजस्थान के आदिवासी बहुल डूंगरपुर जिले में बेणेश्वर धाम में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''आजादी के इतने सालों तक जब तक अटल बिहारी वाजपेयी देश के प्रधानमंत्री नहीं बने तब तक कांग्रेस को कभी आदिवासियों की याद नहीं आई। आदिवासी मांग करते थे कि हमारे लिए अलग मंत्रालय हो, अलग मंत्री हो, अलग बजट हो, हमारे विकास के लिए योजनाएं बनें, लेकिन कांग्रेस पार्टी को तो आदिवासियों की कोई परवाह नहीं थी।प्रधानमंत्री बनने के बाद वाजपेयी ने अलग आदिवासी मंत्रालय बनाया, आदिवासी मंत्री बनाया और आदिवासियों के लिए अलग बजट बनाया। तब से लेकर आदिवासियों के विकास की गाथा शुरू हुई।'' मोदी ने कहा, ''हम इस देश के हर नागरिक को सशक्त बनाना चाहते हैं। हम देश के हर नागरिक को सामर्थ्यवान बनाना चाहते हैं। अपने आदिवासी भाइयों को शक्तिशाली बनाना चाहते हैं, इसलिए हमारा रास्ता साफ है। हमारा मंत्र है 'बेटे बेटियों की पढाई, युवा को कमाई, किसानों को सिंचाई, बुजुर्गों को दवाई व जन जन की सुनवाई।' कांग्रेस में परिवारवाद पर प्रहार करते हुए मोदी ने कहा, ''दिल्ली में चार चार पीढ़ी तक एक ही परिवार ने राज ने किया। 55–60 साल तक एक ही पार्टी का इस देश में दबदबा रहा। गली से लेकर दिल्ली तक पंचायत से लेकर संसद तक कांग्रेस का ही झंडा फहराता था। लेकिन इसके बावजूद शौचालय, सड़क, बिजली, शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं से देश की जनता वंचित रही और इस सारी मुसीबत का कारण, इन 50–60 साल तक कांग्रेस का शासन है।'' उन्होंने लोगों से सवाल किया क्या आप फिर से ऐसी मुसीबत चाहते हैं। मोदी ने कहा, ''इन समस्याओं से केवल भाजपा ही निजात दिला सकती है। दिल्ली में मोदी की ताकत और राजस्थान में भाजपा की ताकत मिलकर निकाल सकती है।'' मोदी ने कहा कि उनका संकल्प है कि 2022 तक देश के हर परिवार के पास उसका अपना पक्का मकान हो। उन्होंने कहा, ''मैंने मन में ठान ली है कि अगर आपका आशीर्वाद मिल जाए तो हिंदुस्तान के हर परिवार के पास अपना पक्का घर होने का सपना पूरा कर करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''मैंने व्रत लिया है, संकल्प लिया है कि 2022 में जब आजादी के 75 साल होंगे, तब तक हिंदुस्तान में एक भी परिवार ऐसा नहीं होगा जिसका अपना खुद का पक्का घर नहीं होगा।'' उन्होंने कहा, ''जब कांग्रेस की सरकार थी और मैडम सोनिया गांधी दिल्ली में रिमोट से सरकार चला रही थीं तब देश में मोबाइल बनाने की फैक्ट्रियां चार थी। आज यह संख्या 125 है। बताइए नामदार के वादे सही या हमारे वादे सही। हम वादा करते हैं लेकिन आपको हिसाब भी देते हैं।''उन्होंने आरोप लगाया कि, ''कांग्रेस के दिमाग में ऐसा जातिवाद भर गया है। जातिवाद का जहर उनकी रगों में है। उनको घुट्टी में ही पिला दिया जाता है। जातिवाद का जहर जाता नहीं है और उन्हें कभी महर्षि बाल्मिकी, कबीर, संत रविदास भी मिल जाएं तो उनसे भी पूछ लेंगे आपकी जाति क्या है।'' मोदी ने कहा, ''हम 'सबका साथ सबका विकास' के मंत्र को लेकर आगे चल रहे हैं जबकि इनको एक परिवार के आगे कुछ दिखता ही नहीं है। वह एक परिवार एक नामदार की पार्टी बन गयी है।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''अगर सरदार पटेल इस देश के पहले प्रधानमंत्री होते तो गलत नीतियों वाली सरकार नहीं बनती और इस देश का किसान कभी मुसीबत में नहीं आता।

राहुल गांधी का किसानों से वादा, सत्ता में आते ही दस दिनों में कर्ज माफ करेगी कांग्रेस

जयपुर। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि राज्य में पार्टी की सरकार बनने पर दस दिन के भीतर किसानों का कर्ज माफ कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि वह खोखले वादे करने में विश्वास नहीं करते बल्कि मानते हैं कि सच्चाई से भी बहुत काम किया जा सकता है। राजस्थान के पोकरण में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा, ''राज्य में चुनाव होने के बाद कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने पर दस दिन में हमारी पार्टी किसानों का कर्जा माफ कर देगी। और दुनिया की कोई भी शक्ति इस बात को नहीं बदल सकती कि राजस्थान के किसान का कर्जा दस दिन में माफ होगा।श्गांधी ने कहा कि कांग्रेस इससे पहले पंजाब व कर्नाटक में भी ऐसा कर चुकी है और इसकी पुष्टि जनता वहां के किसी भी किसान से कर सकती है। राहुल ने कहा, ''मैं आपसे यहां झूठे वादे करने नहीं आया हूं। आप मेरी बात मत मानिए, यही बात मैंने पंजाब में की थी कि यही बात मैंने कर्नाटक में की थी। आप वहां फोन लगाकर पूछ लीलिए। सच झूठ का जवाब ले लीजिए। उन्हों कहा कि वह 15 लाख रुपये देने या हर साल दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने की बात नहीं करेंगे लेकिन श्जो आप मंच से सुन लेंगे या जो कुछ वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत या प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट के मुंह से सुन लेंगे वह हम कर के दिखा देंगे। गांधी ने कहा, ''हमारा मुख्यमंत्री दिन के 18 घंटे युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए काम करेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार ने 15 लोगों के साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये माफ किए हैं लेकिन हम करोड़ों युवाओं को लाखों रुपये का बैंक कर्ज दिलाएंगे। राहुल गांधी ने दावा किया वह किसी तरह के खोखले वादे नहीं करेंगे बल्कि जो कहेंगे उसे पूरा करेंगे। उन्होंने कहा, ''आपके और मेरे बीच सिर्फ सच्चाई का रिश्ता होना चाहिए। मैं जानता हूं कि अगर आप मुझ पर भरोसा करते हैं तो मेरे शब्दों का कुछ मतलब होना चाहिए। शब्दों का वजन होना चाहिए।

दिग्विजय सिंह को राजनीति से कोई अलग नहीं कर सकताः लक्ष्मण सिंह

राघोगढ़। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के छोटे भाई लक्ष्मण सिंह का मानना है कि दिग्विजय को राजनीति से अलग नहीं किया जा सकता, क्योंकि उनकी सांसों में राजनीति है और वह राजनीति ही पीते और सोते हैं। गुना जिले की चचौड़ा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ रहे लक्ष्मण ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की योजना खुद कभी नहीं बनाई बल्कि उनके भाई राजनीति के 'मास्टर' हैं। लक्ष्मण ने इंटरव्यू में कहा, ''उन्होंने (दिग्विजय ने) कहा था कि (यदि कांग्रेस मध्य प्रदेश की सत्ता में आती है तो) वह मुख्यमंत्री उम्मीदवार नहीं होंगे। लेकिन वह राजनीति में बहुत सक्रिय हैं और वह राजनीति में बने रहेंगे। आप दिग्विजय सिंह को राजनीति से अलग नहीं कर सकते। कोई नहीं कर सकता। वह राजनीति में ही सांस लेते हैं, पीते हैं, खाते हैं और सोते हैं। वह इसके मास्टर हैं।'' ।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दिग्विजय सिंह की जरूरत न सिर्फ राज्य में बल्कि देश में भी है। पार्टी ने उनकी सेवाएं भी ली हैं और यदि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजे कांग्रेस पार्टी के पक्ष में आए तो वे उनसे सेवाएं लेना जारी रखेंगे। दिग्विजय 1993 से 2003 तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं। उन्होंने कई मौकों पर कहा है कि यदि कांग्रेस इन विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करती है तो वह मुख्यमंत्री पद के दावेदार नहीं होंगे।

परिकर के इस्तीफे की मांग को लेकर धरना देंगे गोवा कांग्रेस अध्यक्ष

पणजी। गोवा कांग्रेस प्रमुख गिरीश चोडानकर बीमार चल रहे मुख्यमंत्री मनोहर परिकर के इस्तीफे की मांग को लेकर यहां मंगलवार को एकदिवसीय धरने पर बैठेंगे। चोडानकर आरटीआई कार्यकर्ता राजन घाटे के बगल में धरने पर बैठेंगे जो यहां आजाद मैदान में पिछले 11 दिन से अनशन पर हैं। घाटे की मांग है कि परिकर अपने स्वास्थ्य कारणों से पद छोड़ें। परिकर राजधानी दिल्ली स्थित एम्स में भर्ती थे और 14 अक्टूबर को राज्य लौटने के बाद उनका उनके आवास पर अग्नाशय संबंधी बीमारी के लिए इलाज किया जा रहा है। भाजपा का कहना है कि हालांकि परिकर का इलाज चल रहा है लेकिन वह इसके बावजूद शासन के मामलों को देख रहे हैं। वहीं राज्य की विपक्षी पार्टी कांग्रेस और राज्य सरकार में शामिल सहयोगी दल भी कभी कभी आरोप लगाते हैं कि स्वास्थ्य कारणों के चलते उनकी अनुपस्थिति से प्रशासन ठप हो गया है।

भारत के खिलाफ हिंसा पर रोक लगाए पाक वरना गंभीर अंजाम भुगतना

गुरदासपुर (पंजाब)। डेरा बाबा नानक (गुरदासपुर)। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने राज्य में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने को लेकर पाकिस्तान और उसके सेना प्रमुख को सोमवार को आड़े हाथ लिया। उन्होंने इमरान खान नीत सरकार को चेतावनी दी कि यदि भारत के खिलाफ हिंसा पर रोक नहीं लगाई गई तो उसे गंभीर अंजाम भुगतना होगा।सेना के अधिकारी रह चुके सिंह ने खान से पाकिस्तानी सेना पर लगाम कसने और भारतीय सशस्त्र बलों एवं नागरिकों के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियां फौरन बंद करने को कहा।गलियारे के शिलान्यास समारोह में 28 नवंबर को पाकिस्तान नहीं जाने का अपना रूख दोहराते हुए सिंह ने कहा कि जब बेकसूर भारतीय नागरिक और सैनिक हर दिन मारे जा रहे हैं, तो ऐसे में वह वहां कैसे जा सकते हैं? कांग्रेस नेता अमरिंदर ने कहा, ''मैं (करतारपुर गलियारा के लिए) पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का शुक्रिया अदा करता हूं। साथ ही, उनके (पाकिस्तान के) थलसेना प्रमुख से कुछ कहना चाहता हूं। मैं भी सेना में रहा हूं और जनरल बाजवा इस मामले में मुझसे काफी कनिष्ठ हैं। जब हम (कैप्टन) सेना में थे देश की सुरक्षा हमारे लिए सर्वोच्च थी।'' ।उन्होंने कहा, ''लेकिन सेना में आपको यह कौन सिखाता है कि आप सीमा पर हमारे सैनिकों की हत्या करिए? आप स्नाइपर से हमारे जवानों को मारते हैं। क्या आपको कभी बताया गया है कि आपने पठानकोट, दीनानगर में लोगों को मारा?'' उन्होंने पठानकोट एयरबेस में 2016 में और दीनानगर तथा गुरदासपुर में 2015 में हुए आतंकी हमलों का जिक्र करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। यहां उन्होंने उप–राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू के साथ करतारपुर साहिब गलियारे के निर्माण की आधारशिला खी।सिंह ने पाकिस्तान के थलसेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा पर भी निशाना साधा और उन्हें राज्य में आतंकी गतिविधियों और सीमा पर भारतीय सैनिकों के मारे जाने के लिए जिम्मेदार ठहराया। अमृतसर स्थित निरंकारी भवन में हुए ग्रेनेड हमले का जिक्र करते हुए 76 वर्षीय अमरिंदर ने कहा, ''लोग एक गांव में सत्संग कर रहे थे और उन पर ग्रेनेड फेंके गए। क्या सेना यही सिखाती है? यह कायराना हरकत है।'' उस हमले में तीन लोगों की मौत हुई थी। सिंह ने कहा, ''यदि वे पंजाब में संकट पैदा करने की कोशिश करेंगे तो बाजवा को याद रखना चाहिए कि हमारी रगों में पंजाबी खून है, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। मैं अपने खून के आखिरी कतरे तक पंजाब के लोगों की रक्षा करूंगा।'' उन्होंने कहा कि यह सभी को पता है कि पाकिस्तान में सेना की ही चलती है।उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को अपनी सेना और हमारे खिलाफ उसके (पाक सेना के) तहत काम करने वाली आईएसआई (पाकिस्तान की गुप्तचर एजेंसी) पर लगाम कसना चाहिए.. .ऐसे सेना प्रमुख (पाक सेना प्रमुख) को यह समझना चाहिए कि हमारे पास उनसे कहीं अधिक बड़ी सेना है और हम पूरी तरह से तैयार हैं।

मोदी बंगाल में भाजपा की रथ यात्रा रैलियों में शामिल हो सकते हैं: दिलीप घोष

कोलकाता। पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य में 'रथ यात्रा' अभियान के दौरान चार रैलियों में शिरकत कर सकते हैं। राज्य में भाजपा की 'रथ यात्रा' रैलियां सात दिसंबर से उत्तर में कूचबिहार जिले से, नौ दिसंबर को दक्षिण में गंगासागर से और 14 दिसंबर को बीरभूम जिले के तारापीठ मंदिर से शुरू होनी हैं। रथ यात्रा पश्चिम बंगाल की सभी 42 लोकसभा सीटों से गुजरेगी, जहां भाजपा ने 22 से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया है। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह का इन तीनों रैलियों में शिरकत का कार्यक्रम है। घोष ने यहां पत्रकारों से कहा, '' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य में हमारी रथ यात्रा के दौरान चार रैलियों में हिस्सा ले सकते हैं। हमने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व और प्रधानमंत्री कार्यालय को सूचित कर दिया है। अंतिम तारीखों को अभी तय करना है।'' उन्होंने कहा कि मोदी के जिन चार रैलियों में हिस्सा लेने की उम्मीद है, उनमें ब्रिगेड परेड मैदान में प्रस्तावित रैली शामिल है जो तीनों रथ यात्राओं के समापन पर होगी। घोष के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और वित्त मंत्री फिरहाद हकीम ने कहा कि भाजपा और आरएसएस की 'विभाजनकारी राजनीति' से बंगाल में कोई राजनीतिक फायदा नहीं होगा।

डूब मरो कांग्रेसियो, भारत माता की जय बोलने में शर्म आती हैः अमित शाह

धार। कांग्रेस वोटबैंक की चिंता करती है, हमारे लिए भारतमाता की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। हमारा मृत शरीर भी भारतमाता की जयकार सुनकर जी उठेगा, उन्हें भारतमाता की जय बोलने में शर्म आती है। डूब मरो कांग्रेसियो। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने सोमवार को धार जिले के कुक्षी में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस को यह फटकार लगाई। सभा में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश के विकास के लिए मोदी–शिवराज का मणिकंचन योग बना है। आप हमें आशीर्वाद दीजिए, हम पांच सालों में प्रदेश को समृद्ध बनाएंगे।

❑ बंटाढार ने प्रदेश को अंधेरे में डुबोया था

सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि आज प्रचार का आखिरी दिन है और 28 तारीख को मतदान है। उस दिन प्रदेश की जनता यह तय करेगी कि अगले पांच किसकी सरकार रहना है। शाह ने कहा कि आप जब मतदान करने जाएं, तो बंटाढार के जमाने को जरूर याद करें। उन्होंने लोगों से पूछा कि उस दौरान गांवों में 24 घंटे बिजली रहती थी क्या? कभी दो घंटे, तो कभी 3 घंटे बिजली मिल पाती थी। उन्होंने कहा कि रात को अगर भोजन करने में देर हो जाए, तो पता नहीं चलता था कि हाथ किसी चीज पर पड़ रहा है। शाह ने कहा कि बंटाढार ने पूरे प्रदेश को अंधेरे में डुबा दिया था। शिवराज की सरकार बनने के बाद अब हर गांव में 24 घंटे बिजली मिल रही है।

❑ किसान, किसान चिल्ला रहे राहुल बाबा, पर किया कुछ नहीं

शाह ने कहा कि राहुल बाबा आजकल इधर–उधर घूम रहे हैं। वे किसान–किसान चिल्ला रहे हैं, लेकिन उनकी सरकार ने किसानों के लिए किया कुछ नहीं। श्री शाह ने पूछा कि राहुल बाबा, जब आपका शासन था, तब कितने प्रतिशत पर किसानों को लोन मिलता था? उन्होंने कहा कि बंटाढार की सरकार किसानों को 18 प्रतिशत पर लोन देती थी, शिवराज सरकार ने इसे कम करके 0 प्रतिशत कर दिया। शाह ने कहा कि बंटाढार के जमाने में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ को मिलाकर किसानों को 1300 करोड़ का लोन देते थे। अब भाजपा सरकार 13 हजार करोड़ का लोन दे रही है। उस समय किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं, धान, सोयाबीन नहीं खरीदा जाता था। अब भाजपा की सरकार समर्थन मूल्य पर एक–एक किलो अनाज खरीद रही है और बोनस भी दे रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के जमाने में 7.5 लाख हेक्टेयर में सिंचाई होती थी, भाजपा सरकाने इसे 40 लाख हेक्टेयर कर दिया। उन्होंने कहा कि ओमकारेश्वर योजना का चौथा चरण पूरा होने पर कुक्षी के हर गांव में पानी पहुंच जाएगा।

❑ शिवराज सरकार ने किया कल्पनातीत परिवर्तन

शाह ने आदिवासियों के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार ने आदिवासियों के विकास के लिए महज 830 करोड़ रुपए दिए थे। हमारी सरकार ने इसक लिए 23000 करोड़ का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि आदिवासी संस्कृति को संजोने के लिए हमने टांट्या भील वनवासी परिसर बनाने का वादा अपने दृष्टि पत्र में किया है। श्री शाह ने कहा कि हमारी सरकार ने जिले के 144375 किसानों को सॉइल हेल्थ कॉर्ड दिए हैं, स्वच्छ भारत अभियान के तहत 199266 घरों में शौचालय बनवाए हैं, 31000 गरीबों को घर दिये हैं। प्रदेश की अगर बात करें, तो पूरे प्रदेश में 5 मेडिकल कॉलेज थे, जो अब 18 हो गए हैं। 100 इंजीनियरिंग कॉलेज थे, जो अब 300 हैं। प्रदेश के बच्चों को अब पढ़ाई के लिए बेंगलुरु और मुंबई नहीं जाना पड़ेगा। श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस के शासन में प्रदेश बीमारू बन गया था, जिसे विकसित राज्य बनाकर शिवराज जी की सरकार ने कितना बड़ा परिवर्तन किया है, आप इसकी कल्पना कर सकते हैं। श्री शाह ने कहा कि आपका आशीर्वाद चाहिए, पांच सालों में प्रदेश को समृद्ध बनाएंगे।

❑ पहले अकेले थे शिवराज, मोदी के आने से बना मणिकंचन योग

शाह ने कहा कि कमलनाथ पूछते हैं मोदी जी ने मध्यप्रदेश के लिए क्या किया। वो कांग्रेस की साढ़े चार पीढ़ियों का हिसाब नहीं देते, हमसे 4.5 साल का हिसाब मांगते हैं। शाह ने कहा कि हम कमलनाथ को नहीं, जनता को जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के जमाने में प्रदेश को 134190 करोड़ रुपए केंद्र से मिलते थे, जिसे मोदी जी की सरकार ने 344126 करोड़ रुपए किया। इसके अलावा प्रदेश में 57 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट चल रहे हैं। केंद्र सरकार ने देश में 129 योजनाएं शुरू की हैं। 5.5 करोड़ महिलाओं को गैस कनेक्शन दिए हैं, 8 करोड़ शौचालय बनाए हैं, दो करोड़ गरीबों को घर दिए हैं, 12 करोड़ माताओं को टीके लगाए हैं और 13 करोड़ युवाओं को मुद्रा लोन दिए हैं। शाह ने कहा कि 10 सालो तक प्रदेश में शिवराज अकेले थे, लेकिन मोदीजी के आने से मणिकंचन योग बन गया है।

❑ मोदी सरकार ने सुरक्षित की सीमाएं

शाह ने कहा कि मोदी सरकार जो सबसे बड़ा काम किया है, वह देश की सीमाओं को सुरक्षित करने का है । 10 साल तक यूपीए की सरकार थी, उस दौरान पाकिस्तान से जो चाहे, हिन्दुस्तान में घुस आता था। कोई कुछ नहीं करता था। उड़ी में सेना के शिविर पर हमला हुआ। 12 जवानों को जिंदा जला दिया गया। लेकिन इस बार कांग्रेस की सरकार नहीं थी, मोदी सरकार थी। मोदी जी ने सेना को आदेश दिया। सेना के रणबांकुरों ने पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक की और जवानों की शहादत का बदला लिया। इससे पहले तक अमेरिका और इजराइल दो ही देश थे, जो अपने जवानों के खून का बदला लेते थे। इन देशों की सूची में महान भारत का नाम जोड़ने का काम मोदी सरकार ने किया है।

❑ उन्हें वोट बैंक नजर आता है, हमें भारत माता की सुरक्षा

शाह ने कहा कि कांग्रेस को वोटबैंक नजर आता है, हम भाजपा वाले भारत माता की सुरक्षा के लिए ही जीते हैं। उन्होंने कहा कि बीकानेर में कांग्रेस के एक प्रत्याशी ने कार्यकर्ता को भारत माता की जय बोलने से रोक दिया।

रोज का एक चम्मच शहद आपको देगा ये 10 बड़े फायदे

सदियों से शहद का इस्तेमाल एक महत्वपूर्ण औषधि के रूप में किया जाता है। जहां इसका सेवन सेहत की जुड़ी परेशानियों को दूर रखता है। वहीं, इसका इस्तेमाल सुदंरता बढ़ाने के लिए भी किया जा सकता है। चलिए जानते हैं सर्दियों में शहद का सेवन आपके लिए क्यों फायदेमंद होता है।

क्यों फायदेमंद है शहद?

नेशनल हनी बोर्ड के मुताबिक, शहद में फैट, कोलेस्ट्रोल और सोडियम नहीं होता है, जिसके कारण यह इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। इससे आप सर्दी में होने वाली छोटी–मोटी समस्याओं से बचे रहते हैं।

शहद में मौजूद गुण

शहद में फ्रूट ग्लूकोज, आयरन, कैल्शियम, फॉस्फेट, सोडियम, क्लोरीन, पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे गुण होते हैं, जो शरीर को बैक्टीरिया से बचाने में मदद करते हैं। साथ ही इसमें एंटीसेप्टिक, एंटीबायोटिक, विटामिन बी1 और बी6 भी भरपूर मात्रा में होते हैं, जोकि सेहत और खूबसूरती दोनों के लिए फायदेमंद है।

शहद के हेल्थ बेनिफिट्स

शरीर को देता है एनर्जी

शहद में मौजूद ग्लूकोज को शरीर तुरंत एब्सोर्ब कर लेता है, जिससे दिनभर बॉडी में एनर्जी बनी रहती है। साथ ही एक्सरसाइज से पहले 1½2 चम्मच शहद खाने से थकान महसूस नहीं होती। आप चाय या कॉफी में चीनी की बजाए शहद का इस्तेमाल

कर सकते हैं।

खांसी में फायदेमंद

साल 2012 में हुई एक रिपोर्ट में कहा गया था कि रोजाना 2 चम्मच शहद खाने से खांसी में आराम मिलता है।साथ ही इसमें एंटीमाइक्रोबियल गुण होने के कारण इसका सेवन इंफेक्शन पैदा करने वाले बैक्टीरिया को भी खत्म करता है।

दिल की बीमारी से रखें सुरक्षित

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, शहद का सेवन खून में पॉलीफोनिक एंटीऑक्सीडेंट्स का लेवल बढ़ाता है, जिससे आप दिल की बीमारियों से बचे रहते हैं।

बेहतर नींद

हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि शहद से सेरोटोनिन कैमिकल निकलता है, जो मूड को अच्छा बनाता है। दरअसल, शरीर इस सेरोटोनिन कैमिकल को मेलाटोनिन केमिकल में बदल देता है, जो खराब नींद के लिए जिम्मेदार होता है। ऐसे में अगर अगर आपको भी अनिद्रा की समस्या है तो रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में शहद मिलाकर पिएं। इससे नींद अच्छी आएगी।

मजबूत इम्यून सिस्टम

एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–बैक्टीरियल गुण होने के कारण शहद का सेवन इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में शहद और और नींबू का रस मिलाकर पीना सेहत के लिए फायदेमद होता है।

ब्लड प्रेशर को करें कंट्रोल

रोजाना 1 चम्मच खाने या गर्म पानी में इसे मिलाकर पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है।

वजन करे कम

एक स्टडी में बताया गया है कि शहद भूख को नियंत्रित करता है, जिससे वजन कम होता है। स्टडी में यह भी बताया गया है कि रात को सोने से पहले शहद का सेवन करने से ज्यादा कैलोरी बर्न होती हैं। इसके अलावा आप चाय, कॉफी या किसी भी वेट लूज ड्रिंक में चीनी की बजाए शहद का इस्तेमाल करें। इससे वजन कंट्रोल में रहेगा।

शहद के ब्यूटी बेनिफिट्स

स्किन को खूबसूरत बनाए

सर्दियों में शहद से चेहरे पर 30 मिनट मसाज करें। इसके बाद गुनगुने पानी से चेहरा साफ कर लें। यह स्किन के लिए नेचुरल मॉइश्चराइजर की तरह काम करता है। इससे स्किन में नमी बनी रहती है और आप मुंहासे, दाग–धब्बे और स्किन ड्राईनेस से बचे रहते हैं।

एंटी–एजिंग

शहद में एंटी–एजिंग गुण होते हैं, जो स्किन में होने वाली झुर्रियों और रिकंल्स की समस्या को रोक देता है। इसके साथ ही शहद खाने या लगाने से मृत कोशिकाओं में जान आ जाती है।

सांवलापन करें दूर

गोरी रंगत पाने के लिए शहद, दूध, पपीता और मिल्क पाउडर मिलाकर चेहरे पर लगाएं और फिर सूखने पर चेहरा धो लें। रोजाना इस पैक को लगाने से त्वचा की रंगत निखर जाएगी।

बालों से जुड़ी समस्याएं

शहद में जैतून का तेल मिक्स करके रात को सोने से पहले बालों के किनारों और स्कैलप पर लगाएं। सुबह बालों को शैम्पू से धोएं। हफ्ते में कम से कम 2 बार ऐसा करने से आपकी दो–मुंहे बाल, डैंड्रफ और रूखे–बेजान बालों की समस्या दूर हो जाएगी।

सर्दियों में क्यों पीना चाहिए बादाम वाला दूध

सर्दियों में बीमारियों से बचने के लिए लोग दूध में तुलसी या इलायची मिलाकर पीते हैं। मगर यह सर्दियों में होने वाले सर्दी–खांसी, जुकाम, इंफेक्शन और अन्य बीमारियों से भी शरीर को सुरक्षित रखता है।

आज हम आपको बादाम वाला दूध पीने के फायदे बताने जा रहे हैं। दूध में मौजूद कैल्शियम व जरूरी न्यूट्रिएंट्स के कारण इसे कंपलीट फूड कहा जाता है। वहीं बादाम दिमाग तेज करने के साथ सेहत को भी दुरुस्त रखता है। ऐसे में अगर इन दोनों को मिला दिया जाए तो इनसे मिलने वाले फायदे भी दोगुना बढ़ जाएंगे।

सर्दियों में क्यो पीना चाहिए बादाम वाला दूध?

दरअसल, बादाम की तासीर गर्म होती है इसलिए सर्दियों में बादाम वाला दूध पीने से शरीर को ताकत मिलती है। इसके अलावा

बादाम दूध में मौजूद न्यूट्रिएंट्स

एक कप बादाम दूध में 1.5ह प्रोटीन, 516उह कैल्शियम, 39 कैलोरी, 5ह फाइबर, 3ह फैट, 1.5ह कार्बोहाइड्रेट, 0ह शुगर और 50: विटामिन ई होती है। यही नहीं. बादाम के दूध में विटामिन डी, बी और ई भी काफी मात्रा में पाया जाता है।

बादाम वाला दूध पीने के फायदे

दिल के लिए फायदेमंद

बादाम वाले दूध में कोलेस्ट्रोल नहीं होता है। साथ ही इसमें कई प्रकार के न्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं, जिससे आप दिल की बीमारियों से बचे रहते हैं।

मजबूत हड्डियां

कैल्शियम और विटामिन डी से भरपूर होने के कारण बादाम वाला दूध हड्डियों व दांतों को मजबूत बनाता है। इसके अलावा बादाम वाला दूध पीने से आर्थराइटिस और ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा कम होता है।

आंखों को रखे सुरक्षित

इसमें विटामिन ए भरपूर मात्रा में होता है, जोकि आंखों के लिए फायदेमंद है। इससे ना सिर्फ आंखों की रोशनी तेज होती है बल्कि यह दूध आंख संबंधी समस्याओं से भी बचाव करता है।

वजन करें कम

बादाम वाले दूध में कैलोरी बहुत कम होती है। एक कप बादाम दूध में 30 कैलोरी होती है जबकि फुल फैट मिल्क में 146 कैलोरी और स्किम मिल्क में 86 कैलोरी होती है। ऐसे में बादाम दूध वजन को ज्यादा तेजी से कम करता है। साथ ही यग मांसपेशियों को भी मजबूत बनाता है और इससे शरीर को एनर्जी भी मिलती है।

मजबूत इम्यून सिस्टम

यह दूध पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है, जिससे आप सर्दियों में होने वाली सर्दी, खांसी, बुखार जैसी समस्याओं से बचे रहते हैं।

बच्चों के लिए फायदेमंद

बच्चों के लिए भी बादाम वाला दूध बहुत फायदेमंद होता है क्योंकि इससे दिमाग तेज होता है और शरीर में एनर्जी बनी रहती है। साथ ही बादाम वाला दूध सर्दी–जुकाम से भी बचाव करता है।

ब्लड शुगर को करें कंट्रोल

यह गाय के दूध के मुकाबले ब्लड शुगर लेवल को तेजी से नहीं बढाता। साथ ही यह लो ग्लाइसिमिक इंडेक्स के साथ आता है इसलिए यह शरीर में फैट व शुगर के रूप से स्ध्टोर नहीं हो पाता, जिससे ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है।

स्किन को खूबसूरत बनाए

बादाम दूध में बहुत सारा 50 प्रतिशत विटामिन ई पाया जाता है, जिससे स्धकिन में ग्घ्लो आता है। साथ ही इसमें एंटीऑक्सीडेंट होता है जो डैमेज स्किन की मरम्मत करके उसे खूबसूरत बनाता है।

पाचन शक्ति बढाएं

फाइबर से भरपूर होने के कारण इसका सेवन पाचन क्रिया को मजबूत करता है, जिससे आप पेट से जुड़ी समस्याओं से बचे रहते हैं।

तनाव व डिप्रेशन से छुटकारा

डिप्रेशन से दिमाग और दिल पर सीधा और खतरनाक असर पड़ता है। अगर आप को किसी बात की कोई परेशानी है तो हल्का गर्म बादाम वाला दूध पीएं। इससे आपका तनाव दूर भाग जाएगा और आप डिप्रेशन से बचे रहेंगे।

बदमाश भाई के साथ जा रही बहन का पर्स ले गये

बसरेहर/इटावा । थाना क्षेत्र के ग्राम विशुनपुरा निवासी अभिषेक कुमार पुत्र सुभाष चन्द्र अपनी बहन के साथ बाइक से जा रहे थे। तभी गांव रजपुरा के पास पहुंचत ही बाइक सवार 03 बदमाशों ने तमंचे के बल बाइ में लटका अभिषेक की बहन का पर्स दिलदहाड़े लूट कर ले गये। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने इलाके में घेराबंदी करके लुटेरों की तलाश शुरू की। लेकिन पुलिस को बदमाशों का कोई सुराग नहीं मिला। इस सम्बन्ध में अभिषेक ने थाना क्षेत्र में अज्ञाम बाइक सवार तीन बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

मौरंग सप्लायर ने की खुदकुशी

लखनऊ । वृन्दावन विहार निवासी अवधेश मौरंग सप्लायर हैं। उनका बेटा विपुल (35) भी पिता के साथ दुकान पर बैठता था। मंगलवार रात खाना खाने के बाद विपुल कमरे में जाकर सो गया। सुबह देर तक जब वह कमरे से बाहर नहीं आया तो अवधेश बेटे को बुलाने पहुंचे। काफी प्रयास के बाद भी दरवाजा नहीं खुला। अवधेश ने रोशनदान से झांक कर देखा तो बेटे का शव साड़ी के सहारे लटकता मिला। उन्होंने ठाकुरगंज पुलिस को सूचना दी। इंस्पेक्टर अन्जनी पाण्डेय ने बताया कि दरवाजा तोड़ कर विपुल के शव को उतारा गया। उन्होंने बताया कि विपुल के खुदकुशी करने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

खड़े ट्रक से सामान की चोरी

लखनऊ । सरोजनीनगर में चोरों ने सड़क किनारे खड़े ट्रक का तिरपाल काट लाखों रुपए का सामान चोरी कर लिया। गोदाम मैनेजर ने सरोजनीनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। ट्रांसपोर्टनगर में पतांजलि एग्रो इण्डिया लिमिटेड के गोदाम में प्रवेश कुमार मैनेजर हैं। उनके मुताबिक कम्पनी का माल बहराइच जाना था। रात में ड्राइवर ने गोदाम के बाहर ही ट्रक खड़ा कर दिया। इस बीच चोरों ने तिरपाल काट कर करीब डेढ़ लाख रुपए का सामान चोरी कर लिया।

मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी

बकेबर/इटावा । कस्बा थाना क्षेत्र के ग्राम परशुपुरा के अर्न्तगत मनीष पुत्र अज्ञात निवासी अज्ञात ने अपने साथियों के साथ मिलकर बाबरपुर थाना अजीतमल जिला औरेया निवासी सुरेश बाबू पुत्र बन्दीदीन के साथ गाली गलौज कर मारपीट की। सुरेश बाबू द्वारा विरोध पर मनीष व उसके साथियों ने सुरेश को जान से मारने की धमकी दी। इस सम्बन्ध में सुरेश ने बकेबर थाने में मनीष सहित 05 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। अतः थाना पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस मामलें की जांच कर रही है।

रोडवेज के रिटायर कर्मियों ने दिया धरना

लखनऊ । पेंशन, चिकित्सा और भुगतान समेत 11 मांगों को लेकर रोडवेज के रिटायर कर्मचारियों ने ईको गार्डेन में बुधवार को धरना दिया। प्रशासनिक अधिकारी ने ज्ञापन लेने के बाद 15 दिन का समय मांगा है। उनके आश्वासन के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। यूपी रोडवेज रिटायर कर्मचारी वेलफेशर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सन्त कुमार गौड ने बताया कि रिटायर कर्मचारियों को पेंशन व चिकित्सा भत्ता दिया जाए। साथ ही जनवरी 2002 से डीए, 2006 से छठा वेतन और 27 माह से सातवा वेतन नहीं मिला। वेतन स्वीकृत करके भुगतान किया जाए। एसीएम ने उनका 11 सूत्री मांग पत्र लेने के बाद कुछ दिनों की मोहलत मांगी है।

सड़क दुर्घटना में दो लोगों की हुई मृत्यु

इकदिल/इटावा । थाना क्षेत्र के अन्तर्गत अलग अलग स्थानों पर वाहनों की टक्कर लगने के कारण दो लोगों की मौके पर मृत्यु हो गई। अतः घटनाओं के होनें पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इकदिल थाना क्षेत्र के अर्न्तगत भाटिया पेट्रोल पम्प के पास सड़क किनारे जा रहे जा रहे शिवमोहन पुत्र रामगुलाम शर्मा का चचेरा भाई को पीछे से आ रहे चालक द्वारा तेज रफतार अज्ञात वाहन चालक ने शिवमोहन के चचेरे भाई को टक्कर मार दी जिसके कारण शिवमोहन का चचेरा भाई गम्भीर रुप से घायल हो गया दुर्भाग्यवश उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। लेकिन वाहन चालक मौका पाकर वहां से फरार हो गया। तभी वहां मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मृतक के परिजनों को सूचना दी।

क्यों बार-बार होता है सर्दी-जुकाम? देसी नुस्खों से करें इलाज

दूसरे मौसम के मुकाबले सर्दियों में खांसी–जुकाम जल्दी होती है इसलिए सर्दियों को फ्लू

सीजन भी कहते हैं। ज्यादातर लोग इन छोटी–मोटी समस्याओं से परेशान होकर डॉक्टर के पास एंटीबायोटिक्स लेने चले जाते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं इसके कारण आप बार–बार सर्दी–खांसी का शिकार हो जाते हैं। चलिए जानते हैं किस तरह एंटीबायोटिक्स दवाइयों की वजह से आप बार–बार सर्दी–खांसी की चपेट में आ जाते हैं।

इम्यून सिस्टम को खराब करती हैं एंटीबायोटिक्स

गट में कई सारे इम्यून सेल्स होती हैं जो इंफेक्शन से बचाने में मदद करते हैं। वहीं, आंत की दीवार पर 70 फीसदी ऐसी कोशिकाएं होती हैं, जो इम्यून सिस्टम बनाती हैं। इन कोशिकाओं को श्पेयर्स पैचेसश कहा जाता है। यह छोटी आंत को म्यूकोस मेम्ब्रेन्स से सुरक्षा देती हैं और सफेद रक्त कोशिकाओं को रिलीज करके शरीर को इंफेक्शन से बचाती हैं। यहीं पर हेल्दी बैक्टीरिया का काम शुरू होता है, जो कोशिकाओं को सक्रिय करके इनकी वृद्धि में मदद करते हैं। ये कोशिकाएं वायरस और बैक्टीरिया से लड़ने में असरदार होती हैं।

क्यों बार–बार होता है सर्दी–जुकाम?

सर्दी–जुकाम होने पर आप जितनी बार भी एंटीबायोटिक्स दवाइयां लेते हैं, उतनी बार आप हेल्दी बैक्टीरिया को साफ कर रहे होते हैं। इससे पेट में हानिकारक बैक्टीरिया पनपते है और स्वस्थ बैक्टीरिया की वृद्धि रूक जाती है। लगातार एंटीबायोटिक्स लेने से यह एक खतरनाक चक्र बन जाता है, जिससे इम्यून सिस्टम कमजोर पड़ जाता है। इसके बाद आपको जल्दी–जल्दी सर्दी जुकाम होने लगता है और फिर ये सर्दी–जुकाम जल्दी जाता भी नहीं।

38 फीसदी लोग ले रहे हैं एंटीबायोटिक्सरू रिसर्च

यूके मेडिकल वॉचडॉग पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड (च्भ्म्) की नई रिपोर्ट के मुताबिक, 38 फीसदी लोग सर्दी, जुकाम, खांसी होने पर एंटीबायोटिक दवायों का सेवन करते हैं। च्भ्म् रिपोर्ट के मुताबिक, एंटीबायोटिक्स बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचने के लिए जरूरी है लेकिन लोग छोटी–मोटी परेशानी के लिए भी इनका सेवन करते हैं जबकि यह प्रॉब्लम्स बिना किसी दवाई के ठीक हो सकती हैं।

अच्छे बैक्टीरिया को खत्म करती है एंटीबायोटिक्स

एंटीबायोटिक्स गट बैक्टीरिया को भी नुकसान पहुंचाते हैं। अधिकतर लोगों को पेंसिलीन और एमॉक्सीलिन जैसे एंटीबायोटिक्स लेने की सलाह दी जाती है जबकि इनकी कोई जरूरत नहीं होती है। इससे ना सिर्फ अच्छे बैक्टीरिया खत्म होते हैं बल्कि यह गट बैक्टीरिया को भी नष्ट कर देता है।

दवाओं के असर को कम करते हैं प्रोबायोटिक्स

डॉक्टरों की सलाह है कि अगर आप किसी कारण एंटीबायोटिक्स ले भी लेते हैं तो उसके बाद प्रोबायोटिक्स भी लें। इससे खत्म हुए गुड़ बैक्टीरिया वापिस आ जाते हैं। इसके अलावा एंटीबायोटिक्स के साइड इफेक्ट से बचने के लिए प्रीबायोटिक फूड्स जैसे– फल और हरी सब्जियां लें।

सर्दी–खांसी का करें घरेलू इलाज

एंटीबायोटिक्स की बजाए सर्दी–खांसी, जुकाम, बैक्टीरिय इंफैक्शन या बुखार को दूर करने के लिए घरेलू नुस्खे अपना सकते हैं। इससे राहत पाने के लिए 1 गिलास गर्म दूध में हल्दा डालकर पिएं। इसके अलावा अदरक के रस और शहद को मिलाकर पीने से भी यह समस्या दूर हो जाती है।

छात्रसंघ चुनाव नामांकन में विभिन्न पदों पर 19 प्रत्याशी ने किया पर्चा दाखिल

वाराणसी । यूपी कॉलेज छात्रसंघ चुनाव में गहमागहमी के बीच विभिन्न पदों पर 19 प्रत्याशी ने नामांकन किया है। अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पर चार–चार व महामंत्री व पुस्तकालय मंत्री पद पर तीन–तीन प्रत्याशी ने पर्चा दाखिल किया है। प्रत्याशियों ने ढोल नगाड़े संग जुलूस निकाल कर लिंगदोह कमेटी की संस्तुतियों को दरकिनार कर दिया। नामांकन को देखते हुए सुरक्षा के सख्त बंदोबस्त किये गये थे। सुबह 11 से दोपहर तीन बजे तक नामांकन की अवधि बीत जाने चुनाव अधिकारी डा. ओमप्रकाश सिंह ने सूची जारी की। छात्रसंघ चुनाव के लिए आठ दिसम्बर को मतदान होगा। परिसर में मतदाताओं की संख्या 4500 है। प्रत्याशियों व समर्थकों में नामांकन को लेकर जबरदस्त उत्साह रहा।

अर्दली बाजार व भोजुबीर से प्रत्याशियों ने सुबह से ही नामांकन जुलूस निकालने की तैयारी शुरू कर दी थी। निर्धारित समय में ढोल नगाड़े व डीजे के संग नामांकन जुलूस निकाला। जुलूस के चलते वरुणापार के कई क्षेत्रों में जाम लग गया। फगवा झंडे लहराते हुए विभिन्न प्रत्याशियों का जुलूस जब कॉलेज के मुख्य प्रवेश द्वार पर पहुंचा तो समर्थकों का उत्साह बढ़ गया। काफी देर तक ताकत दिखाने के बाद प्रत्याशी नामांकन फार्म जमा करने परिसर में गये। परिसर के मुख्य प्रवेश द्वार पर सुरक्षा के सख्त बंदोबस्त किये गये थे।

सड़क दुर्घटनाओं के कारण व निवारण पर भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

इटावा । यातायात माह के चलते कल बुधवार को शहर के संत विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल में सड़क दुर्घटनाओं के कारण एंव निवारण के लिए जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अतः कार्यक्रम की शुरुआत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण द्वारा की गई। इस प्रतियोगिता में 63 जनपदों के विद्यालयों में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। संत विवेकानन्द में आयोजित जिला स्तरीय सड़क दुर्घटनाओं के कारण एंव निवारण भाषण प्रतियोंगिता में विद्यार्थियों ने सड़क दुर्घटनाओं से बचने के कारण बताते हुए भाषण प्रस्तुत किये। अतः विद्यार्थियों ने भाषण प्रतियोगिता में बताया कि वाहन चलाते समय यहां वहां न देख, वाहनों को बायी ओर से कतई ओवर टेक न करें। ऐसा करने से दुर्घटना होने की सम्भावना बढ़ जाती हैं। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर भी बात न करें तथा वाहन को साइड करके बात करें।

जनता की मूलभूत समस्याओं को सीएसआर मद से करें दूर

सोनभद्र । सामाजिक नैगमिक दायित्व (सीएसआर) के तहत जिले में स्थापित औद्योगिक इकाइयां अपने उत्पादन एरिया से हटकर अन्य क्षेत्रों में भी नागरिकों को सुविधाएं मुहैया कराएं। तभी सीएसआर की सार्थकता सिद्ध होगी। शिक्षा, चिकित्सा व पोषण के क्षेत्र को मजबूत करने के लिए औद्योगिक इकाइयां मूलभूत आवश्यकताओं व मरम्मत आदि का भी कार्य कराएं। यह बातें मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सीएसआर के कार्यों की समीक्षा करते हुए कही। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि औद्योगिक संस्थानों को आवंटित कार्य को इकाइयां समयबद्ध तरीके से पूरा करें। पर्यावरण संरक्षण के संबंध में प्राप्त दिशा–निर्देशों के अनुरूप मानकों को पूरा करने का निर्देश औद्योगिक इकाइयों को देते हुए कहा कि हरहाल में पर्यावरण के संरक्षण के मानकों को पूरा किया जाए। अपने–अपने निर्धारित मद से जिले के उत्थान के लिए सामाजिक क्षेत्र में बेरोजगारों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वरोजगार के लिए कार्ययोजना तैयार करके उन्हें रोजगार मुहैया कराया जाय। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत जिले के सोन स्वावलम्बन के तहत तैयार किये गये उत्पादों को औद्योगिक इकाइयां मार्केटिंग में सहयोग करें। ताकि स्वयं सहायता समूह द्वारा तैयार किये गये उत्पादों को बाजारों में आसानी से बेचा जा सके। उन्होंने जिले में पर्यटन विकास पर भी जोर देते हुए कहा कि जिले में काफी टेबल बनाकर पर्यटन का व्यापक प्रचार–प्रसार करके नागरिकों को आकर्षित किया जाय।

शिक्षा आज के समाज में महतीय आवश्यकता रखता : सत्यदेव पचौरी

कानपुर देहात प्रदेश के खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन मंत्री मा0 सत्यदेव पचौरी जनपद के विकास खण्ड मलासा के अन्तर्गत आरबीडी गर्ल्स इंटर कालेज के वार्षिकोत्सव में सम्मलित हुए। जहां विशेष अतिथि शिक्षक विधायक राजबहादुर चंदेल की गरिमामयी उपस्थिति में मां शारदे की प्रतिमा पर पुष्प माला अर्पित कर करने के साथ साथ दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उक्त कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत परम्पराओं का देश है। जहां सम्पन्न लोग समाज के उत्थान व प्रगति के लिए हमेशा आगे आते है। भारत इन्हीं संस्कारों के कारण विश्व पटल पर अद्धितीय है। भारत पहले के समय में विश्व गुरू के रूप में स्थापित था। इसी कारण आज देश के द्वारा ही पूरे विश्व को योग शिक्षा का व्याख्यान करता है। शिक्षा आज के समाज में महतीय आवश्यकता रखता है। शिक्षा के माध्यम से ही समाज व देश को अग्रेतर बढ़ाया जा सकता है। प्रदेश सरकार बालिकाओं को शिक्षित करने के उद्देश्य से स्नात्कोत्तर तक मुफ्त शिक्षा दिलाने के लिए प्रयत्नशील है। क्योकि सरकार का मानना है कि यदि कोई भी बालिका शिक्षित होती है तो वह न सिर्फ स्वयं शिक्षित होती है बल्कि दो परिवारों को भी शिक्षित करने का भी कार्य करती है। उन्होंने विद्यालय प्रबन्धन समिति से आवाहन किया कि विद्यालय में अध्यनरत गरीब बालिकाओं की मुफ्त शिक्षा प्रदान करायी जाये और जो भी शिक्षा में धनराशि व्यय हो उसको समाज के सम्पन्न लोगों द्वारा व्हन किया जाये। उन्होंने घोषणा की कि वह गांव को 25 सोलर चरखे उपलब्ध करायेंगे जिसके लिए पात्र महिलाओं का चयन कर उन्हें सोलर चरखे चलाने का प्रशिक्षण दिया जायेगा जिससे वह अपने पारिवारिक आमदनी में सहयोग कर सकेंगी। साथ ही उन्होंने युवाओं से आहवाहन किया कि वह नौकरी ढूंढने के स्थान पर स्वयं का रोजगार स्थापित करें और अन्य बेरोजगारों को भी रोजगार मुहैया कराये। इसके लिए सरकार मुद्रा योजना के अन्तर्गत लोन देकर कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। इसके साथ ही उन्होंने जैविक फसलों व उत्पादों पर जोर देते हुए कहा कि आज जहां एक ओर रासायनिक पदार्थो के प्रयोग से उत्पन्न फसलों का मूल्य कम है। वहीं जैविक फसलों व उत्पादकों का मूल्य अधिक है। उक्त के पूर्व मा. मंत्री जी द्वारा मास्टर डेयरी का भी निरीक्षण किया। जहॉ उन्होने जैविक खेती के माध्यम से पशुओं के लिए चारा उत्पादित किया जाता है, पशुओं के अपशिष्ट से उत्पन्न बायोगैस से विद्युत जनरेटर को संचालित किया जाता है, आधुनिक विधि से पशुओं के दूध को निकालना, दूध को पोस्चराइजड करना, दूध की पैकिंग आदि का भौतिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरान्त मा. मंत्री जी द्वारा संयन्त्रों की आधुनिकता एवं जैविक पदार्थों के प्रयोग, प्राकृतिक संसाधनों के अद्वितीय प्रयोग की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के उद्योग देश व प्रदेश में एक मिशाल पेश करते है, जिससे अन्य लोगों को भी इस तरह के उद्योग लगाने की प्रेरणा मिलती है। उक्त के उपरांत मंत्री द्वारा उपस्थित पत्रकार बन्धुओं की जिज्ञासाओं का प्रेसवार्ता कर निराकरण किया। उक्त अवसर पर संस्थान के निदेशक संजय सचान व आरके सचान, संस्थान के संस्थापक गजराज सिंह सचान, प्रबन्धक आरबीडी गर्ल्स इंटर कालेज ओमप्रकाश, प्राचार्या विभा, सलाहकार अनीता सचान, राजकुमार सचान व कार्यक्रम संयोजक व संचालन अनूप सचान सहित विद्यालय के छात्र छात्राओं व संस्थानों के कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

पंचायत के दौरान मारपीट, भाजपा नेता घायल

सोनभद्र । स्थानीय थाना क्षेत्र के मेदनीखाड़ ग्राम पंचायत में बुधवार की दोपहर में ग्राम प्रधान व कुछ लोगों के बीच हुए विवाद की पंचायत के दौरान मारपीट हो गई। इसमें भाजपा नेता घायल हो गए। लोगों ने उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। इस मामले में पुलिस मारपीट के आरोपित युवक को हिरासत में ले लिया है। मेदनीखाड़ ग्राम पंचायत निवासी मुद्रिका पटेल व उनके पुत्र सुरेश पटेल के बीच भूमि का विवाद था। मुद्रिका पटेल ने बुधवार को दोपहर बाद एक पंचायत अपने घर पर ही बुलाई। उसमें पटेल नगर चौराहे सहित आसपास के दर्जनों लोग एकत्रित होकर पंचायत किए लेकिन आपसी सहमति न होने के कारण मारपीट की स्थिति बन गई। विवाद बढ़ता देख भाजपा नेता राकेश कुमार केसरी ने मना किया तो उसमें से किसी ने राकेश पर हमला कर दिया। इससे वह घायल हो गए।

जनरल इंश्योरेंस कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया

लखनऊ । ज्वाइंट फोरम के तत्वाधान में बुधवार को जनरल इंश्योरेंस के कर्मचारियों ने हजरतगंज स्थित नेशनल इंश्योरेंस क्षेत्रीय कार्यालय में प्रदर्शन किया। नाराज कर्मचारियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने केंद्र सरकार से पेंशन का एक और विकल्प देने, वेतन वृद्धि पर वार्ता जल्द शुरू करने की मांग की। संयुक्त मोर्चा के कन्वीनर अब्दुल नईम इदरीसी ने बताया कि एनडीए सरकार देश के सभी फाइनेंस सेक्टर को दिवालिया बनाने की रणनीति बना रही है। उन्होंने कहा कि 12 व 19 दिसम्बर को फिर प्रदर्शन किया जाएगा।

तलाब से 654 कछुऐं बरामद, आरोपी फरार

इटावा । मुखबिर की सूचना पर इटावा वन्य विभाग टीम ने भरथना के पास बने तालाब से तस्करी के लिए एकत्रित किये जा रहे करीब 654 कछुये विभिन्न प्रजातियों के बरामद किये। लेकिन टीम के पहुंचते ही आरोपी भागने में सफल रहे। इटावा जिला के थाना भरथना इलाके के पास बने एक तालाब में काफी समय से तस्करी के लिए कछुऐं इकठ्ठा किये जा रहे। इस सम्बन्ध में मुखबिर द्वारा इटावा वन्य विभाग को सूचित किया गया। सूचना मिलते ही वन्य विभाग टीम मय पुलिस फोर्स के मौके पर पहुंची। लेकिन टीम को आते देख आरोपी भागने में सफल रहे। अतः वन्य विभाग टीम ने तालाब से लिसमिस पंकटाटा आदि विभिन्न प्रजातियों के 654 कछुऐं बरामद किये। जिसमें 482 कछुऐं मृत व 172 कछुऐं जीवित पायें गये। अतः पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

कटिया मशीन से दबकर मासूम की मौत

औरैया । सहायल थाना क्षेत्र के ग्राम पुर्वा भिखनी में तेरह माह की बच्ची खेलते–खेलते कटिया मशीन के पास पहुंच गई। तभी मशीन अचानक उसके ऊपर गिर गई। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय परिजन खेतों पर गए हुए थे। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। बुधवार की शाम महेशचंद्र की तेरह माह की पुत्री जमीन पर पड़े बिस्तर पर सो रही थी। महेशचंद्र व उसकी पत्नी खेतों पर गए हुए थे। तभी उनकी पुत्री मुस्कान खेलते–खेलते घर में रखी कटिया मशीन के पास पहुंच गई। वह वहीं खेल रही थी कि अचानक कटिया मशीन मासूम के ऊपर गिर गई। जिससे उसकी दबकर मौत हो गई। उधर जब महेशचंद्र की पत्नी घर वापस आए तो मुस्कान को न देख उन्होंने उसकी तलाश शुरू की। लेकिन वह कहीं नहीं दिखी। तभी उनकी पत्नी की नजर कटिया मशीन के पास पड़ी। जहां पर मुस्कान मृत अवस्था में पड़ी थी। मासूम की मौत पर परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। महेशचंद्र की चार बेटियों में मुस्कान सबसे छोटी थी।

छात्र–छात्राओं ने निकाली स्वच्छता अभियान रैली

ग्रेटर नोएडा । जहांगीरपुर कस्बा जहांगीरपुर में स्वच्छता अभियान रैली निकालकर नागरिकों को जागरुक करने का प्रयास किया गया! इस रैली को नगर पंचायत परिसर से चेयरमैन जय प्रकाश शर्मा ने अधिशासी अधिकारी अशोक कुमार खरवार बनवारी लाल शर्मा तथा सभासद बालेंद्र कौशिक,चमन की मौजूदगी में रवाना किया! स्वच्छता अभियान रैली में प्राथमिक विद्यालय स्वामी गणेशानंद विद्यालय तथा पब्लिक इंटर कॉलेज जहांगीरपुर के सैकड़ों छात्र छात्राएं शामिल हुई! नगर पंचायत परिसर से प्रारंभ होकर रैली झाझर रोड कालिज बस स्टैंड मेन बाजार रोड से होते हुए नगर पंचायत परिसर में ही समाप्त हो गई रैली में शामिल बच्चे हाथों में स्वच्छता के प्रति प्रेरणा दायक स्लोगन लिखे बैनर पोस्टर थामे चल रहे थे।

एपीजे इंटरनेशनल स्कूल में फुटबॉल टूर्नामेंट, नोएडा, ग्रेनो स्कूल की टीम आपस में भिड़ी

ग्रेटर नोएडा । एपीजे इंटरनेशनल स्कूल में अंतरविद्यालय फुटबाल मैच का पहली बार आयोजन किया गया, जिसमें 16 स्कूलों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।दो दिवसीय प्रतियोगिता में पहले दिन प्रतिभागी खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। पहले दिन 10 वर्ष की आयु वर्ग में डीपीएस ने विश्वभारती स्कूल को 3–0 से हराया। जीसस मेरी ने रायन इंटरनेशनल स्कूल को टक्कर देते हुए 1–0 से विजय हासिल की। 12 साल आयु वर्ग में डीपीएस ने एस्टर स्कूल ग्रेनो को 4 गोल से हराया। होली पब्लिक स्कूल ने 5 गोल मारकर विश्वभारती स्कूल को मात दी। रायन स्कूल 0–4 से अर्सलाइन से हार गए। सबसे रोमांचक मुकाबला 14 वर्ष आयु के खिलाड़ियों में देखने को मिला। एपीजे नोएडा ने 6–1 से डीपीएस को मात दी। वहीं रायन स्कूल को 6–0 से हराया। समरविले ने श्रीराम मिलेनियम स्कूल और जीसस मेरी स्कूल में टक्कर का मुकाबला हुआ।

जेलों के 12 अधिकारी स्थानान्तरित

लखनऊ । प्रदेश सरकार ने बुधवार को विभिन्न जेलों के 12 अधिकारियों का तबादला कर दिया। इनमें वरिष्ठ अधीक्षक, अधीक्षक, जेलर व डिप्टी जेलर रैंक के अधिकारी शामिल हैं। यह आदेश कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग के प्रमुख सचिव अरविन्द कुमार की ओर से जारी किया गया है। एसएचएम रिजवी वरिष्ठ अधीक्षक, जिला जेल मुरादाबाद वरिष्ठ अधीक्षक, सेंट्रल जेल फतेहगढ़, उमेश सिंह अधीक्षक, संबद्ध जेल मुख्यालय अधीक्षक, जिला जेल, मुरादाबाद, केपी त्रिपाठी अधीक्षक, जिला जेल, बदायूं अधीक्षक, जेल मुख्यालय, लखनऊ, सुरेश कुमार सिंह नव प्रोन्नत अधीक्षक, संबद्ध जिला जेल बागपत अधीक्षक, जिला जेल बागपत अवनेन्द्र नाथ त्रिपाठी नव प्रोन्नत अधीक्षक, जिला जेल मैनपुरी अधीक्षक, जिला जेल बहराइच, विष्णुकांत मिश्रा नव प्रोन्नत अधीक्षक, जिला कारागार झानपुर अधीक्षक, जिला जेल, कन्नौज, एचबी सिंह अधीक्षक, संबद्ध जेल प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ अधीक्षक, सेंट्रल जेल, नैनी, रीवन सिंह जेलर, जिला जेल, मुरादाबाद जेलर, जिला जेल झानपुर, डॉ. विनय कुमार जेलर, जिला जेल, फैजाबाद जेलर, जिला जेल, फैजाबाद, सीपी त्रिपाठी जेलर, जिला जेल, लखनऊ जेलर, जिला, फैजाबाद, राजेश कुमार राय नव प्रोन्नत जेलर, जिला जेल, बांदा जेलर, जिला जेल अंबेडकरनगर, आनंद कुमार जायसवाल डिप्टी जेलर, जिला जेल, मिर्जापुर डिप्टी जेलर, जिला जेल, गौतमबुद्धनगर बनाया गया है।

ईवीएम,वीवीपैट का प्रशिक्षण निर्वाचन संबंधी अधिकारी ले भली भांति : डीएम

कानपुर देहात जिला निर्वाचन अधिकारी,जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2019 के दृष्टिगत ईवीएम/वीवीपैट की कार्यप्रणाली के सम्बन्ध में प्रशिक्षण एवं जागरुकता के तहत कहा कि आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन को निष्पक्ष निर्भीक व शान्तिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए सभी तैयारियों का दुरस्त रखने के साथ ही निर्वाचन संबंधी प्रशिक्षण अत्यधिक महत्वपूर्ण है। निर्वाचन को सकुशल सम्पन्न कराने में ड्यूटी में लगे तैनात अधिकारियों को भली भांति प्रशिक्षण में प्रशिक्षित व दक्ष होना जरूरी है। लोकसभा निर्वाचन में कार्मिकों को ईवीएम के साथ ही नये माडल के वीवीपैट एम 3 का प्रशिक्षण दिया गया। इसके लिए निर्वाचन संबंधी प्रशिक्षणों को बेहतर तरीके व गुणवत्तायुक्त प्रशिक्षण दिलाया जाये। निर्वाचन में सामान्य प्रशिक्षण व ईवीएम का महत्वपूर्ण रोल होता है। प्रशिक्षण एवं जागरुकता कार्यक्रम में जिल निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह व उप जिला निर्वाचन अधिकारी/एडीएम वित्त एवं राजस्व साहब लाल व अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अंजू वर्मा ने उप जिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, चकबन्दी अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, सुपरवाइजर, मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियो व पत्रकार बन्धुओं आदि को प्रशिक्षण दिया तथा कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उपलब्ध ईवीएम मशीन कम्प्यूटर प्रणाली मशीन है तथा यह मशीन का अभिकल्प चुनाव का आधुनिकरण के लिए एक माइक्रो कान्ट्रोलर आधारित उपकरण है। उन्होंने कहा कि इस बार नये माडल के वीवीपैड एम–3 निर्वाचन में मतदाता को ईवीएम में 7 सेकेन्ड तक वीन्डों में पर्ची दिखायी दिखायी देगी। इसके बाद वीप की आवाज सुनाई पडेगी तथा उसके बाद पर्ची कटकर नीचे गिर जायेगी। जिलाधिकारी ने उन्हें निर्देश दिये कि आगामी माह में वीवीपैड को हर विधानसभा के बूथ लेबिल में ले जाकर लोगों को चलाकर दिखाया जाये। निर्वाचन संबंधी अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जाये। जिससे मतदाता को पूर्ण विश्वास हो जायेगा। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य को सम्पन्न कराने के लिए जिसमें अनेक उम्मीदवारों में किसी एक को चुनना होता है। इलेक्ट्रानिक मतदान मशीन एक विश्वसनीय पद्धति है। जिसे आसानी से चलाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बैलेन्स यूनिट, कन्ट्रोल यूनिट आदि प्रशिक्षण को भली भाँति जान ले। उन्होंने बताया कि आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन में नये माडल के वीवीपैट का इस्तेमाल किया गया है। वीवी पैट से चुनाव कराने में थोड़ा वक्त अधिक लगता है।

वीवीपैट(वोटर वेरिफायबल पेपर ऑडिट ट्रेल) वह मशीन है, जिसमें वोटर अपना वोट देख सकता है। वोट डालने के पश्चात मतदाता इसमें यह देखकर आश्वस्त हो सकता है कि उसने जिसको वोट दिया वह सही जगह पर गया कि नहीं। कई बार यह आरोप लगता है कि फला व्यक्ति ने फला बटन दबाया लेकिन, उसका मत दूसरे उम्मीदवार पर चला गया। इस व्यवस्था से इस आरोप से भी मुक्ति मिलेगी और मतदाता भी यह आश्वस्त रहेगा कि उसने अपना वोट सही जगह पर किया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी/एडीएम वित्त एवं राजस्व साहब लाल ने कहा कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 30 नवम्बर 2018 तथा उसके निस्तारण की अवधि 10 दिसम्बर2018 निर्धारित है। जिन अर्ह व्यक्तियों के नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है उनसे शेष बची हुई अवधि में फार्म–6 भरवाकर संबंधित बीएलओ/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध कराये। उन्होंने बताया कि जिन मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों द्वारा अभी तक बूथ लेबिल एजेन्ट नियुक्त नहीं किये गये है वह जनपद में अवस्थित विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों पर अपने बूथ लेविल एजेन्ट की नियुक्ति कर उनकी सूची जिला निर्वाचन कार्यालय/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध करा दे। उन्होंने कहा कि दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की इस बची हुई अवधि में सभी बूथ लेबिल अधिकारियों के साथ मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों द्वारा बनाए गये बूथ लेबिल एजेन्ट के मध्य समन्वय स्थापित करते हुए मतदाता सूची में दृष्टिगोचर हुयी त्रुटियां आदि को चिन्हित करने में सहयोग प्रदान किया जाये जिससे मतदाता सूची त्रुटिरहित बनायी जा सके। प्रशिक्षण में एडीएम प्रशासन पंकज वर्मा, एडीएम वित्त एवं राजस्व साहब लाल, सभी एसडीएम, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अंजू वर्मा, जिला सूचना अधिकारी वीएन पाण्डेय, नोडल अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, सुपरवाइजर, राजनैतिक दलों में से राम औतार, बलवीर सिंह यादव सपा कार्यालय सचिव प्रभारी, विनोद कुमार सक्सेना एडवोकेट भाजपा चुनाव सम्पर्क प्रभारी, ज्ञान चन्द्र संखवार जिला प्रभारी बीएसपी, श्याम बिहारी शुक्ल जिला उपाध्यक्ष बीजेपी, बालजी शुक्ला व पत्रकार बन्धु आदि मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी केन्द्र पर कार्यक्रम किया आयोजित

इटावा । शहर के बजरिया कोहना आंगनबाड़ी केन्द्र पर गर्भवती महिलाओं के लिए गोदभराई व अन्नप्रासन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता एंव सभासद शरद वाजपेयी रहे। जिन्होंने बच्चों को खीर खिलाकर अन्नप्रासन कराया एंव गर्भवती महिलाओं को हरी सब्जियां, अनाज, मेवा व फल आदि वितरण कर महिलाओं की गोदभराई की। इस दौरान शरद वाजपेयी ने कहा कि इन कार्यक्रमों में शामिल होने से गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार लेने की जानकारी प्राप्त होती है। शरद वाजपेयी ने कहा कि गर्भवती महिलायें अपने खान पान का उचित ख्याल रखें। जिससे बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास अच्छा हो। अतः कार्यक्रम के दौरान भाजपा नगर मंत्री अजीत वर्मा, मुकेश दीक्षित, आंगनबाड़ी कार्यकत्री सुनील कुमारी, निखत, कीर्ति, सलमान, शबाना बेगम व अनेक महिलायें आदि लोग मौजूद रहे।

एलडीए ने गोमतीनगर में ढहाया काम्प्लेक्स का अवैध हिस्सा

लखनऊ । एलडीए ने बुधवार को गोमतीनगर के विवेकखण्ड में बने तीन मंजिला काम्प्लेक्स का अवैध हिस्सा ध्वस्त कराया। करीब दो घंटे चली कार्रवाई में इसका कुछ हिस्सा ही गिराया जा सका। इसके बाद अधिकारी काम्प्लेक्स के दुकानदारों को सामान निकालने का समय देकर चले गए। काम्प्लेक्स तोड़ने का विरोध करने वाले दुकानदारों ने काफी विरोध भी किया। स्थानीय थाने से पुलिस तक नहीं मिली। गोमतीनगर में मिठाई वाले चाराहे पर भूखण्ड संख्या भूखण्ड संख्या 1/6 पर संदीप अग्रवाल ने तीन मंजिला काम्प्लेक्स बनवा दिया था। काम्प्लेक्स में करीब 24 दुकानें बना दी गयी थीं। जिसमें ज्यादातर दुकानें चल रही थीं। ऊपर कुछ दुकानें जल्दी ही खुलने वाली थीं। एक माडल शाप व बैंक एटीएम भी इसमें चल रहा है। शिकायत के बाद एलडीए ने हाल ही में बिल्डिंग की दुकानों को सील करा दिया था। बुधवार को एलडीए के नजूल अधिकारी संजय कुमार पाण्डेय, अधिशासी अभियन्ता व प्रवर्तन प्रभारी भूपेन्द्र वीर सिंह दल बल के साथ मौके पर अवैध बिल्डिंग ढहाने पहुंचे। दस्ते को देख लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। एलडीए की टीम गोमतीनगर थाने पुलिस फोर्स लेने पहुंची। थाना प्रभारी महोत्सव में पुलिस बल तैनात होने की बात कहकर फोर्स नहीं दी। इसके बाद इंजीनियरों ने अकेले अपनी टीम के साथ अवैध बिल्डिंग को गिराना शुरू कर दिया। वह इसके छत के कुछ हिस्सों में छेद करा दिया। आगे का कुछ हिस्सा गिरा दिया। कुछ छज्जा भी तोड़ा गया। उसके पीछे दुकानों को छोड़ दिया गया। नजूल अधिकारी संजय पाण्डेय ने दुकानदारों को सामान निकालने के लिए 15 दिनों का मौका दिया है। इसके लिए बिल्डिंग की सील खोली जाएगी।

गंगा को महापर्व पर प्रदूषण मुक्त रखने के लिए जिलाधिकारी ने गठित की समिति

कानपुर देहात जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कुम्भ 2019 के सम्बन्ध में एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि मकर संक्रांति 15 जनवरी 2019 को जिसमें 12 जनवरी 2019 से 15 जनवरी 2019 तक चार दिन, पौष पूर्णिमा 21 जनवरी 2019 जिसमें 18 जनवरी से 21 जनवरी तक, मौनी अमावस्या 4 फरवरी 2019 जिसमें 1 फरवरी से 4 फरवरी तक, बसन्त पंचमी 10 फरवरी 2019 जिसमें 7 फरवरी से 10 फरवरी तक उद्योग का गंदा पानी व अपशिष्ट नदियों में न प्रवाहित किया जाये। जिलाधिकारी ने सभी उद्योग प्रतिनिधियों को निर्देशित किया है कि नदी में किसी भी प्रकार का अपनी फैक्ट्री का गंदा पानी न जाने दे। क्योंकि यह कुम्भ महापर्व में विशेष स्थान रखता है। उन्होंने इस कार्य हेतु एक कमेटी का गठन किया गया है। जिसमें उप जिलाधिकारी, उपायुक्त उद्योग प्रदूषण नियंत्रण क्षेत्रीय अधिकारी आदि को सम्मलित करते हुए निर्देशित किया कि समय समय पर वह निर्दिष्ट स्थानों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। यदि निरीक्षण में यूनिट का पानी नदी में भेजा जाता मिला तो उसके खिलाफ सुसंगत धाराओं में कठोरतम कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि शासन के सख्त निर्देश है कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की हीला हवाली क्षम्य नही होगी। उन्होंने कहा कि कुम्भ 2019 आस्था, विश्वास, सौहार्द एवं संस्कृतियों के मिलन का पर्व है। स्नान पर्व में गंगा नदी में स्नान करना अलग ही महत्व है। स्नान पर्व के प्रमुख स्थल गढ़मुक्तेश्वर, कानपुर, बिठूर व प्रयागराज एवं वाराणसी है। इस दौरान गंगा नदी में जल का पर्याप्त अविरल एवं निर्मल प्रवाह सुनिश्चित किया जाना है। उन्होंने कहा कि अधजले शवकूड़े–कचरे का निस्तारण नदी में प्रतिबंधित रहेगा। बैठक में मुख्य बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गयी। इस मौके पर उप जिलाधिकारी सदर आनन्द कुमार सिंह, प्रदूषण नियंत्रण क्षेत्रीय अधिकारी कालिका सिंह, जिला सूचना अधिकारी वीएन पाण्डेय, आरएन तिवारी, राजीव शर्मा आदि अधिकारीगण व उद्यमी उपस्थित रहे।

अटल बिहारी वाजपेयी के पैतृक स्थल पर लगने वाले बटेश्वर मेले में अश्लील डांस

आगरा । तीर्थों का भांजा कहे जाने वाले बटेश्वर तीर्थ में ऐसा भी होगा किसी ने नहीं सोचा था। पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न का बाल्यकाल जहां गुजरा और जिन यमुना के घाटों पर उन्होंने अटखेलियां की वहां आज सारी मर्यादाएं तार तार हो गईं। बटेश्वर मेले में आई डांस पार्टी ने सारी हदें पार कर दीं। पंडालों में बार बालाओं के अश्लील डांस के ठुमकों ने सभी को हैरान कर दिया। साधु संतों ने इस अश्लील डांस का पुरजोर विरोध किया है। डांस के वीडियो वायरल हो रहे हैं बटेश्वर में लगने वाले सुप्रसिद्ध मेले में दूरदराज से लोग खरीदारी करने के लिए पहुंचते हैं। वहीं इस मेले में अश्लील डांस पार्टियां लगी हुई हैं। जहां डांस पार्टियों के पंडालों में बार बालाएं अश्लील डांस करती नाचती हुई और अपने हुस्न का ठुमके लगाती हुई दिखाई दे सकती हैं। प्राचीनतम समय से यह मेला प्रसिद्ध है। यह मेला संस्कृति को देखते हुए यहां भक्ति की धारा बहती है तो वहीं दूसरी और साधु संतों का जमावड़ा रहता है। कई जगह बाबाओं के भंडारे और संतों के अखाड़े देखे जा सकते हैं। इसी क्रम में कई जगह बार बालाओं के गानों पर अश्लील नाचते हुए ठुमके लगते हुए देखे गए। जिस पर मौजूद साधु संतों ने इसका विरोध किया। वहीं उन पर कोई पाबंदी नहीं है बार बालाएं खुलेआम अपने ठुमके दिखाती हुई नजर आ रही हैं। बटेश्वर मेले को ऐतिहासिक बनाने की यूं तो कई सालों से कोशिश की जा रही है। लेकिन, प्रशासन की अनदेखी यहां भारी पड़ रही है। प्रशासन द्वारा इस मेले में कोई अधिकारी नियुक्त नहीं किया गया, जिसकी वजह से अश्लील डांस और ऐसे लोगों की भरमार है। बार बालाओं के डांस पार्टियों पर संतों ने विरोध कर उस पर आपत्ति जताई है। हिंदू समाज से जुड़े लोगों और मुख्य पुजारी बटेश्वर मंदिर जय प्रकाश गोस्वामी का कहना है कि मेला संस्कृति हैं इसकी कुछ मर्यादाएं हैं, यहां अश्लील डांस नहीं होना चाहिए।

चार सूत्री मांगों को लेकर पीआरडी जवानों का धरना

लखनऊ । प्रदेश में पुलिस फोर्स की कमी को दूर करने के लिए थानों व पुलिस चौकियों पर पीआरडी जवानों को नियमित करके तैनाती दी जाएं। ऐसी ही चार सूत्री मांग को लेकर पीआरडी मानदेय वेलफेयर एसोसिएशन ने बुधवार को ईको गार्डेन में धरना दिया। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा तो वे विधानभवन और कार्यालय का घेराव करेंगे। प्रान्तीय दल रक्षक एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राम नरेश यादव ने बताया कि पीआरडी विभाग का गठन 1935 में नेता सुभाष चन्द बोस ने किया था। फिर इन्हीं की मदद से आजादी की लड़ाई भी लड़ी थी। इसके बावजूद सरकार पीआरडी जवानों पर तवज्जो नहीं दे रही है। जरुरत पड़ने पर पीआरडी जवानों को बुलाया जाता है। इसके बदले उन्हें महज ढाई सौ रुपये मिलते है। उनकी सरकार से मांग है कि पीआरडी जवानों को नियमित करके वेतन कम से कम पांच सौ रुपये प्रतिदन मिले। इसके साथ ही युवा कल्याण हटाकर विभाग में आईपीएस की तैनाती की जाएं। पीआरडी के 14 पदों पर ब्लाक कमाण्डर, हल्का सरदार, दलपत, टोली नायक, रक्षक को नियमित कर राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। रिटायर होने के बाद उन्हें एक मुश्त रकम या पेंशन दी जाए। पीआरडी जवानों ने ट्रैफिक, थानों, चौकियों पर तैनाती की जाएं। इसके अलावा दुर्घटना बीमा भी कराया जाएं।

तमंचा व कारतूस सहित गिरफ्तार

इटावा । थाना कोतवाली पुलिस टीम ने गश्त के दौरान एक शातिर अपराधी को उसके ही इलाके से दबोच कर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से तमंचा व कारतूस नाजायज बरामद कर उसके खिलाफ मामला पंजीकृत कर लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश पर व एसपी सिटी के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी के नेतृत्व में जनपद में हो रहे अपराधों पर अकुंश लगाने के लिए अपराधियों को पकड़ने को लेकर धड़पकड़ अभियान चलाया जा रहा है। अतः अभियान के चलते कोतवाली थाना प्रभारी राकेश भारती की गठित टीम द्वारा गश्त के दौरान उपनिरीक्षक भानु प्रताप सिंह द्वारा मोहल्ला कटरा शमशेर खां में एक व्यक्ति को संदिग्ध हालत में घूमते देखा। तभी कोतवाली पुलिस टीम द्वारा व्यक्ति को पकड़ लिया गया। तलाशी पर पुलिस ने व्यक्ति के कब्जे से 01 अदद तमंचा 315 बोर व 01 कारतूस 315 बोर नाजायज बरामद की। पूछताछ पर आरोपी ने अपना नाम विशाल पोरवाल पुत्र विनोद पोरवाल निवासी कटरा शमशेर खां थाना कोतवाली इटावा बताया।

सचिवालय अपर निजी सचिव संघ ने मुख्य सचिव से मिलकर अपनी माँगों को रखा

लखनऊ । उ0प्र0 सचिवालय अपर निजी सचिव संघ के अध्यक्ष, अमर सिंह पटेल, उपाध्यक्ष, सुरेन्द्र कुमार मौर्य एवं महासचिव, पवन कुमार साव एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ अपर निजी सचिव संघ की पूर्व से लम्बित विचाराधीन माँगों को लेकर अनूप चन्द्र पाण्डेय, मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन से मिलकर अपनी माँगों को रखा गया, मुख्य सचिव महोदय द्वारा निजी सचिव संवर्ग एवं अपर निजी सचिव संवर्ग की लम्बित माँगों को पूर्ण कराने का आश्वासन दिया और कहा कि मैं अपर मुख्य सचिव, सचिवालय प्रशासन विभाग, महेश कुमार गुप्ता से बात करूँगा कि संघ की जो माँगे है शीघ्र उसका निस्तारण करायें। अपर निजी सचिव संघ को मुख्य सचिव महोदय द्वारा दिनाँक 26.11. 2018 को 3.30 बजे का समय प्रदान किया गया था। इसी सम्बन्ध में संघ द्वारा अपर मुख्य सचिव, सचिवालय प्रशासन विभाग, महेश कुमार गुप्ता से भी मिलकर निजी सचिव संवर्ग एवं अपर निजी सचिव संवर्ग की माँगों के सम्बन्ध में बिन्दुवार वार्ता की गयी। वार्ता में विशेष सचिव, सचिवालय प्रशासन विभाग, शिव कुमार शुक्ला जी भी मौजूद रहे। वार्ता में अपर मुख्य सचिव महोदय द्वारा सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए लम्बित माँगों को शीघ्र पूर्ण कराने का आश्वासन दिया। वार्ता में मुख्यरूप से निम्नलिखित बिन्दु सम्मिलित थे, लोक सेवा आयोग से चयनित वर्ष 1999 बैच के अपर निजी सचिवों की नियुक्ति 2001 में हुई थी, वर्तमान पदोन्नति को देखते हुए 18 से 22 वर्ष की सेवा के उपरान्त भी अपर निजी सचिव अपने मूल पद पर कार्य करने को मजबूर हैं तथा निजी सचिव के पद पर पदोन्नति नहीं हो पा रही है। कुछ अपर निजी सचिव तो अपने मूल पद से ही सेवा निवृत्त होने पर मजबूर हो रहे हैं। अतः निजी सचिव संवर्ग का पुनर्गठन कर निजी सचिव श्रेणी–1 के प्रथम निजी सचिव तक के पदों में वृद्धि किये जाने का प्रकरण विचाराधीन है। निजी सचिव संवर्ग में सचिव वेतनमान के 10 पद सृजित किये जाये, जिससे अपर निजी सचिवों/निजी सचिवों को समय से पदोन्नति मिल सके। अपर निजी सचिवों को ग्रेड वेतन रू0 5400, किये जाने का प्रकरण विचाराधीन है।

उप मुख्यमंत्री एवं राज्य मंत्रियों के निजी स्टाफ में अपर निजी सचिव के कम किये गये पदों को पुनः बहाल किये जाने तथा समीक्षा अधिकारी के बढ़ाये गये 02 पदों को समाप्त किये जाने का प्रकरण विचाराधीन है। निजी सचिवों एवं अपर निजी सचिवों की वरिष्ठता सूची अद्यतन (च्वकंजम) कराकर प्रकाशित कराते हुए आनलाइन कराया जाय। अनु सचिव, उप सचिव एवं संयुक्त सचिव के साथ तैनाती की स्थिति में अपर निजी सचिवों के लिए कक्ष आवंटन सुनिश्चित कराया जाय।अपर निजी सचिवों/निजी सचिवों को टाइपिंग मशीन का प्रचलन समाप्त होने के कारण लैपटॉप आवंटित कराये जाने एवं फ्री इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराया जाय।

घर में मार्डन रसोई हैं तो, फेफड़ों के कैंसर का खतरा

आगरा । मार्डन रसोई महिलाओं में फेफड़ों के कैंसर की सम्भावना को बढ़ा रही हैं। यह नतीजे बायो मेडिकल रिसर्च सेंटर के निदेशक डॉ. संत कुमार भटनागर द्वारा 38 वर्षों में तीन हजार से अधिक घरों के सदस्यों व तीन लाख मरीजों पर किए गए शोध से सामने आए हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से भारतीय परम्परा की हवादार व गोबर से लिपी रसोई ज्यादा बेहतर थीं। चारों ओर बंद रसोई में माइक्रोवेव, कुकर, गैस जैसे आधुनिक उपकरणों, चमकदार टाइल्स व रसोई में ही डाइनिंग रूम से सजी रसोई महिलाओं का स्वास्थ्य बिगाड़ रहीं हैं। होटल क्लार्क–शीराज में सेंट जॉन्स कॉलेज के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित रीसेन्ट एडवान्स इन एनवायरमेंट प्रोटेक्शन विषय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में डॉ. भटनागर ने बताया कि अब खड़े होकर खाना बनाने से महिलाएं खाने बनाते समय बढ़ने वाले तापमान व आंर्द्रता के सीधे सम्पर्क में (गैस नजदीक होने से) आती हैं।

रसोई का तापमान 34–45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। रसोई में रखा गीला कचरा व प्रेशर कुकर से निकलने वाली भाप बढ़े तापमान में कार्सिनोजनिक कारक पैदा कर देते हैं। छोंका लगाते समय तेल का तापमान 150 डिग्री सेल्सियस तक होता है। अधिक तापमान पर तेल की भाप पॉलीसाइक्लिक एरोमेटिक हाइड्रोकार्बन पैदा करते हैं। हर रोज अधिक तापमान में खाने बनाने से महिलाओं में चिड़चिड़ापन, जुकाम, कफ आदि की शिकायतें आते हैं।

गर्भवती महिलाओं के लिए यह ज्यादा खतरनाक है। आगे चलकर यह समस्या फेफड़ों के कैंसर में बदल जाती है। रिसर्च सेंटर पहुंचने वाले तीन लाख फेफड़े के कैंसर रोगियों पर शोध में यह नतीजे निकले हैं। डॉ. भटनागर कहते हैं, चमकदार टाइल्स के स्थान पर रसोई में खुरदुरे या फिर प्राकृतिक मटीरियर का प्रयोग करें। हवादार और गोबर से गोबर से लिपी रसोई ज्यादा स्वास्थवर्धक है। महिलाओं के स्वास्थ की दृष्टि से मार्डन रसोई में एग्जॉस्ट का नियम लागू होना चाहिए।

समीक्षा बैठक में एसपी ने मातहतों को लगाई फटकार

औरैया । जिला मुख्यालय ककोर स्थित पुलिस सभागार में बुधवार को एसपी ने मातहतों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान विवेचनाएं लंबित देख उन्होंने जमकर फटकार लगाई। लंबित विवेचनाओं को निर्धारित समय के अंदर निस्तारित किए जाने की बात कही। इसके अलावा जिले में आए दिन हो रही ताबड़तोड़ चोरी की घटनाओं में अंकुश लगाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने दो टूक कहा कि जनता के प्रति लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। समीक्षा बैठक करते हुए एसपी त्रिवेणी सिंह ने सभी थानों की विवेचनाएं देखीं। बड़ी संख्या में विवेचनाएं लंबित देख उनका पारा चढ़ गया। उन्होंने निर्देश दिए कि थानों में आने वाले प्रत्येक फरियादी की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सुना जाए और उनकी समस्याओं को थाने स्तर पर ही निस्तारित किया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से संबंधित आइजीआरएस पोर्टल पर आने वाली शिकायतों पर विशेष ध्यान दिया जाए। थानेदारों से कहा कि वह अपने–अपने क्षेत्र के शातिर अपराधियों की कुंडली तैयार करें। बड़ी घटनाओं में फरार चल रहे आरोपितों को गिरफ्तार कर उन्हें तत्काल जेल भेजा जाए। इसके अलावा जिला बदर अपराधियों को बाहर का रास्ता दिखाया जाए।

सम्पादकीय

कृषि को उबारना ही होगा

अक्तूबर माह के लिए मुद्रास्फीति की दर 3.1 प्रतिशत प्रतिवेदित की गयी, जो पिछले एक वर्ष के दौरान न्यूनतम थी. यह एक बड़ी राहत थी, क्योंकि एक माह पहले ही ऐसी आशंकाएं थीं कि ईरान पर लगाये जानेवाले अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरेल तक पहुंच जायेंगी. पर अगले चार सप्ताहों के दौरान तेल की कीमतें लगभग 30 प्रतिशत घटकर वर्तमान में 60 डॉलर प्रति बैरेल से भी कम हो गयीं. तेल की कीमतों में यह गिरावट भारत के लिए वरदान बन कर आयी, क्योंकि उनमें प्रति एक डॉलर की कमी से भारत को प्रतिवर्ष 1.4 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा की बचत होती है. हाल ही आयी यह कमी यदि बनी रही, तो हमारी कुल बचत का अंदाजा लगाया जा सकता है. इसने डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में भी स्थिरता ला दी है, क्योंकि अभी यह 72 पर रुकी हुई है, जबकि इसके और सुधरने की संभावनाएं भी हैं. मुद्रास्फीति और तेल की कीमतों में आयी यह न्यूनता चौतरफा राहत ले आयी, क्योंकि यह राजकोषीय घाटे और चालू खाते के घाटे के अलावा रुपये एवं ब्याज दरों के लिए भी आशाजनक है. गौर करने की बात यह है कि मुद्रास्फीति की दर में भारी कमी की वजह खाद्य मुद्रास्फीति में आयी कमी है, जो नकारात्मक हो चुकी है. सब्जियों तथा फलों की कीमतों में भारी कमी आयी है.अहमदनगर मंडी के एक वायरल बने वीडियो में एक किसान को अनार की अपनी उपज निराशा से नष्ट करते हुए दिखाया गया है, क्योंकि वे 10 रुपये किलो की दर पर भी नहीं बिक सके. इस वीडियो में न सिर्फ उस किसान की पीड़ा साफ तौर पर प्रकट हो पा रही थी, बल्कि उसमें मुंबई और दिल्ली की बाजारों में वही अनार 100 रुपये किलो बिकते भी देखे जा सकते थेयही इस समस्या का मूल बिंदु है. प्याज को भी यही रोग लगा है. खरीफ फसलों के अंतर्गत 1420 लाख टन की जोरदार उपज हुई है. इस बार चावल, गेहूं तथा चीनी की भी अतिरिक्त आपूर्ति हुई है. भारत इस वर्ष विश्व में चीनी का सबसे बड़ा उत्पादक बन जायेगा.यदि हम चीनी का निर्यात करने की कोशिश करें, तो भी हमें अच्छी कीमतें नहीं मिल सकेंगी. दालों की दृष्टि से परिस्थितियां संतोषजनक हैं, पर तेलहनों के लिए तो भारत अभी भी एक प्रमुख आयातक बना ही हुआ है.न्यूनतम समर्थन मूल्यों (एमएसपी) की नीति से यह अपेक्षा की गयी थी कि किसानों को मदद मिलेगी तथा कीमतें लागत से कम से कम पचास प्रतिशत ऊंची रखी जा सकेंगी. पर यह उपज की मात्रा को लेकर भी भरोसेमंद होने की जगह केवल एक मूल्य गारंटी बन कर रह गयी. यदि एमएसपी के अंतर्गत उपज की अधिप्राप्ति बहुत कम हो, तो फिर उसका कुल असर भी नगण्य ही हो जाता है. ऐसी परिस्थिति में अधिकतर कृषि उपजों का बाजार भाव निम्न बना रहता है, जो अक्तूबर के नकारात्मक खाद्य मुद्रास्फीति से साफ है. कई उपजों के लिए ये बाजार भाव इसी तरह निम्न बने रहेंगे, हालांकि कपास तथा चीनी में कुछ सुधार संभव है.निम्न खाद्य मुद्रास्फीति शहरी उपभोक्ताओं को राहत देते हुए किसानों के लिए मुसीबत बन जाती है. कृषि संकट पहले ही से गहरा है. महाराष्ट्र, गुजरात तथा कर्नाटक समेत देश के कई हिस्सों में कम बारिश हुई है. रबी बुआई का वक्त आ गया है, मगर अधिकांश फसलों की बुआई का रकबा बहुत कम है, जिसकी एक वजह किसानों की कम आय भी है. ये सारे संकेत शुभ नहीं हैं, जिनके नतीजे गर्मी के महीनों में शहरों की ओर कृषि श्रमबल के अधिक प्रवासन में भी दिख सकते हैं. मई में आम चुनाव होने वाले हैं, जिनमें गिरती ग्रामीण आय एक प्रमुख मुद्दा बन सकती है.निम्न आय, निम्न उत्पादकता एवं श्रमबल का बाहुल्य जैसी कृषि समस्याओं के समाधान कृषि क्षेत्र के बाहर ही स्थित हैं. जब विनिर्माण, निर्माण, वस्त्र तथा पर्यटन जैसे क्षेत्र तेजी से विकासशील हों, तो वे कृषि से श्रमबल को अपनी ओर खींच सकने में समर्थ होते हैं.यह प्रक्रिया एक बड़े पैमाने पर संपन्न हो, तभी इस संकट का हल निकल सकेगा. विश्व बैंक की एक हालिया रिपोर्ट यह बताती है कि पिछले बीस वर्षों के दौरान कई पूर्वी एवं दक्षिण–पूर्वी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में कुल रोजगार के हिस्से के रूप में औद्योगिक रोजगार दोगुने हो गये. भारत में यह मौका पहले तो गंवाया जा चुका है, पर यह अभी भी मौजूद है. किंतु भारतीय समाज को उद्योगों एवं कृषि, अथवा अधिक प्रासंगिक रूप में, शहरी खाद्य उपभोक्ताओं तथा किसान उत्पादकों के बीच व्यापार की शर्तें पुनर्भाषित करनी होंगी. कृषि को लाभप्रद बनाये रखने के लिए खाद्य मुद्रास्फीति की कुछ मात्रा अपरिहार्य होगी. जैसा अनार वाले वीडियो ने बखूबी दर्शाया, यह सही है कि आपूर्ति श्रृंखला में भी कई अकुशलताएं हैं, जिन्हें दूर लिए जाने के बाद उपभोक्ताओं द्वारा चुकायी गयी अंतिम कीमतों का एक बड़ा हिस्सा खुद किसानों की जेबों में जा सकेगा. पर जब तक ऐसा नहीं होता, हमें कुछ ऊंची खाद्य मुद्रास्फीति स्वयं के लिए अधिक स्वीकार्य बनानी ही होगी.

राम मंदिर तो बहाना है, उन्हें भावनाओं को भुनाना है

अयोध्या में विश्व हिन्दू परिषद द्वारा प्रायोजित धर्मसभा के समय ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के अलवर में चुनावसभा में कहा कि अयोध्या विवाद में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय में कांग्रेस ही सबसे बड़ी बाधक है क्योंकि उसके वे नेता, जो बड़े वकील और राज्यसभा के सदस्य हैं, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को राज्यसभा में महाभियोग की धमकी देकर डरा रहे हैं। इधर, यह नहीं कहा जा सकता कि अयोध्या में उस रोज जो कुछ हुआ, वह साधु–सन्तों का स्वतरूस्फू र्त प्रयास था क्योंकि धर्मसभा के लिए भीड़ जुटाने में भाजपा नेता भी पूरी तरह सक्रिय थे। सड़कों पर उनके नाम से लगे बैनर तक इसके गवाह हैं। सवाल है कि इसमें हो रहे डराने–धमकाने के प्रयास किनके द्वारा और किसके लिए हो रहे थे? क्या उन अल्पसंख्यकों के लिए, जो 1992 में विहिप की जुटाई भीड़ का कुफल भोग चुके हैं? तब 264 घरों व दुकानों के साथ 16 अल्पसंख्यकों को मारा या जला दिया गया था, जबकि उनकी बड़ी संख्या अपने घरों में ताला लगाकर भाग गयी थी। यदि यह सब लोकसभा चुनाव को लेकर सरकारों को धमकी देने का मामला था, तो सरकारें भी गैरों की नहीं धमकाने वालों की अपनी ही हैं। उन्होंने ही इन केन्द्र व राज्य सरकारों को बनाया है, जिनकी इच्छाओं के बगैर इस सम्बन्ध में कोई कार्रवाई हो ही नहीं सकती। बहरहाल, अयोध्या में 2.77 एकड़ विवादित भूमि समेत कुल मिलाकर लगभग 70 एकड़ जमीन अधिग्रहीत है। सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ के समक्ष इसे चुनौती देने वाले मुकदमे में, जिसे मो. इस्माइल फारुकी बनाम यूनियन आफ इंडिया के नाम से जाना जाता है, मुस्लिमों का यह तर्क खारिज किया जा चुका है कि धार्मिक स्थल व आस्थाओं से सम्बद्ध होने के कारण किसी मस्जिद की भूमि का अधिग्रहण नहीं किया जा सकता। अंग्रेजों के काल के अधिग्रहण कानून के तहत कलकत्ता में पहले भी एक मस्जिद का सार्वजनिक कार्यों के लिए अधिग्रहण किया जा चुका है, जबकि अयोध्या विशिष्ट क्षेत्र अधिग्रहण अध्यादेश 1993 में भी, जो अब कानून बन गया है, धार्मिक स्थलों को अधिग्रहणमुक्त रखने का प्रावधान नहीं है। इसी मामले में न्यायालय यह भी कह चुका है कि नमाज के लिए मस्जिद आवश्यक तत्व नहीं है और कहीं भी पढ़ी जा सकती है। प्रसंगवश, बाबरी मस्जिद से जुड़े निर्मोही अखाड़ा के रामचबूतरे और सीतारसोई को भी अधिग्रहीत कर लिया गया है। हालांकि सेन्ट्रल सुन्नी वक्फ बोर्ड ने अपने दावे में इनके स्वामित्व का दावा नहीं किया था। अब विवादित भूमि और उसके आसपास की लगभग 70 एकड़ भूमि केन्द्र सरकार के कब्जे में है, फैजाबाद श्अब अयोध्याश के डिवीजनल कमिश्नर जिसके रिसीवर हैं। सो, किसी अन्य द्वारा उसे किसी को नहीं दिया जा सकता। उसे किसे और किन उद्देश्यों के लिए सौंपा जाये, यह निश्चय केन्द्र सरकार ही अधिग्रहण कानून के प्रावधानों के अनुसार कर सकती है। बहरहाल, विवादित भूमि का विवाद अब तक इसलिए अटका है क्योंकि पुराने मुकदमे खत्म करने के लिए उक्त कानून की धारा–4 (1) में जो व्यवस्था दी गयी थी, उसमें वैकल्पिक सुनवाई का प्रावधान न होने के कारण न्यायालय ने उसे संविधानेतर घोषित कर दिया और मामले को स्वामित्व के निर्धारण के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय की पुरानी पीठ को सौंप दिया था। उच्च न्यायालय के उसे तीन हिस्सों में बांटने के फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने वाले विभिन्न पक्ष उसे अनुचित बता व कह रहे हैं

कि बंटवारे की अर्जी तो किसी पक्ष ने दी ही नहीं थी और न्यायालय को स्वेच्छा से ऐसा करने के बजाय पक्षों द्वारा विचार के लिए उठाये गये मुद्दों पर ही निर्णय देना चाहिए था। जाहिर है कि अब अपील में भूमि के स्वामित्व का ही निर्धारण होना है। यानी यह कि साक्ष्यों के अनुसार वह किसे दी जानी चाहिए। मुस्लिम पक्ष मानता है कि राइट आफ एडवर्स पजेशन, जो जाब्ता फौजदारी कानून की उपज है, उसके पक्ष में है। नजीर के तौर पर पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय ने लाहौर में एक मस्जिद गिराकर बनाये गये गुरुद्वारे को, वहां दो बार इस्लामी शासन रहने के बावजूद, इसी अधिकार के तहत बेदखल नहीं किया है। दूसरे पक्ष की मानें तो 1528 में बाबर के निर्णय के अनुसार उसके सिपहसालार मीरबांकी ने मन्दिर ढहाकर यह मस्जिद बनाई थी, जो फैजाबाद के तत्कालीन मजिस्ट्रेट श्री जयकरन नाथ उग्र द्वारा न्यायालय में दाखिल शपथ पत्र के अनुसार 22–23 दिसम्बर, 1949 की रात उसमें मूर्ति रखे जाने के एक दिन पूर्व तक उसी रूप में प्रयुक्त होती रही थी। सवाल है कि क्या इस कब्जे पर विचार नहीं होगा, जबकि सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश भी कह चुके हैं कि न्यायालय इसकी सुनवाई भूमि विवाद के रूप में ही करेगा। ऐसे में यह विवाद आस्था, विश्वास और भावनाओं की परिधि से स्वतः मुक्त हो जाता है। इस सवाल पर विचार करें कि इस सारे विवाद के लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाये, तो बाबर व मीरबांकी तो लगभग 500 वर्ष पहले ही दुनिया छोड़ चुके हैं और उन्हें किसी मुकदमे में पक्षकार नहीं बनाया जा सकता। सो, अब सकल प्रसंग केन्द्र सरकार के पास ही है। बताने की आवश्यकता नहीं है कि केन्द्र के साथ उत्तर प्रदेश में भी, जिसमें अयोध्या अवस्थित है, भाजपा ही सत्तारूढ़ है और इन दोनों ही सरकारों को अपने निर्णयों में संविधानेतर प्रयत्नों से बचना होगा। इस समय सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली जिस तीन सदस्यीय पीठ में विवाद की सुनवाई हो रही है, उसे अधिग्रहीत क्षेत्र के सम्बन्ध में 24 अक्टूबर, 1994 के जस्टिस वेंकटचेलैया की पीठ द्वारा दिये गये निर्णय को प्रभावित, परिवर्तित या परिवर्धित करने का अधिकार नहीं है। रहा स्वामित्व का प्रश्न, तो वह किसी के भी पक्ष में निर्णीत हो, लेकिन क्या वह संसद द्वारा बनाये गये उक्त अधिग्रहण अधिनियम से मुक्त हो सकता है? इधर बड़ा तूमार बांधा जा रहा है कि केन्द्र सरकार अध्यादेश लाकर या कानून बनाकर मन्दिर बनाने का रास्ता साफ करे। इस पर विचार करें तो अयोध्या की धर्मसभा में स्वामी रामभद्राचार्य का कथन है कि उन्हें एक बड़े मंत्री ने बताया है कि आगामी ग्यारह दिसम्बर से 12 जनवरी के बीच राममन्दिर के सम्बन्ध में बड़ा महत्वपूर्ण निर्णय होगा। लेकिन 11 दिसम्बर से ही संसद का शीतकालीन सत्र आहूत किया गया है और उसके सत्र के दौरान कोई अध्यादेश जारी नहीं किया जा सकता। तिस पर अयोध्या विशेषक्षेत्र भूमि अधिग्रहण अध्यादेश की प्रस्तावना में कहा गया है कि अधिग्रहीत भूमि पर राममंदिर, मस्जिद, पुस्तकालय, वाचनालय, संग्रहालय और तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाओं का निर्माण किया जायेगा। इस अध्यादेश को संसद द्वारा कानून के रूप में परिवर्तित किया गया तो उसका मूल उद्देश्य लम्बे समय से चले आ रहे विवाद की समाप्ति था। इस कानून को परिवर्तित, परिवर्धित या निरस्त करने की शक्ति संसद के पास अवश्य है, लेकिन अभी तक इस प्रकार की कोई नोटिस नहीं दी गयी है, जबकि पहले इस कानून को निरस्त करना होगा, तभी दूसरा कानून अस्तित्व में आ सकेगा। बहरहाल, इस कार्य में प्रमुख बाधा सर्वोच्च न्यायालय का यह दृष्टिकोण है, जिसका उसकी संविधान पीठ ने अपने फैसले में कई बार जिक्र किया है, कि धर्मनिरपेक्षता और उसकी रक्षा संविधान के प्रमुख तत्व हैं। न इनका उल्लंघन किया जा सकता है और न इन्हें ठेस पहुंचाने वाला कोई कानून बन सकता है। इस सम्बन्धी जो संवैधानिक संकल्प व व्यवस्थाएं हैं, उनके खिलाफ आचरण भी संभव नहीं है। ऐसे में समस्त अधिग्रहीत भूमि विश्व हिन्दू परिषद को सौंप दी जाये, यह संभव ही नहीं है क्योंकि इस सम्बन्ध में जो भी कानून बनेगा, संवैधानिक बाध्यताओं से मुक्त नहीं हो सकता। अयोध्या विशेष क्षेत्र भूमि अधिग्रहण कानून में यह भी कहा गया है कि उसकी प्रस्तावना के अनुसार निर्माणों के लिए यह भूमि पुराने संगठनों के बजाय नये संगठनों को ही दी जा सकेगी। यह बात भी विहिप के दावे के विपरीत ही इस्तेमाल होगी। अभी केन्द्र तथा अधिकांश राज्यों में भले ही भाजपा की सरकारें हों, लेकिन संविधान को परिवर्तित कर धर्म पर आधारित राज्य का गठन नहीं हुआ है। सो, दूसरे पहलू पर जायें तो भावी चुनावों में भाजपा का यह संदेश देना भी कि वह मंदिर निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है, एक प्रकार से चुनाव में साम्प्रदायिकता का प्रयोग ही माना जायेगा, जो चुनाव कानून के अनुसार स्वीकार्य नहीं है। जाहिर है कि अभी इस बाबत जो कुछ भी हो रहा है, वह केवल भावनाओं को उभारने का खेल है, जो पहले भी चुनावों के अवसर पर होता आया है।

चीन की खुलती पोल और भारत

मालदीव इन दिनों एक नई करवट ले रहा है। अभी ज्यादा वक्त नहीं बीता, जब वहां की हुकूमत ने भारत की परियोजनाओं पर तमाम तरह की बंदिशें लगानी शुरू कर दी थीं। कई योजनाओं को तो उसने बंद भी कर दिया। यह मामला अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में भी पहुंचा था। नतीजतन, दोनों देशों के रिश्तों को लेकर कई आशंकाएं गहराने लगी थीं। इस खटास का चीन ने पूरा फायदा उठाया। उसने मालदीव की मदद से हिंद महासागर में अपनी गतिविधियां बढ़ा दीं। इन्फ्रास्ट्रक्चर के नाम पर उसने वहां काफी ज्यादा निवेश किया। मगर अब वहां नए राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सालेह की ताजपोशी के बाद तस्वीर बदलने लगी है। मालदीव समझने लगा है कि पैसे देकर किसी देश को अपना 'आर्थिक उपनिवेशश बनाना चीन का शगल है। लिहाजा, उसने भारत के साथ अपने पुराने रिश्ते में नई जान डालनी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न सिर्फ सालेह के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने माले गए, बल्कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति अपने पहले विदेश दौरे पर नई दिल्ली ही आ रहे हैं। माले हमसे कर्ज की मांग भी कर रहा है।

मालदीव अकेला ऐसा देश नहीं, जिसका चीन से मोहभंग हो रहा है। श्रीलंका भी इसी कतार में है, जिसे अपना हम्बनटोटा बंदरगाह 99 वर्षों के लिए बीजिंग के पास गिरवी रखना पड़ा है। बांग्लादेश, म्यांमार जैसे अन्य एशियाई देशों की भी यही स्थिति है। दरअसल, दक्षिण चीन सागर को जिस तरह चीन अपने अधीन ले चुका है, ठीक वैसी ही मंशा वह हिंद महासागर को लेकर भी पाल रहा है। वह दुनिया का सबसे ताकतवर मुल्क बनना चाहता है, और इसके लिए जरूरी है कि वह हिंद महासागर में भी पर्याप्त दखल रखे। इसी नीति के तहत वह इसके आसपास के सभी एशियाई और पूर्वी अफ्रीकी देशों में भारी–भरकम निवेश कर रहा है। चीन की यही नीति है कि वह पहले इन्फ्रास्ट्रक्चर का लोभ

दिखाकर निवेश करता है और फिर परियोजनाओं पर बढ़ती कर्ज–राशि के 'री–एडजस्टमेंटश के नाम पर उस मुल्क को आर्थिक 'उपनिवेशश बना लेता है। 'उपनिवेश' बनने वाले देश दबी जुबान से ही चीन का विरोध कर पाते हैं।

चीन को झटका देने वाले मालदीव या बांग्लादेश जैसे देशों को लगता है कि चूंकि नई दिल्ली की सोच बीजिंग से बिल्कुल जुदा है, इसलिए अपनी संप्रभुता व आजादी के लिए भारत के साथ आगे बढ़ना कहीं ज्यादा मुफीद है। सच भी यही है। किसी भी देश को अपना 'आर्थिक उपनिवेशश बनाने की मंशा भारत ने कभी नहीं रखी। मगर बड़ा सवाल यह है कि क्या भारत के पास इतने संसाधन हैं कि वह चीन का विकल्प बन सके? हम दक्षिण एशिया की एक बड़ी ताकत जरूर हैं, लेकिन संसाधन के मामले में अब भी हम चीन से बराबरी का मुकाबला नहीं कर सकते। तो क्या इन देशों की गुहार अनसुनी कर दी जाए? नहीं, यह गलत होगा। भारत अपने तईं जितनी मदद कर सकता है, उसे इन देशों की सहायता करनी चाहिए। मगर इसके साथ–साथ वह दूसरे लोकतांत्रिक मुल्कों को भी यहां निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करे। जिस तरह जापान और कई अफ्रीकी देशों के साथ मिलकर आर्थिक सहयोग के लिए 'एशिया–अफ्रीका ग्रोथ कॉरिडोरश बनाया गया है, ठीक वैसा ही प्रयास मालदीव जैसे देशों के लिए भी किया जा सकता है। त्रिपक्षीय या चतुष्कोणीय समझौता भी किया जाना चाहिए। अच्छी बात यह है कि नई दिल्ली अब इस नीति पर गंभीरता से चलने लगी है कि यदि पड़ोसी देशों की अपनी क्षमता नहीं है, तो उनकी उन्नति के लिए उनका हाथ थामना चाहिए, तभी चीन की महत्वाकांक्षा पर लगाम लगाई जा सकेगी। चीन चूंकि व्यावसायिक या आर्थिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि राजनीतिक व कूटनीतिक दबदबा कायम करने के लिए निवेश करता है, इसलिए जरूरी है कि चीन का विकल्प ढूंढ़ने वाले देशों की भारत हरसंभव मदद करे। यह सही है कि पूंजी किसी भी देश को चीन की तरफ आकर्षित करती है। ऐसे तमाम मुल्क हैं, जिन्हें कहीं और से इमदाद नहीं मिलती, मगर चीन वहां निवेश करता है। लेकिन पूंजी के साथ–साथ चीन अपने कामगार भी वहां भेजता है, जिसका भार अंततरू स्थानीय हुकूमत को उठाना पड़ता है। चीन का यह मकड़जाल अब कई देश समझने लगे हैं। अब वे इसकी काट निकालना चाहते हैं। ऐसे में, भारत इन सभी देशों के लिए विकल्प बन सकता है। इसमें अपने मित्र देशों के साथ–साथ संयुक्त राष्ट्र व क्षेत्र की संबंधित एजेंसियों की मदद भी वह ले सकता है। इस काम में विश्व के अन्य ताकतवर देश भी भारत का साथ देंगे, क्योंकि एशिया में चीन के महाशक्ति बनने का नुकसान उन्हें भी है। लिहाजा वे यही चाहेंगे कि क्षेत्रीय स्थिरता व संतुलन के लिए चीन की मंशा कुंद की जाए और भारत के नजरिये को आगे बढ़ाया जाए। भारत को अपने 'सहयोग कार्यक्रमोंश में भी सुधार लाना होगा। असल में, दूसरे देशों के साथ किए जाने वाले हमारे वादे जल्दी परवान नहीं चढ़ते। अव्वल तो इन परियोजनाओं के लिए फंड जारी कराना एक भारी सिरदर्द होता है, फिर उनके पूरा होने में भी काफी वक्त लगता है। हालांकि भारत सरकार ने इस तस्वीर को बदलने के लिए काफी काम किया है, पर अब भी इसमें काफी सुधार बाकी है। जरूरी है कि भारत की सांविधानिक संस्थाएं इस पर निगाह रखें। पड़ोसी देशों के साथ किए जाने वाले तमाम वादे तो पूरे किए ही जाएं, उनकी संयुक्त रूप से जांच आदि भी सुनिश्चित की जाए। उन वैश्विक एजेंसियों और मुल्कों की भी खोज की जाए, जो भारत के साथ मिलकर ऐसे देशों की विकास योजनाओं को गति देने में कारगर हो सकें। बेशक कुछ देशों की यह सोच है कि चीन के पाले में जाकर भारत से मिलने वाले फायदों में बढ़ोतरी कराई जा सकती है, मगर यह सोच उन पर भारी भी पड़ सकती है। साफ है, भारत को दूरदर्शी नीति बनाने की जरूरत है। एक ऐसी नीति, जो मित्र राष्ट्रों की बेहतरी सुनिश्चित करे ही, साथ–साथ एशिया में ताकत का संतुलन भी बनाकर रखे। एक समग्र विदेश नीति भारत को चीन के समकक्ष खड़ा कर सकती है।

मध्यप्रदेश चुनाव में क्षेत्रीय दलों की भी है भूमिका

देश के जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, उनमें सर्वाधिक महत्व मध्य प्रदेश का माना जा रहा है क्योंकि इन पांच राज्यों में सर्वाधिक 230 विधानसभा सीटें और सबसे ज्यादा 29 लोकसभा सीटें इसी राज्य में हैं। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में पांच करोड़ मतदाता 2907 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला करेंगे, जिनमें 1102 निर्दलीय उम्मीदवार शामिल हैं। शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा पिछले डेढ़ दशक से सत्तासीन है किन्तु गुजरात के बाद श्संघ की दूसरी प्रयोगशालाश माने जा रहे इस राज्य में इस बार भाजपा और कांग्रेस दोनों को ही कुछ क्षेत्रीय दलों की चुनौतियों से भी जूझना पड़ेगा। भाजपा जहां अपनी जीत का चौका लगाने के लिए एड़ी–चोटी का जोर लगाए हुए है, वहीं कांग्रेस अपना 15 साल लंबा वनवास खत्म कर सत्ता वापसी के लिए बेकरार है।

दोनों ही प्रमुख दलों के बीच कांटे का मुकाबला तय माना जा रहा है लेकिन दोनों के लिए न केवल भीतरघात से निपटना बड़ी चुनौती बन गया है बल्कि सपा, बसपा सहित कई क्षेत्रीय दल भी इनका खेल बिगाड़ने के लिए मैदान में कूद चुके हैं। भाजपा और कांग्रेस के सरकार बनाने के समीकरण अब काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेंगे कि बागी उम्मीदवार कितनी सीटों पर जीत हासिल करते हैं और दोनों प्रमुख दलों के परम्परागत वोटबैंक में सेंधमारी कर उनकी जीत का गणित भी प्रभावित करेंगे। 230 सदस्यीय मध्य प्रदेश विधानसभा के 2013 के चुनाव में भाजपा को 44.88 फीसदी मतों के साथ 165 सीटें, कांग्रेस को 36.38 फीसदी मतों के साथ 58 जबकि अन्य को 11.67 फीसदी मतों के साथ 7 सीटें प्राप्त हुई थी। 2008 के चुनाव में भाजपा को 38 फीसदी मतों के साथ 143 सीटें जबकि कांग्रेस को करीब 32 फीसदी मतों के साथ 71 सीटों पर जीत मिली थी। देखा जाए तो जहां पिछले 10 वर्षों में भाजपा का मत प्रतिशत बढ़ने के

साथ ही सीटों की संख्या भी बढ़ी, वहीं कांग्रेस का मत प्रतिशत तो बढ़ा किन्तु सीटें कम हो गई। इस बार दोनों दलों की नजरें उन सीटों पर खासतौर से केन्द्रित हैं, जहां पिछले चुनाव में हार–जीत का अंतर बहुत कम मतों का रहा था। कांग्रेस के 11 प्रत्याशी 2013 के चुनाव में महज एक हजार से भी कम मतों के अंतर से हार गए थे जबकि 30 प्रत्याशी ऐसे थे, जो ढ़ाई हजार के अंतर से भाजपा प्रत्याशियों से परास्त हो गए थे। भाजपा के सिर्फ 6 प्रत्याशी ही ऐसे थे, जो एक हजार मतों के अंतर से पराजित हुए थे। इससे पहले जितने भी चुनाव हुए, क्षेत्रीय दल चुनाव परिणामों पर कोई खास असर नहीं डाल सके किन्तु इस बार स्थितियां काफी बदली हुई हैं। वैसे तो 1972 से ही यहां चुनावी मुकाबला दो दलीय रहा है किन्तु 1990 में दो सीटें जीतने के बाद से बसपा अपनी उपस्थिति अवश्य दर्ज कराती रही है, जो 1996 में 2 लोकसभा तथा 1993 और 1998 में 11 विधानसभा सीटें जीतने में सफल रही थी। उसके बाद कयास लगाए जाने लगे थे कि बसपा राज्य में तीसरी शक्ति के रूप में तेजी से उभरेगी किन्तु ऐसा संभव नहीं हुआ और पिछले चुनाव में बसपा 6.29 फीसदी मत हासिल कर सिर्फ 4 सीटों पर ही अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकी।

हालांकि बसपा की राज्य की 15 फीसदी अनुसूचित जातियों पर अच्छी पकड़ है। सपा 1993 में एक सीट जीतकर पहली बार विधानसभा में पहुंची थी। 1998 में 4 और 2003 में 7 सीटें प्राप्त कर किन्तु 2013 में महज 1.2 फीसदी मत हासिल कर सपा बुरी तरह पिछड़ गई थी लेकिन इस बार वह फिर से अपने ही बल पर जोर आजमाइश के लिए मैदान में उतरी है। बसपा और सपा के अलावा भी कई दल मैदान में ताल ठोंक रहे हैं, जिनकी उपस्थिति को नजरअंदाज करना मुमकिन नहीं है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जिसका प्रदेश के कई जिलों में अच्छा प्रभाव है।

प्रदेश में करीब 80 सीटें ऐसी हैं, जहां आदिवासी समाज की बहुलता है और ऐसे कई इलाकों में इस पार्टी की मजबूत पकड़ है। पिछले चुनाव में इस पार्टी ने महज एक फीसदी मत प्राप्त किए थे किन्तु आदिवासी क्षेत्रों में ज्यादातर सीटों पर 18–20 हजार तक वोट हासिल कर हर किसी को चौंका दिया था। जायस (जय आदिवासी युवा शक्ति) पहली बार चुनावी महासमर में शामिल हुई है, जिसने मालवा–निमार की 28 ऐसी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं, जिनमें 22 सीटें एसटी के लिए आरक्षित हैं। इन क्षेत्रों में 22 फीसदी आदिवासी समुदाय की भी हिस्सेदारी है, जिन पर जायस की अच्छी पकड़ मानी जाती है। कहा जाता है कि जायस कांग्रेस के दिमाग की ही उपज है। एक अन्य पार्टी श्सामान्य पिछड़ा अल्पसंख्यक समाज कल्याण संस्थाश (सपाक्स) भी सभी 230 सीटों पर अपने प्रत्याशियों के साथ मैदान में है, जिसकी सरकारी कर्मियों पर अच्छी पकड़ मानी जाती है। बहुत सारे पूर्व सरकारी कर्मचारी इसके सदस्य हैं और माना जा रहा है कि दलित एक्ट में बदलाव से नाराज सवर्णों के भाजपा के वोटबैंक में सेंध लगाने में यह दल भूमिका निभाएगा।

पेड़ से लकड़ी तोड़ते वक्त एक युवक फिसला मौत

सुलतानपुर । मोतिगरपुर गांव की बाग में मंगलवार को महुआ के पेड़ पर लकड़ी तोड़ते वक्त एक युवक फिसलकर गिर गया। चोट लगने से गम्भीर रूप से घायल हो गया। उसे सीएचसी ले जाया गया, जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घरवालों के मुताबिक हादसे में मरे युवक की अभी छह महीने पहले हुई थी। मोतिगरपुर थाने के मोतिगरपुर गांव के विकास (23) पुत्र भागीरथी मंगलवार को गांव के बाहर बाग में महुआ के पेड़ पर लग्गी से लकड़ी तोड़ रहा था। इसी दौरान पैर फिसलने से वह पेड़ से गिर पड़ा। गुहार पर पहुंचे लोग उसे लेकर सीएचसी गए, जहां विकास को मृत घोषित कर दिया गया।

डॉ. राकेश अग्रवाल जेआईपीएमईआर पुडुचेरी के निदेशक बने

लखनऊ । पीजीआई के गेस्ट्रोइंट्रोलॉजी विभाग के डॉ. राकेश अग्रवाल को जवाहरलाल इंस्टीट्यूट पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (जेआईपीएमईआर) पुडुचेरी का निदेशक बनाया गया है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को डॉ. अग्रवाल की नियुक्ति का आदेश जारी कर दिया। निदेशक बनाए जाने पर पीजीआई के कई डॉक्टरों ने उन्हें बधाइयां दी हैं।

तीन दिवसीय ऐतिहासिक हटिया मेला सम्पन्न

लखनऊ । सरोजनी नगर की ग्राम पंचायत बनी स्थित सई नदी के तट पर लगने वाला तीन दिवसीय ऐतिहासिक हटिया मेला मंगलवार का धार्मिक अनुष्ठान के साथ संपन्न हुआ। कार्तिक पूर्णिमा के उपलक्ष्य में लगने वाले मेले हजारों श्रद्धालुओं ने सई नदी में डूबकी लगायी और यहां स्थित प्राचीन श्री रेतेश्वर महादेव मन्दिर में पूजा अर्चना की। श्री रेतेश्वर हटिया मेला समिति अध्यक्ष व ग्राम प्रधान राकेश सिंह चौहान व सपा नेता शिव शंकर सिंह शंकरी और जगनायक सिंह चौहान की अगुवायी में आयोजित मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। मेले में पूर्व मंत्री आर के चौधरी, जिपंस प्रमोद गौतम, सुनील गौतम, पूर्व जिपंस बागेश्वर द्विवेदी, पूर्व प्रधान रमेश गुप्ता समेत भारी संख्या में लोग पहुंचे।

कैरियर फेस्ट का आयोजन

लखनऊ । इंटरमीडिएट के बाद बच्चों के लिए सबसे बड़ी समस्या होती है कि वह किस कोर्स का चुनाव करें। ऑनलाइन, ऑफलाइन कोर्स बढ़ने से बच्चों के लिए किसी एक कोर्स को चुनना बहुत मुश्किल हो जाता है। इनके बारे में ही बताने के लिए मंगलवार को गोमती नगर स्थित होटल हिल्टन गार्डन इन में कैरियर फेस्ट का आयोजन किया गया। फेस्ट में बच्चों को भविष्य में बेहतर स्थान प्राप्त करने की प्रेरणा दी गई। इस फेस्ट में फैशन,डिजाइन,आर्किटेक्चर,फाइन आर्ट्स,लॉ समेत अन्य कोर्स की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में 1500 बच्चों ने हिस्सा लिया। पहल इंस्टीट्यूट के निदेशक अबद अलि ने बताया कि बच्चों को करियर के लिए सही दिशा निर्देशन की जरूरत होती है। अक्सर बच्चे जल्दबाजी में अपनी क्षमता से परे गलत प्रोफेशनल कोर्स चुन लेते हैं। इससे उनके कैरियर में बाधा होती है।

राजभवन ने दी पीएचडी आर्डिनेंस को मंजूरी, आवेदन जल्द

लखनऊ । काफी समय से अटके लखनऊ विश्वविद्यालय के पीएचडी व एमफिल आर्डिनेंस को राजभवन ने मंजूरी दे दी है। लखनऊ विश्वविद्यालय एक दो दिन में पीएचडी में प्रवेश के लिए आवेदन फार्म जारी कर देगा। कुलसचिव एसके शुक्ला ने बताया कि एलयू प्रदेश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय होगा। जहां पर राजभवन के 24 अगस्त 2018 के निर्देशों के तहत दाखिले लिए जाएंगे। दो साल के लम्बे अंतराल के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी दाखिलों की प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। विश्वविद्यालय में 2015–16 में पीएचडी की करीब साढ़े पांच सौ सीटों पर दाखिले लिए गए थे। इसके बाद पीएचडी के नए आर्डिनेंस को लेकर प्रवेश प्रक्रिया अटकी हुई थी। कुलसचिव एसके शुक्ला के मुताबिक राजभवन से हरी झंडी मिलने के बाद एक दो दिन में ही आवेदन फार्म जारी कर दिए जाएंगे। लिखित परीक्षा के आधार पर ही पीएचडी में दाखिले लिए जाएंगे। उन्होंने बताया की प्रशासन की पूरी कोशिश रहेगी कि प्रवेश प्रक्रिया की शुचिता को बरकरार रखते हुए समय पर दाखिले की प्रक्रिया पूरी कर ली जाए।

बीएचयू के छात्र आंदोलित, केंद्रीय कार्यालय पर बैठे धरने पर

वाराणसी । बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के विधि संकाय के छात्रों का समूह मंगलवार को फिर से उग्र हो गया। बता दें कि विधि संकाय की सेमेस्टर परीक्षा शुरू होने वाली है। लेकिन इन छात्रों को परीक्षा में बैठने की इजाजत नहीं मिली है। छात्र लगातार प्रवेश पत्र की मांग कर रहे हैं। अभी तीन दिन पहले भी ये छात्र धरने पर बैठे थे। तब अधिकारियों ने समस्या के समाधान का आश्वासन देकर धरना किसी तरह समाप्त कराया था। लेकिन तीन दिन बाद भी प्रवेश पत्र न मिलने पर छात्र फिर पहुंच गए केंद्रीय कार्यालय और वहीं पोर्टिको में धरने पर बैठ गए। सेमेस्टर परीक्षा का प्रवेश–पत्र न मिलने से आक्रोशित है छात्र। इस बार फिर से बीएचयू के अधिकारी इन्हें मनाने में लगे हैं। लेकिन इन छात्रों का कहना है कि, बीते दिनों हम लोगों से कहा गया था कि मेडिकल जमा करने पर प्रवेश पत्र दे दिया जाएगा लेकिन अब उसमें भी संकाय के लोग आनाकानी कर रहे हैं। आरोप है कि कुछ छात्रों का मेडिकल फॉर्म फारवर्ड नही किया गया है।

बीएसएनएल कर्मचारी तीन दिसम्बर से हड़ताल पर

लखनऊ । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बीएसएनएल के अफसरों और कर्मचारियों ने तीन दिसम्बर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की घोषणा की है। मंगलवार को गांधी भवन में आयोजित सभा में 'ऑल यूनियन्स एंड एसोसिएशनंस ऑफ बीएसएनएल के निर्णय की जानकारी दी गई। नेताओं ने यहां बताया कि हड़ताल के दौरान मोबाइल, ब्रॉडबैंड, टेलीफोन सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। एसोसिएशन के यूपी ईस्ट सर्किल सचिव आरके मिश्र, संजय दुबे, अजय त्रिवेदी ने बताया कि उनको उम्मीद है कि इस राष्ट्रव्यापी संघर्ष में आमजन अपना पूरा सहयोग देंगे। हड़ताल का नेतृत्व बीएसएनएल एम्पलाइज यूनियन, एनएफटीई बीएसएनएल, एसएनईए, एआईबीएसएनएलईए, बीएसएनएल मजदूर संघ, टेलीकॉम इम्पलाइज प्रोग्रेसिव यूनियन, एआईजीईटीओए आदि संयुक्त रूप से कर रहे हैं। कर्मचारियों की मांग है कि एक जनवरी 2017 से तीसरा वेतन संशोधन किया जाए, बीएसएनएल को 4जी स्पेक्ट्रम का आवंटन हो, कर्मचारियों के वास्तविक मूल वेतन पर आधारित पेंशन योगदान का भुगतान और एक अक्तूबर 2000 के बाद भर्ती कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति का लाभ दिए जाय।

जिलाधिकारी ने प्रथम ओपन नेशनल कराटे डू चौंपियनशिप का दीप प्रज्जवलित कर किया शुभारंभ

❑ निरंतर अभ्यास से खिलाडी राष्ट्रीय और अर्न्तराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचकर कर सकता है अपना सर्वांगीण विकास : डीएम

कानपुर देहात । स्पोर्ट्स स्टेडियम माती अकबरपुर कानपुर देहात में प्रथम राष्ट्रीय स्तर कराटे प्रतियोगिता (प्रथम ओपन नेशनल कराटे डू चौंपियनशिप) का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि का स्वागत कार्यक्रम आयोजक शकील खान, जिला क्रीड़ा अधिकारी प्रदीप चौहान, कार्यक्रम कोआर्डिनेटर रजत गुप्ता सहित एस डी एस इंटरनेशनल स्कूल के प्राचाय आर पी तिवारी सहित स्कूल परिवार ने विधिवत वैदिक विधि से तिलक लगाकर किया। कार्यक्रम का मंच संचालन नीतू कटियार एवं अरुण कुमार गुप्ता ने किया। प्रथम राष्ट्रीय स्तर कराटे प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों से टीमें भाग लेने जनपद कानपुर देहात में आई जिसमें उत्तर प्रदेश टीम, मध्य प्रदेश टीम सहित दिल्ली, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, पंजाब, हरियाणा एवं अन्य कई राज्यों की टीम में शामिल हुई। चौंपियनशिप का शुभारंभ छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश टीम के बीच प्रारंभ हुआ जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि जिलाधिकारी ने दोनों प्रतिभागियों को हाथ मिलाकर किया। इसके बाद अन्य राज्यों की टीमों ने भी जिलाधिकारी महोदय के सामने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में चार चांद एस एस अकेडमी अकबरपुर के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लगाया। जिलाधिकारी ने एस एस अकेडमी अकबरपुर के शिवम सहित पूरी टीम एवं एस डी एस इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों को स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने युवा करार्टे खिलाडियों से कहा कि खेल खिलाड़ी खेल की भावना से खेले, खेल में सब बराबर होते है। करांटे खेल विधा खेल के अच्छा प्रदर्शन और उसके निरंतर अभ्यास से हम राष्ट्रीय और अर्न्तराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचकर सर्वांगीण विकास कर सकते है। करार्टे खेल से आत्मरक्षा भी आसानी की जा सकती है। जिलाधिकारी ने सभी प्रतिभागियों सहित आयोजक गणों की सराहना की तथा आए हुए अन्य राज्यों के प्रतिभागियों का विशेष ख्याल रखने का निर्देश दिये। कार्यक्रम में आयोजक मोहम्मद शकील खान, जिला क्रीड़ा अधिकारी प्रदीप चौहान, रजत गुप्ता, राजेश भारद्वाज, अजय कुशवाहा, विशेष सहयोगी देवराज सिंह, मंच संचालक नीतू कटियार, अरुण कुमार गुप्ता, मुदस्सीर, नदीम सिद्दीकी, सत्येंद्र कुमार राय, दिनेश कुमार, संजय कुमार, आदित्य गुप्ता उमेश प्रताप सिंह, नदीम खान, विक्रम जयसवाल, आकाश सक्सेना, गुलवेज आलम, डॉ श्याम सुंदर वर्मा, सहलोज, दीपक सहित सैकड़ों प्रतिभागी मौजूद रहें।

शहर में निकाली गई यातायात जन जागरुकता रैली

इटावा । सड़क हादसों को रोकने के लिए यातायात माह के चलते इटावा पुलिस व परिवहन विभाग तथा राजस्व विभाग के सहयोग से एक विशाल जन जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। अतः यातायात माह के चलते कल मंगलवार को जन जागरुकता रैली का शुभारम्भ कलैक्ट्रेट परिसर से डीएम सेल्वा कुमारी जे व एसएसपी अशोक कुमार त्रिपाठी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली रवाना किया गया। जन जागरुकता रैली कलैक्ट्रेट परिसर से होते हुए अम्बेडकर तिराहा, स्टेशन बजरिया से शास्त्री चौराहा होते हुए नौरंगाबाद चौराहा, तिकोनिया व नगर पालिका चौराहे से होते हुई स्नातन धर्म इण्टर कालेज पर पहुंचकर समाप्त हुई। अतः रैली में राजकीय बालिका इण्टर कालेज, राजकीय इण्टर कालेज, सनातन धर्म इण्टर कालेज, एचएमएस इस्लामियां इण्टर कालेज, के0के0 इण्टर कालेज, अर्चना मैमोरियल इण्टर कालेज, शिवाजी शिक्षा निकेतन इण्टर कालेज काजेल के करीब 1500 छात्र– छात्राओं तथा एनसीसी तथा एनएसएस के कैंडेट्स ने विभिन्न स्लोगनस के बैनर व तख्ती के साथ जन जागरुकता रैली में शामिल होकर लोगों को जागरुक किया। जन जागरुकजा रैली के दौरान स्लोगल व बैनरों के जरिये लोगों को जागरुक किया गया।

कृपया वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात मत करें, वाहनों को वायीं ओर से ओवर टैक न करें, बाइक चलाते समय हैलमेट व कार चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें, वाहनों की गति मध्यम रखें। अतः दुकानदार दुकानें के बाहर सामान न रखे इससे सडकों पर जाम की स्थिति पैदा होती है औरलोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अतः सभी लोग यातायात नियमों का पालन करें। जिससे सड़क हादसों पर रोक लग सके। क्योंकि अधिकतर लोगों की मोत सड़क हादसों में हो रही है। अतः सभी सुरक्षा का ध्यान रखें। अतः सुरक्षा हटी दुर्घटना घटी। जन जागरुकता रैली के दौरान जिलाधिकारी इटावा सेल्वा कुमारी जे, इटावा एसएसपी अशोक कुमार त्रिपाठी, एडीएम इटावा, एसडीएम, क्षेत्राधिकारी नगर, एआरटीओ, पीटीओ, जिला विद्यालय निरीक्षक, एवं टीएसआई इटावा आदि अधिकारी व कर्मचारी सहित पुसिल टीम मौजूद रही।

गम्भीर मरीजों के इलाज में वरदान है अल्ट्रासाउंड

आगरा । भ्रूण निर्धारण को रोकने के लिए बना पीसीपीएनडीटी एक्ट गम्भीर मरीजों के इलाज में बाधा बन रहा है। एक्ट के कारण कानूनी तामझाम से बचने के कारण लोग आईसीयू और इमरजेंसी में अल्ट्रासाउंड नहीं रखते। जिसका खामियाजा गम्भीर स्थिति में अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को भुगतना पड़ता है। इंडियन सोसायटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजिस्ट के राष्ट्रीय सचिव वैंकट गिरि ने बताया कि अल्ट्रासाउंड का प्रयोग सिर्फ भ्रूण निर्धारण तक सीमित नहीं है। पिछले एक दशक से इसका प्रयोग गम्भीर मरीजों के लिए में काफी बढ़ा है। एक्सीडेंट होने पर सीने में दर्द, सांस फूलना, सर्जरी आदि के) मरीजों के इलाज में अल्ट्रासाउंड तकनीक एक वरदान है। गम्भीर मरीजों में फेफड़े, हृदय, किडनी सिर आदि सभी अंगों के अल्ट्रासाउंड से न सिर्फ मरीज के मर्ज का पता सही समय पर लगाया जा सकता है। बल्कि मर्ज का पता लगने पर सही समय पर इलाज सम्भव हो पाने के बाद की जटिलताओं को दूर भी किया जा सकता है। लेकिन, भारत में पीएनडीटी एक्ट तो कभी डॉक्टरों में जागरुकता के अभाव से अल्ट्रासाउंड की सुविधा सभी इमरजेंसी और आईसीयू में गम्भीर मरीजों को नहीं मिल पाती। अल्ट्रासाउंड मशीन का जहां एक ओर दुरुपयोग हो रहा है, वहीं पीसीएनडीटी एक्ट की वजह से गम्भीर मरीजों को अल्ट्रासाउंड की सुविधा सही समय पर नहीं मिल पाती। भारत जैसे देश में पीएनडीटी एक्ट के तामझाम से बचने की वजह से कई इमरजेंसी व आईसीयू में इसकी सुविधा नहीं है। आईसीयू व इमरजेंसी में गम्भीर मरीज पहुंचते हैं, जिन्हें तुरन्त और सही इलाज की जरूरत होती है। मरीज का बीपी कम होने की कई वजह हो सकती है। सही वजह का पता अल्ट्रासाउंड से सिर्फ 15 मिनट में लगाया जा सकता है। इसी तरह फेफड़े तक का अल्ट्रासाउंड कर उसमें हवा भरने, इनफेक्शन या अन्य वजह का पता लगाया जा सकता है। गम्भीर बीमारी का तनाव मरीज को डायबिटिक भी बना सकता है। आईसीयू में पहुंचने वाली 20–25 फीसदी मरीजों (जिन्हें पहले डायबिटीज नहीं है) में शुगर का स्तर बढ़ जाता है। चिकित्सा क्षेत्र में पहले माना जाता था कि ऐसे मामलों में मरीज की शुगर कंट्रोल नहीं करनी चाहिए। जब ऐसे मामलों में मरीजों की शुगर को कंट्रोल किया गया तो उनकी स्थित सुधरने के मामले में बेहतर नतीजे सामने आए।

डॉ. रणवीर सिंह त्यागी ने बताया कि आईसीयू में शुगर लेबल बढ़ने पर जिन मरीजों में इसे कंट्रोल किया जाता है, वह ठीक होकर आईसीयू से जल्दी बाहर आ जाते हैं। वेंटीलेटर पर जाने की सम्भावना भी कम हो जाती है। ऑपरेशन के बाद के कॉम्पलीकेशन भी कम हो जाते हैं। जबकि पहले ऐसे मरीजों में शुगर कंट्रोल न करने पर मृत्यु दर बढ़ने के मामले देखे जाने लगे। प्रो. के पांडे ओरेशन से आंध्र प्रदेश के डॉ. बीबी मिश्रा व वेंकटराव ओरेशन से कर्नाटक के डॉ. मधुसूदन उपाध्याय को शॉल पहनाकर स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजन समिति की साइंटिफिक सचिव डॉ. दीप्तीमाला अग्रवाल ने बताया कि मंगलवार को 42 साइंटिफिक सेशन हुए। 500 ई पेपर प्रस्तुत किए गए। डॉ. राकेश त्यागी ने बताया कि कार्यशाला में पर्यावरण की दृष्टि से प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह के बजाय पौधे प्रदान कर सम्मानित किया जा रहा है। अन्य शहरों व देश से आए ऐसे प्रतिनिधि जो पौधे ले जाने में असमर्थ हैं, उनसे जेपी पैलेस में पौधे लगवाए जा रहे हैं। जिनकी देखभाल आयोजन समिति द्वारा की जाएगी।

चार विकेट से डीसीए रेड की जीत

सुलतानपुर । शहर के पंत स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रहे अंडर 14 डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग टूर्नामेंट में मंगलवार को मोहित के शानदार चार विकेट से डीसीए रेड को जीत मिली। मुकाबले में 61 रनों के बड़े अंतर से डीसीए ग्रीन पराजित हुआ। मैन आफ द मैच मोहित को चुना गया। डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में चल रहे टूर्नामेंट में मंगलवार को टास जीतकर डीसीए रेड ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। निर्धारित 35 ओवर में रेड ने आठ विकेट खोकर शानदार 196 रन बनाया। इसमें पंकज गुप्ता ने 36, अल्फराज ने 29, अरविंद ने 49 व शुमम ने नाबाद 18 रनों का योगदान दिया। ग्रीन की ओर से मंगल ने चार तो आशीष, सर्वेश व पंकज पाल ने एक–एक विकेट हासिल किया। बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी डीसीए ग्रीन की टीम शुरुआत से ही लड़खड़ा गई। पूरी टीम 29वें ओवर में मात्र 135 रन बनाकर पवेलियन लौट गई। उदित ने सर्वाधिक 34 रन बनाया। रेड की ओर से मोहित ने सात ओवर में 39 रन देकर महत्वपूर्ण चार विकेट चटकाया।

अंतिम खेत तक पानी पहुँचाना योगी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : धर्मपाल सिंह

लखनऊ । अंतिम खेत तक पानी पहुँचाना योगी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसको सफल बनाना सिंचाई विभाग की नैतिक जिम्मेदारी है। यह निर्देशात्मक उदगार मा0 सिंचाई मंत्री श्री धर्मपाल सिंह ने आज परिकल्प भवन स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में विभिन्न संगठनों के मुख्य अभियन्ताओं से नहरों की सिल्ट सफाई एवं सड़कों को गडडा मुक्त किए जाने के संबंध में कराये जा रहे कार्यों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अध्यतन प्रगति की समीक्षा के दौरान विभागीय अधिकारियों से व्यक्त किए। सिंचाई मंत्री ने कहा की उन्होंने अपने भ्रमण के दौरान किसानों ने उन्हें बताया है, कि ऐसे नहरें जिनमें लगभग 20 साल से पानी नहीं आ रहा था। योगी सरकार के प्रयासों से उन नहरों में पानी आया है, इसके लिए उन्होंने मुख्य मंत्री को धन्यवाद भी ज्ञापित किया है। श्री सिंह ने कहा कि सिल्ट सफाई का कार्य गत वर्ष की तुलना में अपेक्षाकृत अच्छा है, लेकिन इसे और बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों को क्षेत्र में भ्रमण कर सिल्ट सफाई के कार्यो को पूर्ण मनोयोग से सम्पादित कराना होगा। श्री सिंह ने अधिकारियों से अपेक्षा की वे स्थानीय जन प्रतिनिधियों से लगातार संपर्क स्थापित करें और उनको आमंत्रित कर सिल्ट सफाई का कार्य शुभारम्भ करायें। अद्यतन समीक्षा के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि बेतवा संगठन झांसी में अपना कार्य सतप्रतिशत पूर्ण कर लिया है। इसी तरह अन्य संगठनों का कार्य लगभग 60 प्रतिशत से ऊपर हो गया है। सिंचाई मंत्री ने निर्देषित किया कि हर दशा में 15. 12.2018 से पूर्व इसे समाप्त करें तथा किए गए कार्य का सत्यापन हेतु शासन एवं विभागाध्यक्ष स्तर से अधिकारियों की टीमें भेजी जायें। समीक्षा के दौरान राष्ट्रीय सिंचाई परियोजना की प्रगति पर भी चर्चा की गई इस क्रम में बुंदेलखण्ड की अर्जुनसहायक परियोजना को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान मुख्य अभियन्ता सरयू ने बताया कि सरयू नहर परियोजना के 1100 गैप्स में से 830 कवर कर लिए गए हैं। सिंचाई मंत्री ने निर्देशित किया कि अवशेष गैपों को शीघ्र पूरा किया जाये। समीक्षा के दौरान यह तथ्य भी प्रकाश में आया कि इस योजना से 12 जिलों के 48 लाख हेक्टेयर को सिंचित किया जा सकेगा।

गूगल की नौकरी छोड़ किशोरी बन गई साध्वी, अब बांट रही आध्यात्म का संदेश

वाराणसी । एक तरफ जहां देश के हर युवा की चाह होती है कि वह बडी से बड़ी कंपनी में काम करे। फिर अगर किसी को गूगल जैसी कंपनी में काम मिल जाए, मोटी पगार हो, तो वह ऐसी नौकरी भला क्यों छोड़ना चाहेगा। लेकिन ऐसा नहीं है। इस आधुनिक समाज में ऐसे भी युवा हैं जिन्हें आध्यात्म की चाह है। उनके लिए गूगल की नौकरी का कोई मतलब नहीं। वो ईश्वर दर्शन करना चाहते हैं। लेकिन इसके लिए उन्हें सच्चे साधु–संत की तलाश है। लेकिन एक युवती ऐसी हैं जिन्हें सच्चा गुरु मिला और उन्होंने गूगल की नौकरी छोड़ कर साध्वी बनना स्वीकार कर लिया। ये और कोई नहीं बल्कि स्वंदिनी देवी स्कंद हैं। वह इन दिनों काशी के सीर गोवर्धन में चल रहे धर्म संसद में शिरकत करने आई हैं। योगी का चोला धारण किए 25 वर्षीय स्वंदिनी ने बताया कि बचपन से ही उन्हें ऐसे गुरु की तलाश थी जो उन्हें ईश्वर का दर्शन करा सके। इसके लिए कई गुरुओं के आश्रम में गई पर बात नहीं बनी। वह कहती हैं कि मुझे राम कृष्ण परमहंस जैसे गुरु की तलाश थी जिन्होंने विवेकानंद को ईश्वर का दर्शन कराया। मैं केवल ईश्वर दर्शन करना चाहती थी। मुझे तन–मन–धन की कोई चाहत नहीं थी। ऐसे में खोजते–खोजते आखिर में मुझे वह हासिल हुआ, साध्वी शितो शांभी के रूप में गुरु मां मिली। उन्होंने मुझे ईश्वर का दर्शन कराया। स्कंद कहती हैं कि गुरु मां के पास जाने के बाद मुझे जो आत्मिक शांति मिली, मन इतना प्रसन्न हुआ कि मैं उसकी कल्पना नहीं कर सकती थी, उसे बयान नहीं किया जा सकता। साध्वी स्कंद ने बताया कि मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय से बीकॉम किया। उसके बाद कंपनी सेक्रेटरी का कोर्स कर गूगल में नौकरी करने लगी। शुरुआती दौर था, 80 हजार रुपये महीने मिलते थे। अब गूगल जैसी कंपनी में काम करने का मतलब हर तरह की सुविधा थी, लेकिन मेरे मन में कुछ और ही चल रहा था। वहां काम करते हुए भी एक सच्चे आध्यात्मिक गुरु की तलाश में थी जो मां शितो शांभी के आश्रम में जा कर मिली। उन्होंने बताया कि मेरी मां आध्यात्मिक हैं, उनके साथ बचपन से ही मैं कई गुरु आश्रमों में जाती रही। जाते–जाते ही मुझे यह लगा कि कोई सच्चा गुरु मुझे भी मिल जाता जो अब मिल गया है।

हनीफ ने मुसलमानों को नौ फीसदी आरक्षण का कोटा अलग से देने की मांग उठाइ

लखनऊ । फिक्र–ए– मिल्लत फाउण्डेशन के महासचिव मोहम्मद हनीफ खान ने मुसलमानों को नौ फीसदी आरक्षण का कोटा अलग से देने की मांग उठाई है।

उन्होंने कहा है कि इस मुद्दे पर केन्द्र में विपक्ष की भूमिका निभा रही कांग्रेस अपनी भूमिका स्पष्ट करे क्योंकि मुस्लिम समाज अब उसे ही वोट करेगा जो उसके हितों और आरक्षण की बात करेगा। उन्होंने बताया कि उनके संगठन के तत्वावधान में 23 फरवरी 2019 को दिल्ली में जंतर–मंतर पर एक दिवसीय धरना दिया जाएगा। संगठन के महासचिव मोहम्मद हनीफ खान ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह धरना केंद्र और राज्य की सरकारों द्वारा दलितों और मुसलमानों के बुनियादी अधिकारों की उपेक्षा के विरोध में दिया जाएगा। मंगलवार को जारी एक बयान में मो. हनीफ खान ने कहा कि बीती 25 नंवबर को जो यहां आयोजित हुई दलित–मुस्लिम हुंकार रैली में उमड़े जनसैलाब से जो जन समर्थन मिला है उससे दलित–मुस्लिम गठजोड़ का भविष्य उज्जवल प्रतीत होता है।

कुम्भ कार्यों की समीक्षा बैठक कर मुख्य सचिव ने की गहन पड़ताल

बेहतर से बेहतर प्रयास कर कार्यों को समयबद्ध रूप से कराये पूरा : मुख्य सचिव

लखनऊ । मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश, शासन अनूप चन्द्र पाण्डेय ने आज सरकिट हाउस मे कुम्भ मेला 2019 की तैयारियों एवं कुम्भ कार्यो की प्रगति की समीक्षा बैठक सभी विभागों के प्रमुखों के साथ की। इस बैठक में रंजन कुमार, सचिव, लोक निर्माण विभाग, अनुराग यादव, सचिव, नगर विकास, विभाग, मण्डलायुक्त, डॉ. आशीष कुमार गोयल, एडीजी एस.एन. साबत, आई जी मोहित अग्रवाल, आईजी रेलवे, प्रभारी जिलाधिकारी,मुख्य विकास अधिकारी सैमुअल पाल एन, मेलाधिकारी विजय किरन आनन्द, डीआईजी मेला के.पी. सिंह के साथ सभी विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मुख्य सचिव ने कुम्भ के दृष्टिगत कराये जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यो विवरणवार समीक्षा करते हुए प्रत्येक विभाग के अधिकारी से उसकी अद्यतन प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कराये जा रहे कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया तथा समीक्षा के दौरान कुछ कार्यो की प्रगति और तेज करते हुए उसे समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश भी दिये। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कुम्भ के लिए कराये जा रहे कार्यों में अपने प्रयासों को और बेहतर से बेहतर करते हुए कुम्भ आयोजन को भव्य एवं दिव्य बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। मुख्य सचिव ने सरकिट हाऊस में कुम्भ के कार्यो के दृष्टिगत कराये जा रहे कार्यो की समीक्षा करते हुए सर्वप्रथम लोक निर्माण विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा किये। जिसमें उन्हें बताया गया कि लोक निर्माण विभाग के द्वारा अगले माह के प्रथम सप्ताह में 16 कार्यो को पूरा कर लिया जायेगा। मुख्य सचिव ने 16 कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी लोक निर्माण विभाग के अभियन्ता से ली तथा उन कार्यों में और तेजी लाने के निर्देश भी दिये। उन्होंने रेलवे के द्वारा बनाये जा रहे कार्यों की प्रगति भी जानी तथा विभागों के समन्वय के साथ कार्यो को समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश भी दिये। इसी तरह उन्होंने प्रयागराज के सम्पर्क मार्गो के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने हण्डिया से वाराणसी मार्ग पर चल रहे कार्यों की वस्तुस्थिति जानी तथा निर्देशित किया कि 30 नवम्बर के बाद से उस पर कोई कार्य न किया जाय तथा सड़क पर पड़े मैटरियल को हटाते हुए उसे 4 लेन के रूप में पूर्णरूप से व्यवस्थित कर दिया जाय, ताकि लोगो के आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा कुम्भ मेला के दौरान न हो। उन्होंने कहा कि सम्पर्क मार्गो के कार्यो की गुणवत्ता परखने के लिए इसकी निरन्तर मानीटरिंग भी किया जाय तथा एडीएम स्तर के अधिकारी को टीम के साथ भेजते हुए इसकी समुचित पड़ताल भी की जाय। श्रृंगवेरपुर धाम के मार्ग की समीक्षा मुख्य सचिव के द्वारा की गयी, जिसमें बताया गया कि उक्त कार्य को बहुत तेजी के साथ निर्धारित समय सीमा में कार्यो को पूरा कर लिया जायेगा। इसी तरह अन्य राज्यमार्गो की विस्तृत समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने कार्यो को निर्धारित समय सीमा में ही पूरा करने के अधिकारियों को निर्देशित किया।

बैठक में रेलवे के अधिकारी द्वारा कराये जा रहे कार्यों की जानकारी मुख्य सचिव को देते हुए बताया कि रेलवे ओवर ब्रिज एवं रेलवे अण्डर पास के कार्यो को तेज गति से किया जा रहा है तथा अगले माह की निर्धारित तिथियों में कार्य पूर्ण हो जायेंगे। नगर निगम के कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने कुम्भ मेले में सफाई व्यवस्था पर जोर दिया। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कार्यों को शीघ्रता से साथ पूरा करें तथा मैनपावर को बढ़ाते हुए सफाई व्यवस्था को और दुरुस्त किया जाय। उन्होंने कहा कि कुम्भ मेला में सफाई व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्थान है इसलिए विशेष ध्यान दिया जाय।

लोक निर्माण विभाग के द्वारा कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा मुख्य सचिव के द्वारा की गयी। जिसमें उपाध्यक्ष विकास प्राधिकरण के द्वारा बताया गया कि सभी कार्य समयबद्ध रूप से किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि विकास प्राधिकरण के कार्यों में सम्बन्धित विभाग के अधिकारी समन्वय स्थापित करते हुए कार्यों को पूरा कराया जाय। प्रयागराज में पेंट माई सिटी के तहत कराये जा रही पेंटिंग के बारे में मुख्य सचिव को विस्तार से बताये हुए उन्हें कुछ फोटोग्राफस भी पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से दिखाये गये। मण्डलायुक्त ने बताया कि करायी जा रही वॉल पेंटिंग से प्रयागराज की जनता का बहुत सहयोग मिल रहा है। पर्यटन विभाग के द्वारा कराये जा रहे कार्यो की जानकारी मुख्य सचिव के द्वारा ली गयी। उन्होंने सूचना विभाग एवं संस्कृति विभाग के द्वारा कराये जा रहे कार्यो की भी जानकारी ली गयी। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को कहा कि कुम्भ के दृष्टिगत जो भी कार्य कराये जा रहे है उनको अपनी प्राथमिकता में लेते हुए उसे पूरी लगन एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ पूरा किया जाय। उन्होंने कहा कि कुम्भ आयोजन विश्व का सबसे बड़ा आयोजन है, इसमें किसी भी स्तर पर शिथिलता एवं लापरवाही न किया जाय। उन्होंने कहा कि कुम्भ आयोजन में अगले माह में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि आ रहे है, जिनके स्वागत के लिए हमें प्रयागराज को बेहतर से बेहतर रूप में प्रदर्शित करना है।

सिर दर्द हो या पेट की खराबी, हींग से मिलेंगे जबरदस्त फायदे

हींग का इस्तेमाल हर घर में किया जाता है। खाने का फ्लेवर बढ़ाने के साथ–साथ यह दवाइयां बनाने में भी काम आती है। इसमें प्रोटीन, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन आदि भरपूर मात्रा में शामिल होते हैं। इसके अलावा इसके एंटी–वायरल, एंटी–बायोटिक, एंटी–ऑक्सिडेंट, एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण कई तरह की बीमारियों से बचाव करने में भी मददगार है। जो लोग लहसुन खाने से परहेज करते हैं उन्हें हींग का सेवन जरूर करना चाहिए

कैसे बनती है हींग?

हींग का पेड़ 6 से 8 फुट का होता है। इस पर पीले रंग के फूल उगते हैं। पेड़ की जड़ पर चीरा लगाने से तेज गंध का रस निकलता है जिसे सूख कर गोंद जैसा हो जाता है, इसे हींग कहते हैं। इसे पूरी तरह से प्रोसेस करके बाजार में बेचा जाता है।

कैसे करें असली हींग की पहचान?

इसका फायदा तभी मिलता है जब हींग असली हो। इसे खरीदने से पहले पहचान होना जरूरी है कि कहीं हींग में कोई मिलावट तो नहीं। जानें कैसे करें असली हींग की पहचान।

1. हींग को पानी में घोलें अगर इसका रंग दूध जैसा सफेद हो जाता है तो हींग असली है।
2. हींग को माचिस की तीली से जला कर देखिए। इसमें से अगर चमकदार लौ निकले और यह पूरी तरह से जल जाए तो समझ लें हींग असली है। नकली हींग के जलाने पर ऐसा नहीं होता।

हींग के पोषक तत्व

आयुर्वेद के अनुसार हींग गर्म तासीर की होती है। इसमें कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसके अलावा यह टी इंफ्लेमेटरी, एंटी वायरल, एंटी बैक्टिरियल, एंटीऑक्सीडेंट जैसे गुणों से भी भरपूर है।

कैसे करें हींग का इस्तेमाल?

हींग का फायदा लेने के लिए इसका इस्तेमाल सब्जियों में किया जा सकता है। पाउडर वाली हींग की बजाय कठोर हींग खरीदें। इसे कढ़ाई में डाल कर मध्यम आंच पर भूनें जब इस पर सफेद धब्बे पड़ जाए तो इसे निकाल कर दोबारा भूनें। इसी तरह इसे फिर सेंक लें यह पॉप कॉर्न की तरह फूल जाएगी। फिर इसे निकाल कर मिक्सी में थोड़ा–सा नमक डालकर पीस लें। इसका पाउडर आप सब्जी बनाने में इस्तेमाल करें।

हींग के फायदे

पेट संबंधी परेशानियां दूर

पेट की गैस, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, पेट दर्द, बदहजमी आदि जैसी परेशानियां दूर करने में हींग फायदेमंद है। चुटकी भर हींग, अजवाइन और काला नमक मिलाकर गुनगुने पानी के साथ लेने से तुरंत आराम मिलता है।

नवजात के लिए लाभकारी

हींग का पानी के साथ घोल बनाकर छोटे बच्चे की नाभि के आस–पास लगाने से पेट की गैस निकल जाती है।

भूख बढ़ाए

बदहजमी से परेशान हैं तो हींग,अजवाइन,छोटी हरड़ और सेंधा नमक के पाउडर को बराबर मात्रा में मिलाकर दिन में 3 बार चुटकी भर सेवन करें। इससे भूख भी बढ़ने लगती है।

दर्द से आराम

दांत का दर्द, माइग्रेन, सिरदर्द, पीरियड्स के दौरान होने वाली दर्द से छुटकारा दिलाने में भी हींग बहुत लाभकारी है। इसके लिए 1 गिलास गुनगुने पानी में चुटकी भर हींग मिलाकर उबाल लें और गुनगुना होने पर इसका सेवन करें। इससे जोड़ों के दर्द से भी आराम मिलता है।

कफ से राहत

हींग के साथ शहद और 1 बूंद अदरक का रस मिलाकर सेवन करें। इससे खांसी को बहुत जल्द आराम मिलता है।

डायबिटीज कंट्रोल

दाल–सब्जी में हींग का इस्तेमाल करने से डायबिटीज कंट्रोल रहती है।

हिचकी

कुछ लोगों को बहुत जल्दी हिचकी लग जाती है। इससे राहत पाने के लिए पुराने गुड़ के साथ हींग खाने से हिचकी तुरंत राहत मिल जाती है।

हींग के नुकसान

इसका जरूरत से ज्यादा सेवन करने से करने से नुकसान भी हो सकता है। इसका दिन में 100 या 150 मिली ग्राम से ज्यादा सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि इसकी तासीर बहुत गर्म होती है। गर्भवती महिलाओं को इसका सेवन नहीं करना चाहिए। कई बार इससे पेट का अल्सर, हाई ब्लड प्रैशर आदि की दिक्कत आ सकती है।

कार्ब्स डाइट लेने से ठीक रहता है मानसिक स्वास्थ्य : रिसर्च

शरीर को सुचारू रूप से कार्य करने के लिए कार्बोहाइड्रेट की जरूरत होती है क्योंकि यह ऊर्जा का प्रमुख स्त्रोत है। साथ ही यह मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन लेना बहुत जरूरी है। इतना ही नहीं, सीमित मात्रा में कार्ब्स डाइट लेने पर वजन के साथ–साथ डायबिटीज भी कंट्रोल में रहती है।

रिसर्चः ब्रेन हेल्थ के लिए जरूरी है कार्ब्स डाइट

एक नए शोध में पाया गया है कि डाइट में कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा ज्यादा रखने और प्रोटीन की मात्रा कम रखने से आपका मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। जर्नल सेल रिपोर्ट्स में छपे इस शोध के परिणामों को देखकर कहा जा सकता है कि खान–पान का मानसिक स्वास्थ्य पर बेहद असर होता है। गौरतलब है कि यह शोध अभी केवल चूहों पर किया गया है और इंसानों पर होना बाकी है। इस डाइट का पालन करने से पहले आप अपने डॉक्टर या किसी अच्छे डाइटीशियन से सलाह लें।

डायबिटीज मरीजों के लिए भी फायदेमंद कार्ब्स डाइट

कार्बोहाइड्रेट शरीर को ग्लूकोज के रूप में ऊर्जा प्रदान करते हैं। ग्लूकोज शुगर का ही एक प्रकार है, जो शरीर की सभी कोशिकाओं के लिए ऊर्जा का प्राथमिक स्रोत है। कार्बोहाइड्रेट फूड्स तुरंत ब्लड शुगर पर प्रभाव डालते हैं, जिसके कारण पाचन क्रिया के दौरान खून में रक्त शर्करा का प्रभाव तुरंत होता है और इससे शुगर कंट्रोल में रहती हैं। डायबिटिक पेशेंट को खाने में 55–60 फीसदी कैलोरी कार्बोहाइड्रेट से लेना चाहिए।

कार्ब्स डाइट लेने से नहीं बढ़ता वजन

कुछ लोगों को लगता है कि कार्बोहाइड्रेट फूड्स खाने से वजन बढ़ जाता है लेकिन ऐसा नहीं है। सही तरीके से कार्बोहाइड्रेट का सेवन वजन को कम करने व कंट्रोल करने में मदद करता है। यदि आप सही तरह से कार्बोहाइड्रेट आहार लेते हैं तो यह आपका वजन कम करने में मदद करते हैं। इतना ही नहीं, कार्बोहाइड्रेट आहार वजन घटाने के साथ–साथ मांसपेशियों को टोन करने में भी मददगार होता है।

कार्बोहाइड्रेट की सही मात्रा

प्रतिदिन की ऊर्जा की जरूरत हमारे जीवन शैली पर निर्भर करती है और शरीर को कितनी कैलोरी की जरूरत है यह इसपर निर्भर करता है कि आप दिनभर कितना काम करते हैं। यदि आपको रोज 2000 कैलोरी की जरूरत है तो इन कैलोरी का 45 से 65: हिस्सा शरीर का कार्बोहाइड्रेट से मिलना चाहिए। हर एक ग्राम कार्बोहाइड्रेट में 4 कैलोरीज होती है यानि आपको प्रतिदिन 225 से 335 ग्राम कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन का सेवन करना चाहिए। इससे आपको 2000 कैलोरी में से 900 से 1300 कैलोरी मिल जाएंगी।

कार्ब्स डाइट में शामिल करें ये आहार

कार्बोहाइड्रेट के लिए सेब, तरबूज, रास्पबेरी, अंगूर, ब्लूबेरी, नाशपाती, केले, शकरकंदी, चुकंदर, संतरे और बेर जैसे फलों का का सेवन करें। इसके अलावा अरबी, आलू, ओट्स (जई), राजमा, काबुली चना, गेहूं, ज्वार, मक्का, बाजरा, और ब्राउन राइस में भी कार्बोहाइड्रेट भरपूर मात्रा में होता है।

अज्ञात द्वारा दो बाइकें चोरी

इटावा। जनपद के अलग अलग थाना क्षेत्रों से चोर दो मोटर साइकिलें चोरी कर ले गये। इटावा शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के अर्न्तगत स्थित काली वाहिन मंदिर के पास से चोर मौका पाकर करनपुरा निवासी सुनील वर्मा की मोटर साइकिल चोरी कर ले गये। जानकारी होने पर सुनील वर्मा ने आस पास मोटर साइकिल को तलाश किया। लेकिन उनकी मोटर साइकिल नहीं मिली। अतः शातिर किस्म के वाहन चोर मौका पाकर मंदिर परिसर से बाइक चोरी कर ले गये। दूसरी ओर कस्बा भरथना थाना क्षेत्र के ग्राम आलमपुर इलाके से चोर वहां खड़ी ग्राम नगला कुशल थाना लवेदी निवासी किशन सिंह पुत्र अर्जुन सिंह की मोटर साइकिल चोरी कर ले गये। अतः इस सम्बन्ध में दोनों वाहन स्वामियों ने थाना क्षेत्रों में अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश जारी कर दी।

30 बोतलें अवैध शराब के साथ गिरफतार

सैफई/इटावा। थाना उपनिरीक्षक वासुदेव सिंह अपने हमराहियों के साथ गश्त पर थे। उसी दौरान थाना पुलिस ने ग्राम लरखोर तिराहे पर एक व्यक्ति को बड़े से प्लास्टिक के थैले के साथ वहां से जाते देखा। पुलिस द्वारा संदिग्ध प्रतीत होंने व्यक्ति को रोक लिया गया। पुलिस द्वारा रोक लेने पर व्यक्ति हड़बड़ा गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने व्यक्ति के कब्जे से 30 बोतलें अवैध देशी शराब बरामद की। पूछताछ पर आरोपी ने अपना नाम विवेक यादव पुत्र लालसिंह निवासी ग्राम नगला गुलाल थाना सैफई बताया। थाना पुलिस द्वारा अभियुक्त को गिरफतार कर मामला दर्ज कर लिया गया है।

खेत से कटीले तार व खम्बा, चोरी रिपोर्ट दर्ज

बसरेहर/इटावा। थाना क्षेत्र के अर्न्तगत ग्राम अलहादपुरा में इटावा फ्रेण्डस कालोनी क्षेत्र के गांधीनगर निवासी रामस्वरुप पुत्र गिरधारी लाल का खेत है। रामस्वरुप ने खेत में तैयार फसल को जानवरों से बचाने के लिए खेत के आस पास कटीले तार व लगा रखा था। लेकिन रामस्वरुप के खेत के आस पास लगे कटीले तार व खम्बे को नामजद व्यक्ति चोरी कर ले गया। अतः स्वरुप द्वारा शिकायत करने पर नामजद लोगों ने रामस्वरुप के साथ गाली गलौज व मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। अतः चोरी करने व मारपीट करने पर रामस्वरुप ने बसरेहर थाने में भीमनगर थाना फ्रेण्डस कालोनी इटावा निवासी बृजकिशोर पुत्र मुन्ना लाल सहित 4 नामजद लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई।

चाल साजी से पीएसी में हुए भर्ती मामला दर्ज

इटावा। दो युवक झूठा शपथ पत्र देकर पीएसी में भर्ती हो गये। लेकिन जानकारी होने पर (एसआईएम) अवैध कुमार ने फ्रेण्डस कालोनी थाने में दोनों अभियुक्तों कल्लू पुत्र हरीलाल निवासी सम्दा थाना चरवा जिला कौशाम्बी, मानवेन्द्र सिंह पुत्र प्रेमवीर सिंह निवासी इकहरा थाना राया जिला मैनपुरी के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया।

महिला ने की आत्म हत्या

बढ़पुरा/इटावा। थाना क्षेत्र निवासी मोहन लाल की पत्नी रजनी देवी (30) ने गृह कलेश से तंग आकर फांसी लगाकर आम हत्या कर ली। अतः जानकारी होने पर परिवार वाले आनन फानन में रजनी देवी को अस्पताल ले गये। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

लाखन सिंह की तस्वीर का हुआ अनावरण

इटावा। इलाहाबाद विश्व विधालय छात्र संघ के 1958 मे रहे अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता स्व0 लाखन सिंह यादव की तस्वीर का डीवीए हाल में अध्यक्ष श्री चंद्रशेखर द्वारा अनावरण किया गया। श्री लाखन सिंह को याद करते हुए पुष्प अर्पित कर उन्हे भावभीनी श्रद्धांजली दी गई। वह राजनीति और वकालत में उच्च नैतिकता और ईमानदारी के पक्षधर, देश में चोटी के छात्र नेता रहे। इलाहाबाद में छात्रों व जनहित में 22 दिन की भूख हडताल कर देशभर में तहलका मचाकर सरकार को झुका दिया था। वे आजीवन शोषित पीडितो के हक के लिए तथा तानाशाही के खिलाफ लडते रहे। वे उच्च स्तर के राजनीतिज्ञ और विद्वान थे। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्तागण सर्वश्री बाबूसिंह सेंगर, कामरेड मुकुट सिंह, अनिल गौर, हंसकुमार सिंह चौहान, मनोज दीक्षित, ऋषि चतुर्वेदी, केके चौहान आदि ने पुष्प अर्पित किए।

जिम छोड़ने के बाद भी रहेंगे फिट अगर फॉलो करेंगे ये टिप्स

बॉडी को फिट रखना आसान नहीं है, लोग इसके लिए घंटों जिम में पसीना बहाते हैं। हमेशा जिम जाने के लिए समय मिले यह जरूरी नहीं, बिजनेस या जॉब में व्यस्त होने पर रूटीन छूट जाती है। इसके बाद मोटापा दोबारा आने लगता है। आपको भी इस तरह की परेशानी से जूझ रहे हैं तो अपनी डाइट का खास ख्याल रखना बहुत जरूरी है। 6 तरह के आहार रोजाना की डाइट में जरूर शामिल करें ताकि जिम में की गई मेहनत खराब न हो और बॉडी फिट रहे।

जिम छोड़ने के बाद क्यों बढ़ जाता है वजन?

जिम छोड़ने के बाद लोग अपनी डाइट पर ध्यान नहीं दे पाते। बैलेंस डाइट छोड़कर एक ही तरह का खाना खाने से शरीर में अतिरिक्त फैट जमा होने लगता है। धीरे–धीरे इससे पेट की चर्बी बढ़नी शुरू हो जाती है। एक्सरसाइज न करने और फिजिकल एक्टिविटी की तरफ ध्यान न देने से भी वजन बढ़ना शुरू हो जाता है। एक बार मोटापा आने पर इसे दोबारा कंट्रोल करना मुश्किल हो जाता है।

पालक

हरी सब्जियों में पालक का बेस्ट है। इसमें आयरन के साथ–साथ फाइबर भी बहुत अधिक मात्रा में होता है। जिसे हमारा शरीर आसानी से पचा लेता है और बार–बार भूख भी नहीं लगती। जिम छोड़ने के बाद डाइट में पालक जरूर शामिल करें।

सेब

जिम छोड़ने के बाद सेब का सेवन जारी रखें। इसमें मौजूद फाइबर, फ्लेनॉइड, बी–केरोटिन आदि जैसे जरूरी पोषक तत्व बॉडी को फिट रखने में मददगार हैं। इसके अलावा इसमें पेक्टिन भी होता है जो वजन कंट्रोल रखने के साथ–साथ मोटापा बढ़ने नहीं देता।

अंडा

शरीर में अतिरिक्त कैलोरी को बर्न करने के लिए प्रोटीन का सेवन करना बहुत जरूरी है। इससे बॉडी को एनर्जी भी मिलती है, जिम छोड़ने के बाद रोजाना 1 अंडा जरूर खाएं। इससे फिटनेस बरकरार रहेगी।

खीरा

बैली फैट को कंट्रोल रखने के लिए रोजाना खीरे का सेवन जरूर करें। यह विषैले पदार्थों को बॉडी से बाहर निकाल कर ब्लड सर्कुलेशन सही रखता है और इसमें मौजूद लो कैलोरी, फाइबर और विटामिन वजन बढ़ने से रोकते हैं।

एवोकाडो

जिम नहीं जा रहे तो रोजाना एवोकाडो का सेवन करनी शुरू कर दें। इसमें मौजूद फाइबर और लेसिथिन अमीनो एसिड बेली फैट को कंट्रोल करने का काम करते हैं। इसे खाने से जल्दी भूख भी नहीं लगती और यह ब्लड में इंसुलिन के स्तर को संतुलित करने में भी मददगार है।

हल्की–फुल्की एक्सरसाइज करें

लाइफस्टाइल व्यस्त होने की वजह से वर्कआउट नहीं कर पाते तो हल्की–फुल्की एक्सरसाइज जरूर करें। लिफ्ट का इस्तेमाल करने की बजाय सीढ़िया चढ़े, बच्चों के साथ खेले, सैर करें आदि। इस तरीके से फिजिकल एक्टिविटी बढ़ेगी जिससे कैलोरी बर्न करने में बहुत मदद मिलेगी।

एशिया में परचम लहराने के लिए भारतीय महिला हैण्डॉल टीम रवाना

- 17वीं एशियन महिला हैण्डबॉल चौंपियनशिप में करेगी प्रतिभाग
- मंजुला पाठक टीम की कप्तान, नीना शील उपकप्तान
- हैण्डबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया की चेयरमैन श्रीमती अलका दास ने अच्छे प्रदर्शन के लिए दी शुभकामनाएं

लखनऊ। कैंप में कड़ा अभ्यास और कोच द्वारा तकनीक सुधारने पर की गई मेहनत के चलते मजबूत हौसलों के साथ भारत की महिला हैण्डबॉल टीम कुमामोटो (जापान) में होने वाली 17वीं एशियन महिला हैण्डबॉल चौंपियनशिप में भाग लेने के लिए मंगलवार को रवाना हो गई। इस चौंपियनशिप में भारतीय टीम की कमान मंजुला पाठक को सौंपी गयी है जबकि नीना शील उपकप्तान बनाई गई है।इस टीम का विदाई समारोह बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में आयोजित किया गया। इस अवसर पर हैण्डबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया की चेयरमैन श्रीमती अलका दास ने खिलाड़ियों को अच्छे प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि आज महिलाएं खेल में परचम लहरा रही है और मुझे विश्वास है कि आप भी जापान में देश का परचम लहराकर आएंगी। श्रीमती अलका दास ने बताया कि जापान में आगामी 29 नवम्बर से दस दिसम्बर तक होने वाली इस चौंपियनशिप के लिए भारतीय महिला टीम का प्रशिक्षण शिविर 29 अक्टूबर से 27 नवम्बर तक अयोध्या में लगाया गया था। उन्होंने बताया कि ट्रैप्टापलैक्स पर हुए इस शिविर में कड़े अभ्यास के बाद प्रशिक्षकों ने खिलाड़ियों को कड़ा अभ्यास कराया। इसमें खासकर खेल की तकनीक, इंडयोरेंस, स्टेमिना व गति में सुधार के लिए विशेष मेहनत की गई। इसके चलते मुझे उम्मीद है कि टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी और देश का नाम ऊंचा करेंगी। भारतीय टीम की घोषणा 23 नवम्बर को फैजाबाद में की गई थी तथा टीम की रवानगी के लिए बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में एक समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर हैण्डबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया की चेयरमैन श्रीमती अलका दास और समारोह में मौजूद प्रदीप राय (कोआर्डिनेटर, यूपी हैण्डबॉल एसोसिएशन) व जितेंद्र सिंह बब्लू (उपाध्यक्ष यूपी हैंडबॉल एसोसिएशन) ने टीम में शामिल खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन की कामना की। 16 सदस्यीय भारतीय टीम की कप्तान रेलवे की मंजुला पाठक बनाई गई है जबकि उपकप्तान पश्चिम बंगाल की नीना शील बनाई गइ है। टीम के मुख्य कोच तेजराज सिंह बनाए गए है। इस अवसर पर भारतीय टीम के मुख्य कोच तेजराज सिंह ने उम्मीद जताई कि यह टीम जापान में में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी।

सट्टे की खाई बाड़ी करते 03 आरोपी गिरफतार

इटावा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेशुसार शहर में सटोरियो व जुआरियों के खिलाफ पुलिस टीम द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। अतः अभियान के चलते कोतवाली पुलिस टीम द्वारा तीन सटोरियों को थाना क्षेत्र के मडैया ख्वालीराम इलाके से पकड़कर गिरफतार कर लिया गया है। जुआ तथा सट्टे जैसे पर अंकुश लगाने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार त्रिपाठी के आदेश पर व एसपी सिटी रामयश के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी के नेतृत्व में अभियान चलाया जा रहा है। अतः अभियान के चलते कोलवाली थाना प्रभारी राकेश भारती व उनके हमराही एसआई नितेन्द्र कुमार वशिष्ठ, एसआई नीरज कुमार शर्मा, कांस्टेवल विक्रम, कांस्टेबल गवेन्द्र के साथ गश्त पर थे। उसी दौरान कोतवाली पुलिस टीम ने क्षेत्र के अर्न्तगत ख्वालीराम की मढैया में सार्वजनिक स्थान पर खुलेआम तीन व्यक्तियों को सट्टे की खाई बाड़ी करते देखा। कोतवाली थाना पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर तीनों सटोरियों को दबोच लिया गया। पुलिस ने सटोरियों के कब्जे से सट्टा पर्ची, पैन व 4080 रुपये बरामद कर आरोपियों को गिरफतार कर लिया। पूछताछ पर अभियुक्तों ने अपना नाम प्रेम किशोर पुत्र रामस्वरुप, गौरव पुत्र रामकिशोर निवासी मडैया ख्वालीराम थाना कोतवाली इटावा व चंदन पुत्र सुरेश निवासी बाबरपुर थाना अजीतमल जिला औरेया बताया।

लोक मंगल दिवस में महापौर लोगों की समस्याएं सुनीं

लखनऊ। लोक मंगल दिवस में मंगलवार को लोगों ने आशियाना व एलडीए कालोनी में साफ सफाई न होने की मेयर से शिकायत की। महापौर संयुक्ता भाटिया ने लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को नियमित सफाई कराने का निर्देश दिया। हालांकि इससे पहले भी लोग कई बार आशियाना व एलडीए कालोनी में साफ सफाई न होने की शिकायत दर्ज करा चुके हैं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को यहां नियमित सफाई कराने का निर्देश दिया है। लोक मंगल दिवस मंगलवार को जोन सात व आठ में आयोजित किया गया। जोन सात इंदिरानगर जोनल कार्यालय में महापौर ने नगर आयुक्त के साथ जनता की समस्याएं सुनीं। उन्होंने लोगों की समस्याओं को तत्काल निस्तारित करने का आदेश दिया। जोन सात में कुल 10 लोगों ने अपनी शिकायतें दर्ज करवाईं। इंदिरा नगर निवासी रामकुमार ने महापौर को बताया की क्षेत्र में सब्जी मंडी की वजह से काफी अतिक्रमण है। इससे लोगों को बहुत दिक्कतें होती हैं। महापौर ने नगर आयुक्त को उचित कार्रवाई करने का आदेश दिया। जोन आठ का लोक मंगल दिवस बिजनौर रोड के नगर निगम कार्यालय में हुआ। यहां आशियाना निवासी सागर श्रीवास्तव ने महापौर को बताया कि क्षेत्र में बिल्कुल साफ सफाई नहीं होती है। कर्मचारी आते ही नहीं हैं। कई अन्य लोगों ने बताया कि क्षेत्र के ज्यादातर वार्डों में निजी कंपनी के कर्मचारी लगाए गए हैं।

डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ ने अपर मुख्य सचिव के सामने रखी समस्याए

मुख्य सचिव से वार्ता के बाद निस्तारण का आश्वासन

लखनऊ। उ.प्र. डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के प्रतिनिधि मण्डल ने आज अपर मुख्य सचिव कार्मिक मुकुल सिंघल के समस्त प्रदेश के चौबीस हजार इंजीनियर्स की लम्बित समस्याओं से अवगत कराते हुए उनके निस्तारण की मांग रखी। डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ ने अवर अभियंताओं को तकनीकी भत्ते को मूल वेतन से जोड़ने और वाहन अनुरक्षण भत्ते के तहत तीस लीटर पेट्रोल की मांग सहित अन्य कई अन्य मांगों से उन्हें अवगत कराते हुए इनके निस्तारण की मांग रखी। अपर मुख्य सचिव कार्मिक ने कहा कि उनकी समस्याओं पर मुख्य सचिव से चर्चा के उपरान्त समस्याओं का निराकरण ककिया जाएगा। उ.प्र. डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के प्रतिनिधि मण्डल में विभिन्न विभागों के जूनियर इंजीनियर्स की लम्बित मांगों के सम्बन्ध में अपर मुख्य सचिव (कार्मिक) श्री मुकुल सिंघल जी के साथ वार्ता हुई। प्रतिनिधि मण्डल में उ.प्र. डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के अध्यक्ष इं0 राकेश त्यागी, महासचिव इं0 जी0एन0 सिंह, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद एवं डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ लोक निर्माण विभाग के अध्यक्ष इं. हरि किशोर तिवारी, महासंघ के पूर्व महासचिव व सिविल डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ सिंचाई विभाग के अध्यक्ष इं. सुधीर पंवार व डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ लघु सिंचाई के अध्यक्ष इं.सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव मौजूद रहे। शासन व विभिन्न विभागों की ओर से सम्बन्धित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। जू.इ. को मिल रहे रू. 400 तकनीकी भत्ते को मूल वेतन में जोड़ने के लिए तथा वाहन अनुरक्षण भत्ते के रूप में 30 लिटर पेट्रोल प्रतिमाह दिये जाने के विषय पर मुख्य सचिव से वार्ता कर निर्णय करने की बात कही गई है। जू.इ. की प्रोन्नति के लिए सेपरेट गैलरी बनाने हेतु लोक निर्माण विभाग एवं सिंचाई विभाग के प्रमुख सचिवों से विचार लेने की बात पर सहमति बनी। इसी प्रकार तीन वर्षीय डिप्लोमा को स्नातक के समकक्ष मानने की मांग पर सचिव प्राविधिक शिक्षा से वार्ता कर उचित निर्णय लेने की बात कही गई। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग में संगणक के पद को जूनियर इंजीनियर पदनाम दिये जाने की भी सहमति बनी। जू0इ0 को जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न गैर तकनीकी कार्यों में न लगाये जाने की महासंघ की बात पर कहा गया कि पुराने आदेश में संशोधन कर अपरिहार्य स्थितियों में ही गैर विभागीय ड्यूटी लगाये जाने का आदेश करने की बात कही गई। कैशलेश व्यवस्था लागू करने की बात पर बताया गया कि विभागों की मॉनीटरिंग सूचारू रूप से हो इस पर कार्य चल रहा है। विभिन्न जिलों में अपराधी प्रवृत्ति के ठेकेदारों से जे.इ. को मुश्किल हालातों में काम कराना पड़ता है तथा रात में भी अकेले दूर साईटों पर जाना पड़ता है, अतः जूई. को बिना ज्यादा औपचारिकताओं के शस्त्र लाईसेंस देने की मांग पर भी अपर मुख्य सचिव द्वारा सिद्धान्त रूप में सहमति दर्षायी गई तथा गृह विभाग से बात कर व्यवस्था को लागू कराने की बात कही गई, वार्ता सकारात्मक रही।

दिल्ली में शुरू हुई भारत की शूटिंग, सेट से सामने आई सलमान की वीडियो

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान स्टारर फिल्म भारत की शूटिंग इन दिनों दिल्ली में हो रही है। हाल ही में अब भारत के सेट से सलमान की एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। इस वीडियो को फिल्म के प्रोड्यूसर और सलमान के बहनोई अतुल अग्निहोत्री ने ट्वीटर अकाउंट पर शेयर किया है। इस वीडियो में सलमान सेट पर पहुंचते हुए और उनका काफिले शूटिंग के लिए निकलते हुए दिखाया गया है। फिल्म की शूटिंग पूरे जोरों–शोरों से हो रही है। इस फिल्म की शूटिंग का एक शिड्यूल पंजाब में पूरा किया गया था। फिल्म की बात करें तो सलमान की ये फिल्म कुरियन फिल्म एन ऑड टू माई फादर की हिंदी रीमेक है। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर कर रहे हैं। फिल्म में सलमान के साथ कैटरीना कैफ अहम किरदार में नजर आएंगी। वहीं फिल्म में उनकी बहन के किरदार में तब्बू दिखने वाली हैं। इसके अलावा फिल्म में दिशा पाटनी, सुनील ग्रोवर भी अहम किरदारों में है। इस फिल्म को साल 2019 की ईद के मौके पर रिलीज होगी।

सोनाक्षी सिन्हा पर लगा धोखाधड़ी का आरोप, लाखों खर्च कराने पर भी नहीं पहुंची शो में

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा के खिलाफ इंडियन फैशन एंड ब्यूटी अवार्ड कंपनी ने सोनाक्षी और उनकी मैनेजर समेत अन्य पांच पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। इतना ही नहीं सोनाक्षी पर धमकाने का आरोप भी लगाया जा रहा है। खबरों के मुताबिक सोनाक्षी और उनसे जुड़ी दो इवेंट कंपनियों पर 37 लाख रुपये की धोखाधड़ी की शिकायत एसएसपी से की गई है। आरोप है कि सोनाक्षी 28 लाख रुपये लेने के बाद भी दिल्ली में आयोजित एक फैशन कार्यक्रम में नहीं आईं। इसके अलावा करीब नौ लाख रुपये इवेंट कंपनियों ने कमीशन और टिकट आदि पर खर्च कराए।

सूत्रों की मानें तो दिल्ली के सीरीफोर्ट ऑडिटोरियम में फैशन शो कराने का कांटेक्ट लिए थी, जिसके लिए जून में ही सोनाक्षी से डेट लेकर बुकिंग कर ली गई थी। वहीं प्रमोद की कंपनी ने सोनाक्षी की कंपनी के मैनेजर अभिषेक सिन्हा की बात मानकर 24 लाख की रकम जीएसटी लगाकर किस्तों में स्वाति सिन्हा और सोनाक्षी सिन्हा के खाते डाली थी। कहा जा रहा है कि प्रमोद के पैसे वापस मांगने पर सोनाक्षी की टीम द्वारा जान से मारने की ध मकी दी गई है। कंपनी के डायरेक्टर ने सभी दस्तावेज पेश कर एसएसपी से अभिनेत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है 30 सितंबर को होने वाले शो के लिए सात एयर टिकट सुबह 10 बजे की फ्लाइट के बुक कराए गए थे। सोनाक्षी के मैनेजर के रहने पर 64 हजार रुपये में नए सिरे से दो टिकट कराए गए लेकिन सबकुछ तय होने के बावजूद सोनाक्षी सिन्हा कार्यक्रम में प्रस्तुति देने नहीं आई। इससे कार्यक्रम में मौजूद भीड़ ने हंगामा कर दिया। नाराज लोगों ने तोड़फोड़ भी। इससे उनकी कंपनी की साख गिरी और काफी नुकसान भी उठाना पड़ा।

क्या लिव–इन में रहेंगे अर्जुन–मलाइका ? मुंबई में खरीदा नया आशियाना

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर इन दिनों मलाइका अरोड़ा के साथ अफेयर को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। आए दिन दोनों परिवार के साथ डिनर पर डेट और पार्टी करते हुए नजर आते हैं। हाल ही में अब खबरें सामने आ रही हैं कि अर्जुन और मलाइका ने एक प्रॉपर्टी भी खरीदी है। खबरों के मुताबिक दोनों ने पॉश लोकेशन में एक घर खरीदा है। अर्जुन और मलाइका ने लोखंडवाला के करीब एक प्लश सोसाइटी में एक फ्लैट खरीदा है। अब ये दोनों साथ में

रहते हैं या नहीं फिलहाल इसके बारे में कुछ कह पाना मुश्किल है, लेकिन इस वक्त ये दोनों इस फ्लैट के इंटीरियर पर काम कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अर्जुन फिल्म इंडियाज मोस्टवांटेड की शूटिंग पूरी करने के बाद एक्टर आशुतोष की पानीपत में लीड रोल निभाते हुए नजर आएंगे। वहीं मलाइका इन दिनों इंडियाज गॉट टैलेंट में जज की भूमिका निभा रही हैं।

पार्टी में नई दुल्हन दीपिका के लुक को लेकर लोगों ने किए भद्दे कमेंट, बोले–सिर पर फूलों का...

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह की बहन ऋतिका भवनानी ने हाल ही में मुंबई के होटल हयात में एक पार्टी का आयोजन किया था। इस रिसेप्शन में दोनों पक्षों के बेहद खास मेहमान शामिल हुए। पार्टी से रणवीर का लुक काफी वायरल हो रहा था। वहीं अब दीपिका अपने लुक को लेकर ट्रोल हो गई है। दरअसल, पार्टी में दीपिका ने सब्यसाची का डिजाइन किया हुआ लहंगा पहना। वहीं रणवीर मनीष अरोड़ा के कपड़ों में नजर आए। रणवीर पहले ही अपने ड्रेसिंग सेंस की वजह से ट्रोल होते रहते हैं इस पार्टी में भी कुछ ऐसा ही हुआ। बता दें रणवीर ने मौके पर कलरफुल जैकेट पहना था। अपने डिसेंट स्टाइल के लिए मशहूर दीपिका ने इस पार्टी में फूलों से सजे और रंग–बिरंगे कपड़े पहने। दीपिका के फैंस को शायद उनसे इस तरह की उम्मीद नहीं थी। रविवार देर शाम जब सब्यसाची ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से दीपिका की फोटोज शेयर की। उन्हें ड्रेस की वजह से ट्रोल किया जाने लगा। किसी ने दीपिका को भूत कहा तो किसी ने अब तक की सबसे खराब दुल्हन तक कह दिया। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा– मुझे यकीन नहीं हो रहा दीपिका ने इस ड्रेस के लिए पैसे दिए... मैं तो फ्री में भी कभी नहीं पहनूंगी। एक यूजर ने लिखा– मुझे नहीं पता था सब्यसाची हैलोविन ड्रेसेस भी डिजाइन करता है। एक यूजर ने लिखा– दीपिका तुम बहुत डरावनी लग रही हो। एक यूजर ने लिखा– फैंसी ड्रेस कॉम्पटीशन में जाने की तैयारी में हो क्या। इतना ही नहीं यूजर्स दीपिका के हेयर स्टाइल का भी मजाक बना रहे हैं। दीपिका ने गुलाबों से ताजनुमा स्टाइल बनाया है लेकिन ये देखने में कुछ खास नहीं लग रहा है। वहीं दूसरे ने कहा कि सिर पर गुलाबों का गमला रखा है। ऐसे ही कई यूजर्स उन्होंने खराब लुक बोल रहे है।

पेट के निचले हिस्से की चर्बी को कम करेंगी ये 3 एक्सरसाइज

लोअर बेली फैट यानी पेट के निचले हिस्से का मोटापा शरीर का आकार बिगाड़ देता है। हाई कैलोरी फूड्स, खराब लाइफस्टाइल, जरूरत से ज्यादा मीठा, तनाव, अवसाद और चिंता लोअर फैट को बढ़ाने का कारण बनती हैं। वहीं प्रेग्नेंसी के बाद कुछ महिलाओं के पेट के नीचे चर्बी जमा हो जाती है। इस तरह के फैट को कम करना बहुत ही मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आज हम आपको कुछ खास एक्सरसाइज के बारे में बताएंगे, जिससे कुछ ही समय में लोअर बेली फैट कम हो जाएगा।

लोअर फैट के लिए एक्सरसाइज

इस एक्सरसाइज को करने के लिए सीधा लेट जाए और फिर पैरों के घुटनों को मोड़ें। इसके बाद हाथों के घुटने मोड़ते हुए थोड़ा–सा ऊपर की ओर उठे। रोजाना 45 सेकेंड यह एक्सरसाइज करने से

प्लैंक एक्सरसाइज से पेट की चर्बी ही कम नहीं होती बल्कि इससे पेट की मसलस भी मजबूत होती हैं। रोजाना कम से कम 45 सेकेंड प्लैंक एक्सरसाइज करें। इससे लोअर बेली फैट कुछ महीनों में ही कम हो जाएगा। इस व्यायाम को आप कहीं भी कर सकते हैं। इसमें पैरों के पंजों और कोहनी पर शरीर का भार रखें और फिर कुछ देर इस स्थिति में रहने के बाद सामान्य हो जाए।

लोअर बेली फैट को कम करना चाहते हैं तो रोजाना कम से कम 45 मिनट साइड प्लैंक भी जरूर करें। साइड प्लैंक करने के लिए करवट की मुद्रा में लेट जाएं और फिर अपने एक हाथ व कोहनी पर शरीर का पूरा वजन डालें। इसके बाद शरीर को हवा में उठाएं और दूसरे हाथ को कमर पर रखें। अब दूसरी तरफ करवट लेकर यही प्रक्रिया दोहराएं। इस बात का ध्यान रखें कि आपके पैर व कमर सीधे ही रहें।

एक्सरसाइज ही नहीं, डाइट पर भी दें ध्यान

लोअर फैट कम करने के लिए एक्सरसाइज के साथ–साथ डाइट पर ध्यान देना भी जरूरी है क्योंकि पेट के फैट को कम करना 80 प्रतिशत सही खाने पर निर्भर करता है। एक्सरसाइज के साथ डाइट में माइक्रो न्यूट्रीएंट्स, स्वस्थ और संतुलित आहार लें। साथ ही जंक फूड, चीनी और मसालेदार भोजन से भी परहेज करें।

वजन कम करने के लिए खाएं ये आहार

वजन कम करना चाहती हैं तो अपनी डाइट में लहसुन, प्याज, अदरक, लाल मिर्च, गोभी, टमाटर, दालचीनी और सरसो आदि शामिल करें। इनमें वसा कम होती है, जिससे लोअर फैट कम करने में मदद मिलती है। साथ ही, सुबह गर्म पानी को नींबू के रस और शहद के साथ लेने से भी वजन कम होता है।

भरपूर पिएं पानी

फैट कम करने में भरपूर मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। पानी पीने से शरीर भी स्वस्थ रहता है क्योंकि इससे विषाक्त पदार्थ शरीर से बाहर निकल जाते हैं। ऐसे में हर रोज कम से 8–10 गिलास पानी जरूर पिएं।

जरूरी है बोझ घटाना

बचपन और बोझ, ये दोनों शब्द एक–दूसरे के साथ अजीब ही नहीं गैर–जरूरी भी लगते हैं। लेकिन भारत में अनगिनत अपेक्षाओं और महत्वाकांक्षाओं के बोझ तले दबे बच्चे हर दिन बस्ते का भारी बोझ भी ढो रहे हैं। शिक्षा व्यवस्था का बेहद निराशाजनक पहलू है कि सहजता से सीखने–समझने और शिक्षा पाने के मासूमियत वाले पड़ाव में बच्चे किताबों का वजन ढो रहे हैं। इससे भी दुखद यह कि बच्चों की पीठ पर लदे बस्ते के वजन को कम करने के लिए कई बार दिशानिर्देश जारी किए गए पर हालात जस के तस हैं। अब मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को सकरुलर जारी कर दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के स्कूली बस्ते का बोझ भी कम करने के दिशानिर्देश दिए हैं। पहली और दूसरी कक्षा के विद्यार्थियों को होमवर्क से मुक्त करने के निर्देश हैं। कहा गया है कि स्कूलों में विभिन्न विषयों की पढ़ाई और स्कूली बस्ते के वजन को लेकर नियम बनाए जाएं। पहली से दूसरी कक्षा के छात्रों के बैग का वजन अधिकतम डेढ़ किग्रा., तीसरी से 5वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के बस्ते का वजन दो–तीन किग्रा., छठी से 7वीं के विद्यार्थियों के बस्ते का वजन चार किग्रा., 8वीं और 9वीं के छात्रों के स्कूल बैग का वजन साढ़े चार किग्रा. और 10वीं के छात्र के बस्ते का वजन पांच किग्रा. से ज्यादा नहीं होना चाहिए। पहली और दूसरी कक्षा के छात्रों को सिर्फ गणित और भाषा ही पढ़ाने को कहा गया है। तीसरी से पांचवीं के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा मान्यताप्राप्त गणित, भाषा और सामान्य विज्ञान जैसे विषय ही पढ़ाने का निर्देश दिया गया है। दरअसल, पहली बार नहीं है कि जब बस्ते के बोझ तले दबते बचपन की परेशानियों को लेकर सोचा गया है। कई बार ऐसे दिशानिर्देश जारी किए जा चुके हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से बस्ता हल्का करने की कोशिशों का असर ना के बराबर रहा। केंद्रीय केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) भी इस संबंध में लंबे समय से चिंतित है। बस्ते में से पाठयपुस्तकों को कम करने के सुझाव कई बार जारी कर चुका है। कह चुका है कि बस्ते के भारी वजन की वजह से बच्चे के समग्र विकास पर प्रभाव पड़ता है। वे माइल्ड मस्कुलर पेन के मरीज बन रहे हैं। सीबीएसई एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय को सौंपी गई एक रिपोर्ट के अनुसार बस्ते के बोझ की वजह से 10 से 12 साल के बच्चे ज्यादा बीमार हो रहे हैं। इसीलिए सीबीएसई ने स्कूलों को हिदायत दी थी कि इस समस्या के निदान के लिए संचार प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को बढ़ावा दें और टाइम टेबल को इस तरह से तैयार करें कि बच्चों को रोजाना सभी किताबें स्कूल लाने की जरूरत ही न रह जाए। लेकिन देखने में आ रहा है कि बच्चों के बैग का वजन अब भी विशेषज्ञों द्वारा नियत भार से ज्यादा ही है। गौरतलब है कि 1990 में यशपाल समीति ने भी स्कूली बच्चों के पाठयक्रम में बोझ की कमी सिफारिश की थी। महाराष्ट्र में कुछ समय पहले मानवाधिकार आयोग भी इस मामले में दखल दे चुका है। आयोग के मुताबिक निचली कक्षाओं का बस्ता पौने दो किलो और ऊंची कक्षाओं का बस्ता साढ़े तीन किलो से भारी नहीं होना चाहिए। सोशल डवलपमेंट फाउंडेशन के तहत करवाए गए ऐसोचैम के एक सर्वेक्षण के अनुसार भारत में पांच से बारह वर्ष के आयु वर्ग के 82 फीसदी बच्चे अत्यधिक भारी स्कूल बैग ढोते हैं। चिंतनीय है कि बस्ते का बोझ बच्चों में पढ़ाई के प्रति वितृष्णा का भाव तो ला ही रहा है, बीमारियां भी नई पीढ़ी को गिरफ्त में ले रही हैं। गांवों से लेकर शहरों तक बच्चों का एक बड़ा प्रतिशत इस बोझ के चलते मानसिक तनाव और शारीरिक व्याधियों का शिकार बन रहा है। दूरदराज के गांवों–कस्बों की परिस्थितियां तो भयभीत करने वाली हैं, जहां बच्चे बस्ता पीठ पर लादे कोसों पैदल चलकर स्कूल पहुंचते हैं। अंक तालिका में अव्वल जगह बनाने की दौड़ बनी हमारी शिक्षा व्यवस्था में सरकार, शिक्षक और अभिभावक बच्चों की समस्याओं लेकर उतनी गंभीरता से सोच ही नहीं पाए, जितना भावी नागरिकों के लिए सोचना जरूरी था। यही वजह है कि दिशानिर्देशों के बावजूद ठोस फैसला नहीं किया जा सका है। शिक्षा पणाली को लेकर अनगिनत प्रयोग तो हुए पर बच्चों की पीठ पर लदे किताबी वजन को लेकर कोई सार्थक निर्णय नहीं लिया गया। नतीजा यह कि स्कूली बच्चे बस्तों का बोझ अपने कांधों पर लादकर चल रहे हैं।

राम नाम की सवारी आसान, पर उतराई कठिन

अयोध्या एक बार फिर अपना इतिहास दोहरा रही है। एक बार फिर 90 के दशक और 1992 की यादें ताजा कर दी गई हैं। जब–जब अयोध्या में बाहर के लोग आते हैं। तब–तब अयोध्या और फैजाबाद में रहने वाले लोग अटकलों और आशंकाओं से बेचैन हो जाते हैं। हालांकि इस बार जब शिवसेना से उद्धव ठाकरे और विश्व हिन्दू परिषद दोनों आमने–सामने थे तब अटकल और आशंकाओं को कोई जगह नहीं मिल पाई। लेकिन राम मंदिर निर्माण का सवाल एक बार फिर सुर्खियों में आ गया। राम मंदिर आस्था का विषय नहीं है। राम मंदिर भारतीय संस्कृति की पहचान नहीं है। यह राजनीतिक दलों के नुमाइंदे साफ तौर पर समझते और समझाते हैं। हालांकि देश की जनता के लिए ऐसा नहीं है। पर राजनेताओं और राजनीतिक दलों के लिए राम मंदिर सियासी एजेंडा है। हालांकि शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे अयोध्या कभी नहीं आए। फिर भी शिवसैनिकों से विवादित ढांचा ढहाए जाने का श्रेय लूटा। ठाकरे परिवार का पहला कोई नुमांइदा अयोध्या उतरा। वह भी इस तैयारी के साथ कि –हर हिन्दू की यही पुकार, पहले मंदिर फिर सरकार।श्श इस तरह के होर्डिंग और पोस्टरों से अयोध्या पटी पड़ी थी। उद्धव ठाकरे ने कहा कि वे कुंभकर्ण को सोने से जगाने आये हैं। पहले कुंभकर्ण छह माह सोते, छह माह जागते थे। अब तो साढ़े चार साल से सोये हैं। सीना चौड़ा होने से काम नहीं चलता। सीने में मर्द का दिल और हिम्मत होनी चाहिए। मंदिर निर्माण के लिए अध्यादेश लेकर आना चाहिए। शिवसेना उसका समर्थन करेगी। यह जमीन नहीं जमीर का मुददा है। उद्धव का यह रुख तब है जब भाजपा ने उसे महाराष्ट्र में शबिग ब्रदरश के ओहदे से बेदखल कर दिया है। केन्द्र और महाराष्ट्र दोनों सरकार में वह भाजपा के साथ हैं पर हैसियत कोई नहीं। यही नहीं जब शिवसेना पर माइनस हिन्दुत्व के पॉलिटिक्स की तोहमत लगने लगी। महाराष्ट्र के कोंकण की 65 सीटें हिन्दुत्व के चेहरे के बिना नहीं जीती जा सकती।

गैर मराठी हिन्दुओं और मराठी हिन्दुओं में भी मोदी हिन्दुत्व का बड़ा चेहरा हो गये। बाला साहब ठाकरे के जाने के बाद हिन्दुत्व के किसी मूवमेंट्स से शिवसेना का कोई रिश्ता नहीं रहा। मंदिर आंदोलन को हथियाने और इस मुद्दे पर नरेन्द्र मोदी को कठघरे में खड़ा करने के सिवाय शिवसेना के पास भाजपा से निपटने का कोई औजार नहीं बचा था।

शिवसेना यह समझ चुकी है कि अपने साढ़े चार साल के कार्यकाल में मोदी ने देश–दुनिया का भ्रमण किया पर अयोध्या नहीं आये। उनके किसी एजेंडे में भी अयोध्या नहीं रही। हालांकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गोरखपुर और बनारस के बाद सबसे ज्यादा यात्राएं अयोध्या की हैं।उन्होंने अयोध्या में दीपोत्सव भी शुरू किया। इस पर्व को गिनीज बुक ऑफ रिकार्डस में जगह मिली। अयोध्या के विकास के लिए भी उन्होंने बहुत काम किया। फैजाबाद का नाम बदलकर अयोध्या कर दिया। जब उद्धव ठाकरे परिवार के साथ अयोध्या दर्शन–पूजन में जुटे थे उसी बीच योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में भगवान श्रीराम की 221 मीटर ऊंची प्रतिमा लगाने का एलान कर दिया। 50 मीटर इसका पैडस्टल और 20 मीटर ऊंचा छत्र होगा। पैडस्टल में अत्याधुनिक म्यूजिम के साथ अयोध्या का इतिहास, इक्ष्वाकु वंश के इतिहास में राजा मनु से लेकर श्रीराम जन्मभूमि का इतिहास होगा। यही नहीं, उद्धव ठाकरे के अभियान को पलीता लगाने के लिए विहिप की ओर से भी धर्मसभा का आयोजन अयोध्या, नागपुर, टाटा नगर, और बेंगलुरू में किया गया था। लेकिन अयोध्या और नागपुर को छोड़ किसी का जिक्र नहीं हुआ। हालांकि अयोध्या में रामभद्राचार्य ने यह एलान किया कि 11 दिसम्बर के बाद सरकार राम मंदिर बनाने की दिशा में बड़ा एलान करेगी। तब तक आचार संहिता लागू है। गौरतलब है कि जब शिवसेना और भाजपा के एजेंडा में राम मंदिर आया है तब पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव भी चल रहे हैं। शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती ने वाराणसी में धर्म संसद का उसी समय आयोजन कर दिया। 90 के दशक में देश की राजनीति की धारा में बदल देने वाली अयोध्या हिन्दुत्व के सियासी क्षितिज पर आ गई। यह दिखने लगा कि अयोध्या की चौखट से सत्ता की राह एक फिर निकलने वाली है। इसी एहसास का नतीजा यह रहा कि एकबारगी यह लगने लगा कि मंदिर निर्माण का मुददा मीडिया ने गोद ले लिया है। मीडिया के हिन्दूकरण के दृश्य दिखे। अयोध्या से यह स्वर तो उभरा कि केन्द्र सरकार को दोबारा सत्ता में आने के लिए मंदिर निर्माण की दिशा में सार्थक कदम उठाने होंगे। क्योंकि अयोध्या में जो कुछ हुआ वह मोदी को संकट में डालने वाला है। विहिप और संघ ने जो कुछ किया उससे भी यही संदेश गया। क्योंकि मंदिर निर्माण उनका स्वर था।

संघ प्रमुख मोहन भागवत भी कह रहे हैं कि मोदी सरकार को मंदिर निर्माण के लिए कदम उठाना चाहिए, पर क्या कदम उठाना चाहिए यह नहीं बता रहे हैं। सत्ता में आने के बाद भाजपा ने संस्कृति से जुड़े मुद्दे संघ को दे दिये। बाकी मुद्दे सरकार और संगठन के पास हैं। रामदेव भी अध्यादेश की वकालत कर रहे हैं। श्री श्री रविशंकर अदालत के बाहर मुद्दा सुलझाने में लगे हुए हैं। तारीख पर तारीख, हर स्वर में मंदिर निर्माण का उद्घोष, हर ओर मंदिर के नायक बनने और दूसरे को खलनायक बनाने की तेज कवायद यह बता रही है कि धर्म की सियासत एक ऐसी पीढ़ी सामने लाकर खड़ी की जा रही है जो संचार और टेक्नोलॉजी में माहिर हैं।

मीडिया के देखते ही एक्साइटिड हुए तैमूर, क्यूट एक्सप्रेशन देते की तस्वीरें आई सामने

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान और सैफ अली खान के बेटे तैमूर की पॉपुलेकरिटी किसी स्टार्स से कम नहीं है। आए दिन तैमूर की तस्वीरें सोशल साइट पर वायरल होती रहती हैं। उनकी क्यूटनेस, उनकी हंसी, उनका रोना, मीडिया पर्सन को हाय कहते हुए रिएक्शन देना यह सब कुछ सोशल मीडिया पर उनके फैन्स काफी पसंद करते हैं। हाल ही में तैमूर की कुछ तस्वीरें सामने आईं हैं। इन तस्वीरों में तैमूर ब्लू कलर की टी–शर्ट और ब्लैक पैंट पहने बेहद क्यूट लग रहे हैं। जैसे ही तैमूर ने मीडिया को देखा वह कैमरे के सामने क्यूट एक्सप्रेशन देने लगे। फैंस उनकी तस्वीरों को काफी पसंद करते हैं। यह इनकी तस्वीरों का जादू ही है कि सोशल मीडिया पर इतना क्रेज सुपरस्टर्स के लिए भी नजर नहीं आता है। ऐसा कहा जाए कि लोग रोज तैमूर की नई तस्वीरों का इंतजार करते हैं तो शायद गलत नहीं होगा। बता दें कि हाल ही में मार्केट में तैमूर सॉफ्ट टॉय भी आया है। कंपनियां मार्केट में तैमूर गुड्डा उतारने लगी हैं। तैमूर गुड्डे की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

शादी से पहले ईशा अंबानी ने करवाया ग्लैमरस फोटोशूट, रॉयल लुक आया सामने

देश के सबसे आमिर आदमी मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी 12 दिसंबर को आनंद पीरामल के साथ शादी के बंधन में बंध जाएगी। ईशी की शादी की रस्में शुरू हो गई हैं। शादी से पहले घर में गृह शांति पूजा रखी गई। इस पूजा में ईशा अंबानी ने सब्यसाची मुखर्जी का डिजाइन किया हुआ खूबसूरत लहंगा कैरी किया। लहंगे में ईशा किसी रॉयल प्रिंसेस के कम नहीं लग रही थीं।

ईशा अंबानी की गृह शांति पूजा की फोटो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं। खुद सब्यसाची ने इंस्टाग्राम पर

ईशा की तस्वीरें शेयर कर बताया कि ईशा की यह तस्वीरें पूजा की हैं। सब्यसाची के गोटा–पट्टी लहंगे में हैंड एंब्रोयडरी तिल्ला वर्क का काम किया गया है जो कि ईशा की खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। इस बीच ईशा अंबानी अपने बंगले को लेकर भी काफी चर्चा में बनी हुई है। खबरों के अनुसार ईशा शादी के बाद 452 करोड़ रुपए के आलीशान बंगले में रहेंगी, जो मुंबई के वर्ली इलाके में है। खास बात यह है कि यह बंगला ईशा को सास–ससुर की तरफ से शादी के तोहफे के तौर पर दिया जाएगा।

रेड ड्रेस पहन हॉट टैटू फ्लॉन्ट करती दिखीं सपना चौधरी

हरियाणा की फेमस डांसर सपना चौधरी इन दिनों अपनी लेटेस्ट तस्वीरों को लेकर सुर्खियों में है। दरअसल, हाल ही में सपना ने अपने इंस्टा पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है। इनमें वह बेहद ही ग्लैमरस लग रही है। इस दौरान सपना ने रेड कलर का गाउन पहना हुआ है, जिसमें वह अपना हॉट टैटू फ्लॉन्ट करती दिख रही है। सपना की ये तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही है।

बता दें कि सपना चौधरी इससे पहले भी अपनी कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर चुकी हैं, जिन्होंने इंटरनेट पर जमकर हंगामा मचाया। उनकी तस्वीरें और वीडियो काफी वायरल होते रहते हैं।

सपना चौधरी इतनी खूबसूरत और हॉट हैं कि उनकी एक झलक पाने के लिए हंगामा मच जाता है। हाल ही में एक कार्यक्रम में यह हंगामा देखने को मिला। उन्हें देखने के लिए भीड़ इस कदर बेकाबू हो गई कि कार्यक्रम में भगदड़ मच गई।

शादी से पहले प्रियंका ने रखी पूजा, विदेशी ससुराल वाले दिखे देसी अंदाज में

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस की शादी की तैयारियां शुरू हो गई है। प्रियंका की रस्मों से पहले प्रियंका ने अपने घर गणपति जी की पूजा रखी थी। इस खास पूजा में प्रध्यिंका के परिवार समेत निक और उनके भाई– भाभी भी शामिल हुए। सामने

आई तस्वीरों में प्रियंका के अलावा निक जोनस, जो जोनस और उनकी पार्टनर सोफी टर्नर ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रही है। वैसे प्रियंका की भगवान के प्रति काफी आस्था है। इस लिए ये पूजा प्रियंका ने अपने घर पर रखी थी। जब प्रियंका पूजा के लिए गाड़ी से उतरी तो उन्होंने सूट के साथ गॉगल्स वियर की हुई थी। उनका से स्वैग अंदाज उनपर बेहद ही जच रहा था। हमेशा ही बॉल्ड लुक में नजर आने वाली सोफी टर्नर इस दौरान इंडियन ड्रेस में बेहद ही खूबसूरत लग रही थी। बता दें कि प्रियंका चोपड़ा की शादी के रस्में आज से शुरू हो गई है। हाल ही में कुछ तस्वीरें भी सामने आई थी, जिसमें प्रियंका का घर एक दुल्हन की तरह सजा हुआ दिख रहा था। प्रियंका और निक 2 दिसंबर को शादी के बंधन में बंध जाएंगे। इस शादी की खास बात ये होगी कि ये शादी दो रीति रिवाज से होगी।

ससुराल वालों के सामने इम्प्रेशन जमाने के लिए प्रियंका बांट रही हैं पैसे

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस 2 दिसंबर को शादी के बंधन में बंधने जा रहे है।शादी से पहले वह अलग–अलग दोस्तों के साथ मुंबई में यहां वहां खूब पार्टी कर रही है, लेकिन बीती रात जो कुछ हुआ, उसने प्रियंका की पार्टी का मजा किरकिरा कर दिया है। पुलिस को खबर मिली कि जुहू के एक रेस्तरां के सामने दर्जन भर से ज्यादा कैमरामैन खड़े हैं और उन्हें पूरा रास्ता ब्लॉक कर रखा है। इस हल्ले से आसपास के लोगों की नींद में खलल पड़ रहा था तो

उन्होंने मुंबई पुलिस को फोन कर दिया। पुलिस यहां पहुंची तो पता चला कि इन लोगों को प्रियंका चोपड़ा की टीम से 'टिप' मिली है कि वह यहां मौजूद रहे। जब पुलिस ने अंदर जाकर देखा तो वहां प्रियंका अपने होने वाले पति निक जोनस, सृष्टि आर्य बहल, पेज 3 पार्टियों में दिखने वाले मुश्ताक शेख और चचेरी बहन परिणिति चोपड़ा के साथ मौजूद थीं। पुलिस ने इन सबको तो कुछ नहीं कहा पर रेस्तरां मालिक को घड़ी दिखाई और कहा कि रात 1.30 बजे के बाद रेस्तरां खुला नहीं रहना चाहिए। पुलिस की सख्ती देख ये सारे सितारे वहां से एक–एक कर खिसकने शुरू हो गए। रेस्तरां वालों ने भी इसके बाद अपना काम समेट लिया। प्रियंका की इस लेट नाइट पार्टी की शिकायत की मुंबई पुलिस ने अपने कागजात में एंट्री भी कर ली है। पुलिस इसके बाद वहां सुबह तड़के तक मुस्तैद रही और फोटोग्राफर्स को भी हिदायत दी कि सितारों की फोटो के चक्कर में रात में लोगों की नींद न खराब करें।

बहन अंशुला को रेप की धमकी मिलने पर भड़के अर्जुन कपूर, ट्वीट कर लोगों को लगाई लताड़

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर हाल ही में बहन जाह्नवी कपूर के साथ करण जौहर के शो कॉफी विद करण में पहुंचे। यहां दोनों ने कई सारी बाते की और कई राज भी खोले। लेकिन इसी शो में एक टास्क के दौरान जाह्नवी और अर्जुन में से अर्जुन जीत गए। अर्जुन की इस जीत का कारण बनी थी बहन अंशुला कपूर। जब अंशुला की मदद से अर्जुन ये टास्क जीत गए तो जाह्नवी थोड़ा मायूस हो गईं थीं। अब इसी को लेकर कुछ ट्रोल्स ने सिर्फ अंशुला को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया बल्कि रेप तक की धमकी दे डाली। सोशल मीडिया पर इस तरह के कमेंट्स और धमकियों से भाई अर्जुन कपूर को गुस्सा आ गया और उन्होंने ट्विटर के जरिए अपना गुस्सा जाहिर किया। अर्जुन ने ट्वीट करते हुए लिखा,श कॉफी विद करण के अपिसोड में से एक ऐसे गैर जरूरी मुद्दे को उठाया गया है जिसका अंशुला से कोई लेना–देना ही नहीं। मैं प्रोटोकॉल के बारे में बिल्कुल नहीं सोच रहा हूं। मेरी बहन को तकलीफ पहुंचाने की कभी सोचना भी मत। मैं दुआ करूंगा कि तुम्हारी बहन या मां को कभी इस सब से न गुजरना पड़े। करण के शो में एक टास्क था, जिसमें शो के गेस्ट जाह्नवी और अर्जुन को किसी को फोन कर के बोलना था कि वो कहे है करण! क्या हो रहा है?श इस टास्क को पूरा करने के लिए जाह्नवी ने तुरन्त अंशुला को कॉल कर दिया। इसके बाद उन्होंने अंशुला से कहा कि वो कहें है करण! क्या हो रहा है?श

इतने में अंशुला कुछ समझ पाती अर्जुन ने टास्क जीतने के लिए जोर से कहा कि वो ऐसे ना कहें. .. अगर वो ऐसा कहेंगी तो अर्जुन घर नहीं आएंगे... ऐसे में अंशुला को कुछ भी समझ नहीं आया और वो कुछ देर के लिए शांत हो गईं। इतने में अर्जुन कपूर ने अपने पापा बोनी कपूर को कॉल कर दिया और वाक्य बोलने के लिए कहा। बेटे की बात मानते हुए बोनी कपूर ने तुरन्त कह दिया श्हे करण! क्या हो रहा है। इस तरह जाह्नवी के पहले कॉल लगने के बाद भी अर्जुन कपूर जीत गए। ऐसे में जाह्नवी कपूर को काफी बुरा लगा जैसा कि उनके चेहरे से साफ झलक रहा है। जाह्नवी को लगा कि बोनी कपूर और अंशुला दोनों ने ही अर्जुन कि बात मान ली। ऐसे में हैरान परेशान होकर जाह्नवी बोली उन्हें लगता है कि वो घर की ऐसी बच्ची हैं, जिसे सभी सबसे कम प्यार करते हैं।

प्रियंका–निक की शादी से कुछ दिन पहले होगी खास पूजा

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। दोनों की शादी की तैयारियां शुरू हो गई है। हाल ही में उनकी शादी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। खबरें हैं

कि प्रियंका–निक शादी की रस्मों की शुरुआत एक छोटी सी पूजा से करेंगे। फिल्म फेयर की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रियंका–निक अपनी शादी को लेकर बहुत एक्साइटेड हैं। दोनों मेहंदी और बाकी के फंक्शन शुरू होने से पहले मुंबई में एक पूजा रखेंगे। ये पूजा 28 नवंबर को होगी। प्रियंका और निक चाहते हैं कि सब कुछ अच्छे तरीके से हो इसलिए वे पूजा करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों इसी साल 2 दिसंबर को जोधपुर में शादी कर सकते हैं हालांकि, कपल ने अभी तक शादी की डेट का खुलासा नहीं किया है। खबरें हैं कि कपल जोधपुर के उम्मेद भवन पैलेस में शादी कर सकते हैं। दोनों हेलिकॉप्टर से वेडिंग प्लेस तक पहुंचेंगे। मेवाड़ हेलीकॉप्टर सर्विसेस ने इस खबर की पुष्टि की है। शादी हिन्दू और क्रिश्चन रीति रिवाज से होगी। शादी के बाद दोनों दो रिशेपशन देंगे।

साउथ एक्टर अंबरीश के निधन से फैंस को लगा सदमा, एक ने किया सुसाइड

साउथ फिल्मों के एक्टर और पूर्व यूनियन मिनिस्टर रहे एम. एच.अंबरीश का 24 नवंबर को 66 साल की उम्र में कार्डिएक

अरेस्ट से निधन हो गया था। अंबरीश के निधन के बाद न केवल साउथ फिल्म इंडस्ट्री बल्कि राजनीतिक गलियारों में भी शोक की लहर दौड़ पड़ी। उनके निधन अंबरीश के प्रशंसक बेहद सदमे में हैं। इतना ही नहीं उनके एक फैन द्वारा सुसाइड करने की भी खबर सामने आ रही है।ताजा रिपोर्ट्स की मानें तो एक्टर के मौत की खबर, उनका एक फैन बर्दाश्त नहीं कर पाया और उसने खुदकुशी कर ली। अंबरीश के प्रशंसकों के लिए ये बात हजम कर पाना बहुत मुश्किल है कि उनका सुपरस्टार अब इस दुनिया में नहीं है। बता दें अंबरीश को दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां पर देर रात अंतिम सास ली। अंबरीश के निधन के बाद सिनेमाजगत की कई दिग्गज हस्तियों ने उन्हें सोशल मीडिया पर नम आंखों से श्रद्धांजलि दी थी। रजनीकांत ने ट्विटर पर लिखा था –मेरे बेस्ट फ्रेंड और बहुत ही अच्छे इंसान को मैंने खो दिया है। मैं तुम्हें बहुत याद करूंगा। भगवान आपकी आत्मा को शांति दे। फिल्मों की बात करें तो अंबरीश साल 1972 में पहली बार नागराहावू फिल्म में नजर आए थे। फिल्मी दुनिया में अंबरीश को विद्रोही अभिनेता के नाम से जाना जाता था। उन्होंने करीब 200 फिल्मों में काम किया था। उन्हें एंग्री मैन भी कहा जाता था।

हिना खान लेगी बॉलीवुड में एंट्री, जम्मू से होगी शुरूआत

प्रसिद्ध बालीवुड और टी.वी. कलाकार हिना खान जम्मू में शूटिंग से फिल्मों में पदार्पण करने वाली हैं। पुंछ जिले के सुरनकोट के

रहने वाले फिल्म प्रोड्यूसर तारिक खान की नई फिल्म से हिना खान फिल्मों की दुनिया में शामिल होंगी और इस नई फिल्म की शूटिंग जल्द ही जम्मू में शुरू होने वाली है। इस फिल्म में प्रसिद्ध कलाकार फरीदा जलाल भी अहम भूमिका निभाने वाली हैं। जम्मू की खूबसूरत जगहों पर फिल्म की शूटिंग होगी जिसके लिए कलाकार जल्द पहुंचना शुरू हो जाएंगे। फिल्म के प्रोड्यूसर तारिक खान ने शूटिंग शुरू होने की पुष्टि करते हुए कहा कि उनकी फिल्म में हिना खान प्रमुख भूमिका में हैं। हिना खान टी. वी. सीरियल यह रिश्ता का क्या कहलाता है से टी.वी. की दुनिया में नाम कमा चुकी हैं। सूत्रों के मुताबिक फिल्म एक प्रेम कहानी पर आधारित है जो ८० के दशक और कारगिल युद्ध के पास के समय की है। हिना खान इसी फिल्म से फिल्मी कैरियर की शुरुआत करने वाली हैं और उन्हें बहुत संवेदनशील भूमिका दी गई है। फिल्क के प्रोड्यूसर तारिक खान, राहत काजमी दोनों उनके साथ संपर्क में थे और शूटिंग का समय मिलने पर अब जम्मू में शूटिंग शुरू होगी। इस नई फिल्म की कहानी राहत काजमी और शक्ति सिंह ने लिखी है जबकि फिल्म को हुसैन खान निर्देशित करेंगे। यह फिल्म तारिक खान, राहत काजमी और जेबा साजिद का संयुक्त प्रोजेक्ट है। फिल्म में विकास सनमोत्रा, कृतिका रामपाल शर्मा, अहमद हैदर, जाहिद कुरेशी के अलावा अन्य बॉलीवुड एक्टर भी हैं। बतां दें कि तारिक खान और राहित की फिल्म मंटोस्तान को फ्रांस के कांस में आयोजित फिल्म फेस्टिवल में काफी सराहना मिली थी और फिल्म को बाद में लंदन में आयोजित एशियन फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था। इन दोनों की एक और फिल्म आईडेंटिटी कार्ड को यू.एस. संसद में कश्मीर मुद्दे के संदर्भ में भी दिखाया गया था।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा
द्वारा पिन वर्क पब्लिकेशन हाउस, दादाबाड़ी कम्पाउण्ड, ठाकुरगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न किसी भी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद लखनऊ न्यायालय होगा।

इस अंक में प्रकाशित समाचारों में किसी प्रकार की आपत्ति होने पर सात दिन के अंदर खंडन भेजे अन्यथा समाचार "सत्य" माना जायेगा।
संपादक
crimereview2012@gmail.com
मो: 9454552222

भंसाली की फिल्म में सुल्तान और किंग खान के साथ धमाल मचा सकती हैं दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण जल्द ही संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म में नजर आएगी। भंसाली ने इस फिल्म में दीपिका के साथ सलमान खान और शाहरुख खान को लेने का फैसला किया। वह फिल्म की कहानी पर काम कर रहे हैं। बताया गया है कि दोनों खानों ने सैद्धांतिक रूप से भंसाली को रजामंदी दे दी है। भंसाली को विश्वास है कि दीपिका उन्हें ना नहीं कहेंगी।

बीते कुछ वर्षों में बार–बार अपनी रंग बदलती दोस्ती–दुश्मनी के लिए चर्चा में रहे दोनों खान पहले करण–अर्जुन, कुछ कुछ होता है और हम तुम्हारे हैं सनम

जैसी फिल्मों में साथ आ चुके हैं। कहा जा रहा है कि बाजीराव मस्तानी और पद्मावत बनाने के बाद भंसाली एक बार फिर ऐतिहासिक फिल्म पर काम कर रहे हैं। सूत्रों की मानें तो यह एक हीरोइन और दो हीरो की कहानी होगी। शाहरुख, सलमान और दीपिका अलग–अलग समय पर भंसाली के साथ काम कर चुके हैं। देखना होगा कि तीनों कब साथ मिलकर काम करने को समय निकाल पाएंगे।

फिलहाल खबर है कि नई–नई शादी के बाद की धूमधाम में व्यस्त दीपिका की अगली फिल्म मेघना गुलजार के साथ होगी, जिसमें वह ऐसी युवती के संघर्ष को पर्दे पर उतारेंगी, जिस पर तेजाब से हमला हुआ। फिल्म की शूटिंग मार्च 2019 में शुरू होने की उम्मीद है। उधर, शाहरुख को भी फरवरी–मार्च में भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा की बायोपिक सारे जहां से अच्छा की शूटिंग करनी है। ऐसे में संभव है कि भंसाली की फिल्म 2019 के आखिर तक शुरू हो सके। फिलहाल शाहरुख इस वक्त शाहरुख अपनी फिल्म जीरो के प्रमोशन में बिजी हैं। वहीं दीपिका पादुकोण अपने रिसेप्शन की तैयारियों में बिजी हैं। दीपिका पादुकोण एक रिसेप्शन बंगलुरू में 21 नवंबर को दे चुकी हैं जबकि दूसरा रिसेप्शन 28 नवंबर को मुंबई में है।